हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

15 मार्च, 1994

खण्ड 1, अंक 9

अधिकृत विवरण

विशय सूची

मंगलवार, 15 मार्च, 1994

	पृश्ठ संख्या
भाोक प्रस्ताव	(9)1
स्थगित तारांकित प्र न उत्तर	(9)2
तरांककित प्र न एवं उत्तर	(9)6
नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखा गया	(9)22

तारांकित प्र न का लिखित उत्तर	
अतारांकित प्र न एवं उत्तर	(9)23
कथित वि ोशाधिकार भंग का प्र न	(9)24
ध्यानकर्शण सूचनाएं	(9)29
ध्यानकर्शण प्रस्ताव	—
भिवानी भाहर में पीलिया का रोग फैलने संबंधी	(9)34
वक्तत्वय—	
स्वास्थ्य एस आयुर्वेदा मंत्री द्वारा उपरोक्त ध्यानकर्शण प्रस्ताव सम्बनधी	(9)35
वर्श 1994—95 के बजअ अनुदानों की मांगों पर चर्चा तथा मतदान	(9)39
बैठक का समय बढ़ाना	(9)88
वर्श 1994—95 के बजट अनुदानों की मांगों पर चर्चा तथा मतदान बैठक का समय बढ़ाना (पुनरारम्भ)	(9)89
बैठक का समय बढ़ाना	(9)92
वर्श 1994—95 के बजट अनुदानों की मांगों पर चर्चा तथा मतदान (पुनरारम्भ)	(9)92

वैयक्तिक स्पश्टीकरण–	
श्री धर्मपाल द्वारा	(9)97
वर्श 1994–95 के बजट अनुदानों की मांगों पर चर्चा तथा मतदान (पुनरारभ)	(9)98
बैठक का समय बढ़ाना	(9)99
वर्श 1994–95 के बजट अनुदानों की मांगों पर चर्चा तथा मतदान (पुनरारम्भ)	(9)99
बैठक का समय बढ़ाना	(9)105
वर्श 1994–95 के बजट अनुदानों की मांगों पर चर्चा तथा मतदान (पुनरारम्भ)	(9)106

हरियाणा विधान सभा

मंगलवार, 15 सितम्बर, 1994

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन,सैक्टर–1 चण्डीगढ़ में प्रात 14.00 बजे हुई। अध्यक्ष (चौधरी ई वर सिंह) ने अध्यक्षता की।

भाोक प्रस्ताव

श्री अध्यक्षः मैम्बर साहेबान, अब मुख्यं मंत्री जी अबुचरी रेफरेन्स करेगे।

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, यह सदन महात्मा गांधी जी की पौत्री श्रीमती मनुबैन सुरेन्द्र भाई मधुबाला जो एक सामाजिक कार्यकत्ता थी, के 13 मार्च 1994 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है। उनकी समाज सेवा व धार्मिक कायों में गहरी रूची थी। उनके निधन से दे ा एक सामाजिक कार्यकर्त्ता की सेवाओं से वंचजि हो गया हैं यह सदन दिवंगत के भाोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

प्रो0 सम्पत सिंह (भट्टूकलां): स्पीकर स,र हाउस के नोत व विपक्ष के नेता ने जो भाोक प्रस्ताव यहां हाउस में रखा है, मै भी अपने आप को उसमें भामिल करता हूं और भाोक प्रस्ताव का समर्थन करता हूं। स्पीकर सर, मेरी हाउस के नेता से यह भी

प्रार्थना है कि श्री रतीराम भार्मा, जो पब्लिक सर्विस कमि ान के मैम्ब्र रहे है, वे भी स्वर्गवास हो गए हैं ओर अगर उनका नाम भी इस भाोक प्रस्ताव के साथ जोड़ दिया जाए तो अच्छी बात है।

Mr. Speaker: Hon'ble Members, I associate myself with the feeling expressed by the leaders of the different parties. Smt. Manubai Surender 'Bai', महात्मा गांधी जी की पौत्री थी ओर महात्मा गांधी राश्ट्र के पिता थे। उन्होने अपनी पूरी भाक्ति लगाकर दे ा को आजाद करवाय। अंग्रेजी प्राईम मिनिस्टर चर्चिल ने एक दफा कहा था कि मै महात्मा गांधी के घुटने दिका दूंगा तो उस वक्त पास में बैठै हुए दसेर स्टेट्समैन नक कहा कि नही, आप उनके घुटने नही टिका सकते, वे आपके घुटने टिका सकते है। इसके बाद जब चर्चिल ने कहा था I have not become the Prime MInister of England to liguidate the British Empire. वह ब्रिटि ा ऐम्पायर महात्मा गांधी जी ने ही लिकवीटडेट कराया। भारत आजाद हुआ ओर उसके साथ सभी दे ा, जो अंग्रेज के गुलाम थे, सभी आजाद हुए वन बाई वन। तो मै भी, हाउस के नोता ने जो भाोक प्रस्ताव रखा है, उसकस समर्थन करते हुए आप सभ्ज्ञी के सथ एसोि ाएट करता हूं ओर जो हाउस की फीलिगज होगी, उनको ब्रीवड फैमिली तक पहुंचा दूंगा।

अब मै सब से प्रार्थना करता हूं कि दिवंगत आत्मा के प्रति दो मिनट खड़े होकर मौन धारण करे।

(इस समय सदन ने दिवंगत के सम्मान में दो मिनट खड़े होकर मौन धारण किया)

स्थागित तारांकित प्र न एव उत्तर

Mr. Speaker: Hon'ble Members, before we start question enlisted for today, the postponed starred question NO. 663 enlisted in the name of Prof. Chhattar Singh Chauhan, M.L.A will be first taken up.

Plantation of Trees

663. Prof. Chhattar Singh Chauhan: will the Minister for Forests be pleased to state the district wise number of trees planted during the period from July, 1992 to date in the state?

Forest Minister (Rao Inderjit Singh): Sir, statement is placed on the table of the House.

Statement

Sr No.	Name of District	Total tress planted from July, 1992 up to 31-01-94
1.	Ambala	21286468
2.	Yamuna Nagar	13962515
3.	Kurukshetra	6146878

4.	kaithal	5045872
5.	Karnal	7668472
6.	Panipat	4142731
7.	Sonipat	6731632
8.	Gurgaon	13477548
9.	Faridabad	7195494
10.	Mohindergarh	10417127
11.	Rewari	6954880
12.	Rohtak	10195207
13.	Bhiwani	12299879
14.	Hisar	14929925
15.	Jind	5633975
16.	Sirsa	11050112
		157138715

प्रो0 छतर सिंह चौहानः अध्यक्ष महोदय, क्या मंत्री महोदय यह बतलाने का कश्ट करेगे कि जो लिस्ट जुलाई 92 से 31.01.1994 तक की इन्होने दी है,उनमें से कितने वृक्ष जिलावाइज सरवाइव कर रहे है और कितने खत्मक हो गये है? इसके साथ साथ में मंत्री महोदय से यह भी कहूंगा कि जितने वृक्ष वे आगे लगवा रहे है उनमें कम से कम कीकर के वृक्ष न लगवाएं। राव

साहब खुदतो भायद किसान नही हैं लेकिन वे किसान परिवार से सम्बन्धित जरूर है। मै उनको यह बतलाना चाहता हूं कि कीकर के वृक्ष लगवान से आधा–आधा एकड़ जमीन बिल्कुल नश्ट हो जाती है। ओर उस जमीन में कोई फसल नही होती तथा उसका मुआवजा भी किसानों को नही मिलता।

इसके अलावा मै उनसे यह जानना चाहता हूं कि जो दरख्त गिराये जा रहे है, क्या सरकार पिछली सरकार की नीति के अनुसरण करते हुए, उन दरख्तों को आमदनी का आधा हिस्सा किसानों को देने का इरादा रखती है?

राव इन्द्रजीत सिहः स्पीकर साहब, नवम्बर, 1991 में गवर्नमैंट आफ इंडिया की तरफ से हमारे यहां एक टीम आई थी। उस समय हमारी स्टेट प्लांटे ान करचुकी थी। उन्होने अपनी तरफ से जो उसकस ब्यौरा दिया था, उसमं उनहोने कहा था कि हरियाणा का सक्सैस रेट 80 प्रति ात से ऊपर है। वैसे हमारा जो निजी मीनिट्रिग सैल है। जो सो ाल फारैस्टरी में करनाल ओर अरावली में रखा हुआ है, उसके हिसाब से इनका सक्सैस रेट 60–70 प्रति ात है। दूसरी बात इन्होने कही कि कीकर के पेड़ ने लगाए जाए। स्पीकर साहब, कई किस्म के पेड़ लगाए जाते है। एक बात तो मै भी मानता हूं कि कीकर के पेड़ के नीचे फसल ठीक ढंग से नही होती। लेकिन माननीय सदस्य यह बातभी मानंगे कि गांव वाले फयूल के तौर पर कीकर की लड़की को इस्तेमाल करतेहै। अगर कीकर का पेड़ ने हो तो वे अपना कुलहाड़ा दूसरे

पेड़ों पर चलाएंगे। हमारी फयूल की जरूरत को वही पूरी कर सकता है। इसलिए उसका लगाना जरूरी है। जो अब तक पेड़ का हिस्सा किसान को देने की बात है उसके बारे में बताना चाहता हूं कि पिछली सरकार की नीति में यह था कि कुछ परसैट हिस्सा किसानों को दिया जाएगा। उसका फायदा उठाते हुए किसानों ने अपने खेत के साथ लगते पेड़ों के अलावा सड़क के सथ लगते हुए पेड़ भी काट लिए। तो इनकी नीति के हिसाब से खेत के साथ लगने वाले पेड़ों का हिस्सा उनको जाना चाहिए था लकिन उन्होने सारे पेड़ ही काट लि। इसलिए हमने उस नीति को लागू नही किया।

श्रीमती चन्द्रावतीः स्पीकर साहब, क्या मंत्री जी बताएंगे कि जिस तरह से कीकर का पेड़ नुकसानदाय है, इसी तरह से सफेदे का पेड़ भी खेती के लिए ओर सब सायल पानी के लिए लाभदायह नही है। दूसरे आपने जो पेड़ों का सरवाइवल रेट बताया है, क्या इसका हर साल सर्वे करवाते है, अगर हों ो इमसें कितनी सच्चाई है?

राव इन्द्रजीत सिंहः स्पीकर साहब, सफेदे के पेड़ के बारे में काफी डिबेट हई है। कि बेहतर किस्म को पेड़ है या नही, क्य यह वाहे पर लग सकता है जहां पानी की कमी है? स्पीकरसाहब, सफेदे के पेड़ की जड़ दस फुट तक सब–सायल पानी होता है, इसलिए सब–सायल पानी को यह खराब नही करता। इन्होने जो कहा कि सर्वे रिपोर्ट के मुताबिक कहां तक

सच्चाई है या नही, उसके लिए हमारी हरियाणा सरकार ने मौनिट्रिग सैन बना रखे है। एक करनाल के अन्दर है ओर एक गुडगांव जिले में है। इनके अनुसार 60–70 प्रति ात सक्सैस रेट हैं हम बाकायदा 60–70 परसैंट मंथ टू मंथ, ईयर टू ईयर सक्सैस रेट का सर्वे करते रहते है। स्पीकर साहब, हमारे प्रदे ा में भारत सरकार की ओर से सर्वेक्षण टीम आई थी, उन्होने सर्वे के बाद यह बताया कि हरियाणा के अन्दर 80परसैंट सक्सेट रेट हैं

श्री सतबीर सिंह कादयानः स्पीकर साहब, चौधरी देवी लाल जी की सरकार ने किसान के खेत से 10 फुट तक दुरी के पेड़ों में किसानों को आधा हिस्सा देने का प्रावधान कियाथा। इसलिए मै मौजूदा सरकार से यज जाननाचाहता हूं कि पिछले दो साल में किसानों को पेड़ों में कितना हिस्सा दिया गया है? इसके साथ साथ मै मंत्री जी से यह भी जानना चाहता हूं कि असंध ग्राम पंचायत ने जो एक हजार एकड़ जमीन ट्री प्लांटे ान के लिए सरकार को दी है, उसमें कब तक ट्री प्लांटे ान करवा दी जाएगी। क्या वह जमीन पंचायत को वापिस कर दी जाएगी। अरग वापिस की जाएगी तो कब तक की जाएगी?

राव इन्द्रजीत सिहः स्पीकरसाहब, किसानों को पेड़ों में हिस्सा देने के बारें में मै पहले ही बता चुका हूं कि वह नीति अब लागू नही है।

श्री अध्यक्षः पिछली सरकार ने क्या यह नीति लागू की थी?

राव इन्द्रजीत सिंहः स्पीकर साहब, पिछली सरकार ने सारे पेड़ कटवा दिए थे।

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, आज सारी दुनिया इस बात से चिन्तित है कि वायुमंडल को कैसे भाुद्ध रखा जा सकता है, दूशित वातावनरण से मानव को कैसे बचाया जा सकता है? मानव को दूशित वातावरण से बचाने की बात पेड़ों से ही हो सकती है। पेड़ ही मानव को दूशित वातावरण से बचा सकते है। अध्यक्ष महोदय, मेरे सामने बैठे विरोधी पक्ष के भाईयों ने तो रास्ता रोकने के नाम से पेड़ों को काट–काट कर सकड़कों पर डाल दिया था अैर लोगों को कह दिया था कि हमारी पार्टी की सरकार आते ही आप सारे पेड़ काट लेना, जो सरकारी पेड़े उनमें भी आपको आधा हिस्सा मिलेगा। ये लोग इस तरह की बात करते है। लोगों को कर्जा माफी की बात कह करके उनको गुमराह करते है ओर लोगों से वोट ले कर गद्दी पर बैठे, क्या लोगों को कर्जा माफ हुआ? उनका कर्जा माफ होने का सवाल ही पैदा नही होता। आपने कर्जा माफी को जो पालिसी बनाई, क्या वहा लागू हुई? ऐसी पालिसी लागू नही हो सकती। एक पेड़ की रक्षा करना एक इन्सान की रखा करना है। पेड़ में भी जीव है। अध्यक्ष महोदय, ये पेड़ की जीवनी के बारे मे ंपढ़े तो हम इनको बताएं, इन्होने पेड़ कटवा का प्रदे ा के वातावरण को बहुत खराब किया।

हम पेड़ों की रखा कर रहे है। हम प्रदे ा के अन्दर ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगवाएंगे ओर ज्यादासे ज्यादा पेड़ लगवाने की कोि ा ा भी की है।

श्री जय प्रका ाः अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ने अपने जवाब मं बताया है कि जुलाई, 1992 से 31.01.1994 तक करनाल जिले में 7668472 पेड़ लगाए है। मै आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि इनमें से कितने परसैट कीकर लगाई ओर कितने परसैट सफेदे के पेड़ लागए गए?

राव इन्द्रजीत सिंहः स्पीकर सहाब, नीति के अनुसार करनाल जिले मे ंपेड़ लगाए गए है। इमें से 31 परसै।ट पेड़ ऐसे लगाए गए है जो छाया के तौर परकाम में आएंगे। 37 परसेंट पेड़ टिम्बर के इस्तेमाल के लिए, 17 परसैंट फीडर के इस्तेमाल के लिए ओर 6 परसेंट फ्रूट आदि के इस्तेमाल के लिए लगाए जाते है।

श्री जय प्रका ाः स्पीकर साहब, मै जानना चाहता हूं कि ये पेड़ कहां–कहां पर लगाए गए?

राव इन्द्रजीत सिंहः आमतौर पर पेड़ कम्यूनिटी लैंड पर लगाए गए है।

प्रो0 सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, मंत्री महोदय और मुख्य मंत्री महोदय ने कहा कि हमने पेड़ काट कर सड़कों पर डाल दिए थे। इस संबंध में मै बताना चाहता हूं कि जब स्टेट

वाटर का ओर टरोटोरियल का इ ा चल रहा थातो उसकी रक्षा करने के लिए प्रांत के हितों की खातर लोगों ने पेड़ काटर कर भी रास्ता रोका, ट्रैक्टर–ट्रालियों से भी रास्ता रोका। उन्होने प्रोटैस्ट के तौर पर रास्ता रोका था। स्पीकर साहब, जो स्कीम थी, वह यह थी कि सड़कों या नहरों के किनारे पर जो पेड़ लगे हुए है, उनकी जो लास्ट लाईन होती है, वह किसान की फसल को नुक्सान पहुंचाती थी, इसलिए उस समय यह फैसला किया गयाथा क जब ऐसे पेड़ जो 15–20 साल बाद मैच्योर होगे, ऐसे पेड़कों को फोरैस्ट डिपार्टमैंट के द्वारा काटने के बाद औक ान के जरिए आधा पैसा किसानो को दिया जाएगा। यह पैसा उनको बतौर मुआवजे के तौर पर देना था। लीडर तो चेंज होते रहते है लकिन पालिसी सरकार की वही रहती है मै जानना चाहता हूं कि किसानों की फसल को हुए नुक्सान का मुआवजा देने के लिए क्या उस नीति को दोबारा से लागू करने का सरकार का कोई विचार है?

राव इन्द्रजीत सिंहः अध्यक्ष महोदय, इनहोने एक बात यह कही हि सरकार तो बदलती रहती है लेकिन नीतिया वही रहती है मैं हाउस की जानकारी के लिए बताना चाहता हूं कि इनके समय के दौरान जो नीति लागू की गई थी, वह यह थी कि जो पेड़ किसानों के खेत के साथ–साथ सड़कों पर या नहरो ंके किनारों पर लगाए जाएंगे उनको काटने पर आधा हिस्सा उन पेड़ लगाते है तो तो वह 15–16 साल में जा कर मैच्योर होता है। इसलिए उससे पहले उसको काटने की हम अनुमति नही देते।

(विध्न) कीकर के पेड़ की छाया से खेत को नुक्सान हो सकता है लेकिन अभी हमारी सरकार को आए हुए केवल अढ़ाई वर्श हुए है और वे इतनी छोटे पेड़ है कि उनमें किसान की फसल को नुक्सान नही हो सकता। किसानों को मुआवजा देने व पेड़ काटने के बारे में हमारी नीति यह है कि जब तक हम यह नही देख लेगे कि फलां वृक्ष से किसान की फसल को नुक्सान हो रहाहै, तक तक उसको काटने की अनुमति नही देगे। साथ ही मै यह बताना चाहता हूं कि जब हमारी सरकार बनी तो उस समय भ्ाुरू– ाुरू में मने इनकी नीति के मुताबिक 1000–2000 हैक्टेयर जमीन में जो पेड़ लगे हुए थे, उनका मुआवजा किसानों को दिया था लेकिन अब हमारी नीति इनकी नीति से अलग है।

तारांकित प्र न एवं उत्तर

तारांकित प्र न संख्या 786

यह प्र न पूछा नही गया क्योंकि इस समय माननीय सदस्य प्रो0 राम बिलास भार्मा सदन में उपस्थित नही थे।

Raid Conducted on Veravali Hospital, Gurgoan

809. Sh. Dhirpal Singh: Will the Minister for Health be pleased to state whether any raid on the Veravali Hospital, Gurgaon was conducted by the Police during the year 1992; if so, the result thereof?

स्वास्थ्य मंत्री (श्रीमती भाान्ति देवी राठी): अतिरिक्त उपायुक्त, गुडगांवा द्वारा जनवरी/फरवरी, 1992 के समय के दौरान एक जांच की गई थी। इस जांच रिपोर्ट के आधार पर पुलिस स्टे ान सिटी, गुडगांव में केस दर्ज किया गया था, जिसकी जांच अभी चल रही है।

श्री धीरपाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री होदया ने जो जवाब दियाहै, वह हमें जो रिटन रिप्लाई किला है, उससे अलग है।

श्रीमती भाान्ति देवी राठीः अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने प्र न मै यह पूछा है कि क्या वर्श 1992 के दौरान पुलिस द्वारा वेरावाली अस्पताल, गुड़गांव में कोई छापा मारा गया हे, यदि ऐसा है, तो उसका क्या परिणाम निकला है? इसका मैने जवाब दिया है, नही। इसक बावजूद भी अगर माननीय साथी कुछ और जानकारी लेना चाहते है तो वे पूछ सकते है।

श्री धीरपाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, मुझे जो लिखित उत्तर किला है उसमें कहा गया है कि जनवरी/फरवरी, 1992 में ए0 डी0 सी0, गुड़गांव ने इन्क्वायरी की थी। मै माननीय मंत्री महोदया से जाननाचाहता हूं कि वह जांच रिपोर्ट पुलिए को किस तारीख को रैफर हुई थी? (विध्न)

श्रीमती भाान्ति देवी राठीः स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से माननीय सदस्य को बताना चाहूंगी कि रेड तो नही हुई

थी। डी0 सी0 गुडगांव को रिटन ि ाकायत मिली थी और वह ि ाकायत सिटिजन राईटस, हरियाणा द्वारा डी0 सी0 को दी गई थी और वह ि ाकायत दिनांक 07.12.1991 को ए0डी0सी0 को सौप दी। ए0 डी0 सी0 ने कुछ अधिकारीयिों को साथ लेकर मौके पर जा कर जांच की। उस में कौन–कौन से अधिकारी थे, यह भी मै बता देती हूं। एक डी0 एस0 पी0, एक डाक्टर और एक आई0 ए0 एस0 अधिकारी मौके पर गए थे और उन्होने वहां पर जो कर छानबीन की।

श्री धीरपाल सिहः अध्यक्ष महोदय, मै माननीय मंत्री महोदया से जानकारी चाहता हूं कि सिटी गुडगांव में यह केस किस तारीख को दर्ज हुआ ओर उस पर क्या कार्यवाही हुई?

मुख्य मंत्री (चोधरी लाल): अध्यक्ष महोदय, 08.03.1994 केस दर्ज हुआ था। जांच रिपोर्ट आने के बाद ही उस पर आगे की कार्यवाही हो सकेगी।

श्री धीर पाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि क्या बी0 ए0 एम0 एस0 डाक्टर अंग्रेजी दवाईया रिकमैंड कर सकता है?

श्री अध्यक्षः धीरपाल सिंह जी, यह सवाल तो रेड से संबंधित है, इसमें बी0 ए0 एम0 एस0 की कोई बात नही है।

श्रीमती भाान्ति देवी राठीः अध्यक्ष महोदय, कहां–कहां पर केस रजिस्टर्ड हुए है या इस बारे में कोई जानकारी अगर माननीय सदस्य चाहते है तो अलग से नोटिस दें। (विध्न)

श्री धीरपाल सिंहः स्पीकर साहब, माननीय मंत्री साहिबा काफी इन्टैलीजैन्ट है ओर वे इस सवाल का जवाब दे सकती है, इसलिए मै इनसे जानकारी चाहूंगा कि जहां पर रेड डाली गई है।. .....(विध्न) स्पीकर साहब, यह बहुत ही महत्वपूर्ण मामला है और मेरी पर्सनल जानकारी में भी है। मेरे पास बी0 ए0 एम0 एस0 डाक्टर का लैटर पैड है जिस परआयुवैदिक डिग्री लिखी होने के बावजूद अंग्रेजी दवाईया प्रैस्क्राईब की गई है, क्या एक बी0ए0एम0एस0 डाक्टर ऐसी दवाईया प्रैस्क्राईब कर सकता है?

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, ि ाकायत पर जो जांच की गई है, उसमें पाया गया है कि उनके पास सही डिग्री नही पाई गई थी। इसलिए तो उनके खिलाफ केस दर्ज किय गया है ओर कानून के मुताबिक जो कार्यवाही हो सकती है, वह जरूर की जाएगी।

श्री कर्ण सिंह दलालः स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से माननीय मंत्री महोदया से जानना चाहता हूं कि जिन अस्पतालों में दवाईयों नही मिलती ओर सरकारी अस्पतालों में डाक्टर नही मिलते है.....(विध्न)

Mr. Speaker: It is no question. Next question please.

Dadupur-Nalvi and Dadupur-Ladwa Canal

798. Sathi Lehri Singh: Will the Minister for Irrigation be pleased to state whether the construction work of Dadupur Nalvi Canal has been started; if so, the time by which it is likely to be completed?

Irrigation Minister (Ch. Jagdish Nehra): No. Sir. The scheme is under consideration.

साथी लहरी सिंहः अध्यक्ष महोदय, इस स्कीम में आपका हल्का भी आता है और मेरा हल्का भी आता है। इससे चार जिे इफैक्ट होते है। मै सरकार का धन्यवाद करता हूं क्योंकि इन्होने कहा है कि यह अन्डर कंसीड्रे ान हैं पिछली बार सरकार ने कहा था कि यह कैनाल स्कीम में नही है। मै सरकारका आभारी हूं कि इन्होने इस बार स्कीम में इसे भाामिल कर लिया है। अध्यक्ष महादेय यह किसान को लाईफ लाईन हैं ऐसा करने से सरकार की 10 करोड़ रूपये की बिजली बच सकती है। मै मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि ये दादूपुर नलवी पर कब तक काम भाुरू कर देगे?

चौधरी जगदी ा नेहराः अध्यक्ष महोदय, यह सी0 डब्ल्यू0 सी0 के साथ अन्डर कंसीड्रे ान है और हरियाणा सरकार इस बारे में जागरूक है। जब सी0 डब्ल्यू0 सी0 इजाजत देगी तो इस पर सरकार कार्यवाही करेगी।

साथी लहरी सिंहः अध्यक्ष महोदय, सवाल यह है कि जो नहर हमारे एरिया से निकलती है, उससे हमें पानी नही मिलता और यह मारे साथ ज्यादती होती है हमें ने तो डब्ल्यू0 जे0 सी0 का पानी मिलता है और न ही आगमैंटे ान का पानी मिलता है। हमारी जीरी और गेहूं की फसले सूख जाती है। क्या इन फसलों को बचाने के लिए सरकार हमें पानी देगी?

(इस प्र न का कोई उत्तर नही दिया गया।)

चौधरी ओम प्रका ा बेरीः अध्यक्ष महोदय, दादूपुर–नलवी नहर जब सैक ान की गई थी, तब से लेकर आज तक इस पर कतने करोड़ रूपए खर्च होने का अनुमान है? इसके साथ ही क्या मंत्री जी आ वासन दैगे क जो वर्ल्ड बैक से आठ सौ करोड़ रूपए मिल रहे है उसमें से कुछ पैसा इस कैनाल पर खर्च करने का प्रावधान करेगे?

चौधरी जगदी ा नेहराः अध्यक्ष महोदय, यह स्कीम 1985 में सैक ान हुई थी। उउस समय यह स्कीम 13 करोड़ रूपए की थी और आज 65 करोड़ रूपए की है। पहले जब डिजाइन किया था उस समय इसकी कैपेसिटी 590 क्यूसिक की थी ओर इससे जो एरिया कामन्ड हो रहा है, वह 186114 एकड़ है। लाडवा वगैरह को मिलाकर इसकी टोटल लैन्थ 381.40 किलोमीटर है।

दूसरे इन्होने वर्ल्ड बैक की बात कही है। यह वर्ल्ड बैक की स्कीम के तहत नही है, इसलिए नही है क्योंकि इसके सथ

जमुना का पानी के बंटवारे की बात जुड़ी हुई हैं जमुना का पानी पांच सूबों में बंटना है ओर जब बंटवारा हो जाएगा, तक यह रूकीम आएगी। दादूपुर नलवी, हथनी कुण्ड बैराज, डब्ल्यू0 जे0 सी0 में पानी की कैपेसिटी बढ़ाना, जे0 एल0 एन0 की सप्लाई ठीक करना, दिल्ली कैनाल को पैरेनियल बनाना, गुड़गांव कैनाल की कैपेसिटी बढ़ाना, किसाऊ डैम, रेणुका डैम, गिरी बाटा डैम और जमुना हाईडल पावर स्टे ान की स्कीमें है जो पानी के बंटवारे के बाद ही पूरी होगी। इसी तरह से और भी बहुत सी चीजे जमुना के पानी से जुडी हुई है। अध्यक्ष महोदय, जब पानी का बंटवारा हो जाएगा तो केन्द्रीय सरकार से भी सहायता मिलेगी। इसमें किसी स्कीम पर 40 करोड़ किसी पर 80 करोड़ किसी पर 100 करोड़ और किसी पर 400 करोड़ रूपये खर्च होने है। सर, इसका संबधं केन्द्रीय सरकार से है।

श्री के0 एल0 भार्मा: स्पीकर साहब, मैने भी इसी क्वै चन को हाउस में मार्च 1992 के सै ान में उठाया था और उस समय मंत्री महोदय ने यह कहा था कि ये दादूपर–नलवी की जो स्कीम है, यह अंडर कंसीड्रे ान है लेकिन बाद में कहा कि यह स्कीम छोड़ दी गई हैं परन्तु अब फिर मंत्री जी ने लहरी सिंह के सवाल के जवाब में बताया है कि यह स्कीम को भाुरू करने जा रहे है। स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से मंत्री महोदय से जानना चाहूंगा कि यह जो इन्होने कहां कि यह स्कीम अंडर कंसीड्रे ान है, यह किन प्वायंट्स के आधार पर कहा गया है? क्या कोई पैसा

इसके लिए मंजूर हुआ है ओर इसके बारे में कोई ऐक ान लिया गया है, अगर लिया है तो इस को कब तक चालू कर देगे?

चौधरी जगदी ा नेहराः स्पीकर साहब, इस स्कीम को अंडर कंसीड्रे ार इस लिए कहा गया है क्योंकि कई मुद्दे और कई चीजे इससे जुड़ी हुई हैं। (विध्न) स्पीकर साहब, मै माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि अंडर कंसीड्रे ान का मतलब है कि अभी हमारे हाथ में पूरी तरह से यह बात नही है जैसा मैने पहले भी कहा कि यह स्कीम पांच सूबों से जुडी हुई है, जिसमें हिमाचल, यू0 पी0, हरियाणा दिल्ली ओर राजस्स्थान भाामिल है। इन सूबों के बीच में जो भी समझौता होगा, उसके बाद ही यह केस केन्द्रीय सरकार के सी0 डब्ल्यू0 सी0 के सामने रखा जायेगा तथा इसके बाद पलनिग कमी ान में जाएगा ओर उसके बाद ही इसके लिए बजट में प्रावाान किया जायेगा। स्पीकर सर, इस तरह से यह सारा सिस्टम कम्पलीट करना है इसलिए य स्कीम न्डर कंसीड्रे ान है। यह काम इनकी सरकार की औकात से बाहर का है।

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर सर, अभी नेहरा जी ने कहा कि यह काम हमारी औकात का नही है। (विध्न) स्पीकर सर,सवाल दादूपुर नलवी का था। अभी नेहरा साहब ने बड़ी सीरियल बात कही है जिसके बारे में हमने भी बार–बार सवाल उठाया है। और मुख्य मंत्री जी ने भी अपना ब्यान दिया है। स्पीकर सर, इन्होन बड़े धड़ल्ले से गवर्न ऐड्रैस में भी बोल दिया कि जमुना के वाटर

में केवल दो स्टेट्स का भोयर है, और वह यू0 पी0 और हरियाणा। लेकिन अभी नेहरा जी कह रहे है कि जमुना के वाटर में पांच स्टेट्स डिसप्यूट है। ओर इनके बीच में जल्दी ही कोई फैसला होने वाला है। ये इस फैसले के बाद ही दादूपुर नलवी स्कीम को टेकअप करेगे। इन्होने कहा कि यह स्कीम अभी अंडर कंसीड्रे ान है। मै इनसे पूछना चाहूंगा कि ये दोगली बाते क्यो करते है? मुख्यमंत्री जी स्पश्ट करें कि क्या उस जमुना के वाटर में उन तीनों स्टेट्स का भी हिस्सा है? स्पीकर सर, मै मुख्य मंत्री जी से कहूंगा क मंत्री जी ने तो ब्यानबाजी की है, उसको स्पश्ट करें। हमें मंत्री जी की बात में भांक हो रही है। स्पीकर सर, इसमें कोई दो राय नही है कि दादूपुर नलवी की स्कीम जमुना के पानी से जुड़ी हुई हैं जितना जमुना का पानी फालतू होगा, वह इस स्कीम के माध्यम से दादूपुर–नलवी कैनाल में आएगा। (विध्न) स्पीकर सर, इसमें छिपाने वाली कोई बात नही होनी चाहिए, गलत बात कहने से कोई फायदा नही है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः बरसात में तो आपके पास काफी पानी हो जाता है। क्या आप उस नहर को बनाकर बरसात के मौसम में उसमें पानी नही छोड़ सकते?

चौधरी जगदी ा नेहराः अध्यक्ष महोदय, यही कई बातें अंडर कंसीड्रे ान है। जो सवाल आपने किया है, वह बड़ा रेलैवेन्ट है और इसलिए जो समझौते होने है, उनके तहत इस नहर को तैयार करना है जो फ्लड का वाटर भी ले जाए, चाहे वह

इंरीगे ान के लिए हो, चाहे री–चाजिग के लिए हो। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः सम्पत सिंह जी, आप बैठ जाइए। (ाोर एवं व्यवधान)

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, इसमें सिवाये हरियाणा और यू0 पी0 के इरीगे ान के लिए बाकी और किसी स्टेट का हिस्सा नही है। पीने के पानी के लिए मानवता के आधार पर सारे दे ा की पौलिसी बनने जा रही है कि जहां पीने के पानी का संकट है, वहां पीने का पानी दिया जाए। दिल्ली दे ा की एस0वाई0एल0 के रास्ते से दिल्ली को पीने का पानी का पानी दें। इसी बात को दृश्टि में रखते हुए दिल्ली में 3–4 बार मीटिग हुइई है कि दिल्ली को पीने का पानी देना है। दिल्ली वाले भी बदले में हमकों पानी देगे। दिल्ली का जो गन्दा पानी है उसको बाकायदा साफ करके हमें सप्लाई करेंगे।

प्रो0 सम्पत सिंहः इसमें और कौन–कौन सी स्टेट्स भाामिल है?

चौधरी भजन लालः इनमें यू0 पी0, हरियाणा, राजस्थान, दिल्ली और पांचवा हिमाचल प्रदे ा है।

श्री अध्यक्षः हिमाचल से तो सारी नदियां होकर आती है?

चौधरी भजल लालः हिमाचल का पानी नही, बिजली की बातहै रणुका और किसाऊ डैम के पानी में हिमाचल का भोयर नही हैं मैने चार स्टेट्स है। वैसे भोयर तो छिल्ली का भी नही है। पानी अगरसिंचाई के लिए दिया जाए तो पानी के बंटवारे कासवाल हाताहैं माननीय आधार पर उनकों पीने का पानी दिया है क्योंकि दिल्ली में आबादी बढ़ रही है। हरियाणा के लोग भी वहां रहते है, यू0 पी0के लोग भी रहते है। दे ा की मानमर्यादा का सवाल है। अगर हम पीने का पानी दिल्ली को नही दे सकेगे तो दुनिया के लोग क्या कहेगे? माननीय आधार पर सिर्फ आर्जी तौर पर कुछ समय के लिए पीने के लिए पानी दिया है। इसमें भोयर की कोई बात नही हैं बार–बार वैसे ही ये बात कह रहे है, अब बात खत्म हो गयी है। (व्यवधन व भाोर)

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर सर, इन्होने यह कहा है कि 5 स्टेट्स की टाक्स हो रही है ओर मामला अंडर कंसीड्रे ान है। (व्यवधान व भाोर).....

Declaration of Farukh Nagar as Sub-Tehsil

753. Sh. Mohan Lal Pippal: will the Minister for Revenue be pleased to state—

(a) Whether there is any propsal under consideration of the Government to declare Farukh Nagar as sub-Tehsil; and

(b) If so, the time by which the afore-said proposal is likely to be materialized?

राजस्व मंत्री (श्री निर्मल सिंह):

(क) हां जी।

(ख) निर्चत समय नही दिया जा सकता।

श्री मोहन लाल पिपल: स्पीकर महोदय मंत्री जी ने मेरे सवाल के भाग 'क' के जवाब में हां जी कह दिया है लेकिन 'ख' का जवाब देते समय यह कह दिया है कि इस बारे में निर्चत समय नही दिया जा सकता। सर, यह तो हमारे इलाके की माग है इसको कब तक पूरा कर देगे?

श्री निर्मल सिंह: अभी इस बारे में कुद नही कहा जा सकता।

Construction of Metalled Roads

853. Sh. Chander Mohan: Will the Minister for P.W.D. (B&R) be pleased to state—

(a) Whether there is any proposal under consideration of the Govt. to launch a crash programme to connect all the village in Shivalik Region with metalled roads; and

(b) If so, the time by which the Villages as referred to in part (a) above are likely to be connected?

लोक निर्माण मंत्री (चौधरी आनन्द सिंह डांगी):

(क) और (ख) ि ावालिक क्षेत्र के भोश काबिल डायरैक्ट्री गांवों को पक्की सड़कों से जोड़ने का प्रस्ताव है परन्तु इनका पूरा करना भारत सरकार द्वारा डिफोरैस्टे ान की अनुमति जहां तक आव यक हो तथा धन की उपलब्धि पर निर्भर करता है।

श्री चन्द्र मोहनः अध्यक्ष महोदय, अभी मंत्री जी ने यह बताया है कि भारत सरकार जब मंजूरी देगी, तब इस क्षेत्र के बाकी गांवों को पक्की सड़कों से जोड़ा जाएगा। भारत सरकार से मंजूरी लेना तो स्टेट गवर्नमैंट का काम है, किसी आदमी वि ोश का काम नही है। मै आपके माध्यम से एक बात कहनाचाहता हूं कि हरियाणा सरकार की यह नीति है कि हरेक गांव को पक्की सड़कों से जोड़ा जाएगा। मैदानी इलाके में तो सरकार ने इस बारे में काफी सराहनीय कार्य किया है लेकिन मेरे क्षेत्र मोरनी के पहाड़ी क्षेत्र में कई गांव ऐसे है जहां पर अभी तक यह सुविधा प्राप्त नही है। उन गांवों को पक्की सड़कों से नही जोड़ा गया है। भारत सरकार से आप कब तक मंजूरी प्राप्त कर लेगे और कब तक वहां पर काम भुरू करा देगे? अब तक क्या ऐक ान हुआ है, क्या मंत्री महोदय बताने का कश्ट करेगे?

चौधरी आनन्द सिंह डांगीः अध्यक्ष महोदय, इस पहाड़ी क्षेत्र के लगभग हरेक गांव को, जिनकी आबादी मैदान में 250 की है और पहाड़ी क्षेत्र में 150 की है पक्की सड़क से जोड़ दिया गया है। अब केवल 7 गांव ऐसे है जिनको जोड़ना भोश रहता है।

राज्य सरकार इसके लिए पहले ही स्वीकृति दे चुकी है। यह सड़के तभी बनी सकेंगी जब उन पर डी–फारैस्टे ान का काम करने के लिए भारत सरकार से अनुमति मिल जायेगी। इस बारे में हम कई पत्र भारत सरकार को लिख चुके है और हर लैवल पर मीटिग भी हो चुकी है। अब आ ाा की जाती है कि डी–फारैस्टे ान के कार्य के लिए जल्दी ही हमें अनुमति मिल जायेगी। लेकिन इन सड़कों को जोड़ने के लिए अवधि या कोई समय सीमा निर्धारित नही की जा सकती क्योंकि जब तक फारैस्ट डिपाटमैंट को सैट्रल गवर्नमैंट की तरफ से क्लीसरैंस न मिल जाए, तब तक हम इनकी बना नही सकेंगे।

744. Ch. Om Parkash Beri: Will the Minister Education be please to state—

(a) Whether there is any proposal udner consideration of the Govt. to upgrade the following schools—

(i) Govt. Girls Hight Schools, Beri to Senior Secoundary School;

(ii) Govt. Girls Middle School, Majra to Hight School;

(iii) Govt. Girls Primary School, chimmi to Senior Secounary School;

(iv) Govt. Primary School, Bakra to Middle School; and

(b) If so, the time by which the schools referred to in part (a) above are likely to be upgraded?

Education Minister (Sh. Phool Chand Mulana):

(a) No, Sir.

(b) Upgradation cased can be considered as per need of the area and subject to the availability of funds.

चौधरी ओम प्रका ा बेरी: अध्यक्ष महोदय, मंत्री महोदय ने यह बताया है कि अपग्रेडे ान के लिए फंड्ज होने चाहिए। जहां तक अवेलेबिलिटी आफ फंडज का ताल्लुक है, वह तो ये खुद ही करेगे, हमारे बस की बात नही हैं जिन स्कूलों को जिक्र मैने अपग्रेडे ान के लिए आपने सवाल से किया है, मै इस बारे में इनको यह बता दूं और इस बारे में चाहे वये अपने डिपार्टमैंट से पूछभी ले क 21.06.1992 को, जब मुख्य मंत्रीबेरी में गयेथे, तो वहां पर इन स्कूलों की अपग्रेडे ान के लिए एलान करके आये थे। जहां तक बेरी का ताल्लुक है, वहां पर 20 हजार के करीब आबादी है। इसमें दो हजार के करीब लड़किया/बच्चियां पढ़ती है। इसी तरह से एक माजरा गांवहै उसकी आबादी भी करीब 13000 है। इसी तरह से चिमनी की आबादी 7–8 हजार के करीब है। वहां पर बिल्डिग एक कालेज जसी बना रखी है। इसी तरह से बाकरा में भी यही हालत है। मै मंत्री महोदस से यह जानना चाहूंगा कि क्यो वे इन स्कूलों को अपग्रेड करने के लिए आ वासन देगे?

श्री फूल चन्द मुलाना: अध्यक्ष महोदय, बेरी साहब ने कहा है कि मुख्य मंत्री जी बेरी गए थे ओर इनस्कूलों को अपग्रेड करने की घोशणा करके आए ि। अध्यक्ष महोदय, मुख्य मंत्री जी ने केवल बेरी के स्कूल के लिए घोशणा की थी। मै बेरी साहब को बताना चाहता हूं कि बेरी में पहले से 10+2 का स्कूल चल रहा है, इसलिए परमाव यक ने समझ कर उस पर अगले वर्श विचार कर लिया जाएगा। जहां तक दूसरे स्कूलों के अपग्रेडे ान कासवाल है, अध्यक्ष महोदय, प्रांत में कोई ऐसा क्षेत्र नही है जहां पर 2.33 किलोमीटर की परिधी से कोई स्कूल दूर पड़ता हो। अध्यक्ष महोदय, आपको याद होगा कि जब हम ओर आप पढ़ा करते थे तो दस बारह किलोमीटर हमें स्कूल के लिएजाना पड़ता था। आज तो ि ाक्षा विभाग ने ि ाक्षा के केन्द्र जगह–जगह खोल दिए है। आज ि ाक्षा विभाग ने ि ाक्षा के क्षेत्र में काफी चेतना पैदा कर दी है। आप लोग अध्यापकों को कहें कि वे अपनी जिम्मेदारी समझे ओर बच्चों को पढ़ाए।

चौधरी अजमत खां: अध्यक्ष महोदय, अभी मंत्री महोदय ने कहां कि हरियाणा में कोई ऐसी जगह नही है जहां 2.33 किलोमीटर से ज्यादा फसले पर 10+2 का कोई स्कूल नही है, मलाई से बहीन ग्यारह किलोमीटर है, और वहां कोई स्कूल नही है। मलाई से हथीन ग्यारह किलोमीटरका फासलाहै लकिन वहं पर बीच में कोई 10+2 का स्कूल नही हैं हथीन से औरंगाबाद का फासला तेरह किलोमीटर है लेकिन वहां भी 10+2 का कोई स्कूल

बीच में नही है। क्या मंत्री महोदय बताने का कृपा करेगे कि ये अम्बाला के आंकड़े दे रहे है या भिवानी, हिसार और सिरसा के आंकड़े दे रहे है?

श्री फूल चन्द मुलानाः अध्यक्ष महोदय, मेरे दोस्त अजमत ख स्वयं अध्यापक रह है ये जो मैने फिगर्ज दी है, वे ऐवरेज फिगर्ज हैं ये जो पन्द्रह–पन्द्रह किलोमीटर का फासला बता रहे है, अध्यक्ष महोदय, ऐसा कोई स्थान नही है जहां पन्द्रह किलोमीटर तक कोई स्कूल न हो। जो मैने फिगर्ज बताई है, उसका मतलब यह है कि फासला ऐवरेज इतना बनता है।

श्री अमीर चन्द्र मक्कड़ः अध्यक्ष महोदय, मंत्री महोदय, कौन से इलाके की ऐवरेज बता रहे है? हरियाणा की ऐवरेज बता रहे है या किसी और इलाके की ऐवरेज बता रहे है। अध्यक्ष महोदय, कही परभी ऐवरेज दो तीनकिलोमीटर नही बनती। हर जगह दस पन्द्रह किलोमीअर से कम फासले परकोई भी 10+2 का स्कूल नही है।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, 10+2 की बात नही है। जो फासला बताया गया है वह स्कूल का बताया गया है। हर किलोमीटर पर एक प्राईमरी स्कूल है, दो किलोमीटर पर मिडिल स्कूल है और पांच किलोमीटर पर हाई स्कूल है। ऐसा नही कहा कि 10+2कास्कूल 2.33 किलोमीटर पर है।

श्री रमे ा चन्द्रः अध्यक्ष महोदय, अभी मंत्री महोदय ने बताया है कि हर 2.33 किलोमीटर पर 10+2 का स्कूल है। स्पीकर साहब, इतने फासले परकही कोई स्कूल नही है। मेरे बड़ौदा हल्के में सिवानका गांव है, वहां के बच्चों को आठ–आठ किलोमीटर पर स्कूल जाना पड़ता है। न वहां पर कोई हाई स्कूल है और न कोई 10+2 का स्कूल है। क्या मंत्री महोदय बताने का कृपा करेगे कि मेरे हल्के के सिवानका गांव में कोई 10+2 कास्कूल खोलने की स्कीम विचारधीन है?

श्री फूल चन्द मुलानाः अभी कोई विचार नही है।

श्री अमर सिंहः क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेगे कि वर्श 1994–95 में कितने प्राईमरी स्कूलों को मिडल स्कूल अपग्रेड किया जायेगा, कितने मिडल से हाई और कितने हाई से 10+2 बनाए जाएंगे?

श्री फूल चन्द्र मुलानाः अध्यक्ष महोदय, पिछली बार भी मैने एक सवाल के जवाब में बताया था कि यह सब कुछ बजट पर निर्भर करताहै। इस बार माननीय सदस्य ने वित्त मंत्री श्री मांग राम गुप्ता जी को एड्रेस भी सुना होगा जिसमें उन्होने कहा है कि 50 स्कूल प्राईमरी से मिडल ओर 25 स्कूल मिडल से हाई अपग्रेड किये जाएंगे।

तारांकित प्र न संख्या 759

(यह प्र न पूछा नही गया क्योंकि इस समय माननीय सदस्य श्री दरियाओं सिंह सदन में उपस्थित नही थे।)

Jaundice Disease in Pehowa City

818. Sh. Jaswinder Singh: Will the Minister for Health be pleased to state—

(a) Whether any cases of Jaundice disease have been reported from Pehowa city during the month of November, December, 1993 and January, 1994, if so, the reasons therefor; and

(b) The steps, if any taken to prevent the occurrence of such type of disease in future?

स्वास्थ्य एवं आयुर्वेदा मंत्री (श्रीमती भाान्ति देवी राठी):

(क) हां, मास नवम्बर, दिसम्बर, 1993 तक जनवरी, 1994 के दौरान पेहवा भाहर में पीलिया रोग के 4 मामले प्रका ा में आए है। पीलिया एक जल दूशित रोग है जो मल दूशित जल के पीने से होता है।

(ख) (1) पीने के पानी को क्लोरीने ान।

(2) लीकिंग पाईपों की मुरम्मत करना।

(3) रैजिड्वल क्लोरीन तथा जीवाणु परीक्षण के लिए पानी के नमूनों की नियमित चैकिंग।

(4) स्वास्थ्य ि ाक्षा।

(5) ऐपीडैमिक डीजीजिज एक्ट, 1897 का लागू करना।

(6) जिला स्तर पर दूशित जल से फैलने वाले रोगों के नियंत्रण हेतु जिला स्तर पर उपायुक्त की अध्यक्षता में कमेटी का गठन किया गया है जिसमें सिविल सर्जन, अधीक्षक अभियन्ता/कार्यकारी अभियन्ता (जन स्वास्थ्य) जिला किवास एवं पंचायत अधिकारी तथा प्रधान नगरपालिका सदस्य होते है।

श्री जसविन्द्र सिंहः स्पीकर सर, मंत्री महोदया ने मेरे सवाल के जवाब में यह माना है कि मास नवम्बर, दिसम्बर, 1993 तथा जनवरी, 1994 के दौरान पेहवा भाहर में पीलिया रोग के केवल 4 मामले प्रका ा में आये है। अध्यक्ष महोदय, पेहवा एक यात्री स्थान है, वहां पर यात्री आते जाते रहते है। और लगभग 50 के करीब वहां प्राईवेट हस्पताल भी है। वहां पर 7 केसिज गवर्नमैंट हस्पताल में काफी सीरियस है और लगभग 600–700 केसिज हमारे नोटिस में आ चुके है जिनमें से दो व्यक्तियों की तो मौत भी हो चुकी है। इस रोग के फैलने का कारण यह है कि वहां का जो सीवरेज सिस्टम है, वह बहुत ही खराब हो चुका है और सवीरेज का गन्दा पानी पीने के पानी के साथ मिल जाता है। 12 नवम्बर वार्ड में तो यह ि ाकायत सब से ज्यादा है। मै मंत्री महोदया से जानना चाहता हूं कि इन सारे हालात को देखते हुए वे कब तक पीने के स्वच्छ पानी का प्रबन्ध लोगों के लिए करवा पाएंगी ताकि लोगों को इस रोग से बचाया जा सके जो सीवरेज की गन्दगी के कारण फैलता है?

श्रीमती भाान्ति देवीः अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने बिल्कुल सही मुद्दा उठाया है ओर आज एक बहुत जटिल समस्या सीवरेज के गन्दे पानी की और स्वच्छ पानी की हमारे समक्ष खड़ी है। वैसे तो सीवरेज की पाईप्स ओर स्वच्छ पानी की पाईप एक दूसरे से काफी दूरी पर होनी चाहिए लेकिन वहां पर दोनों ही पाईप्स साथ साथ चल रही है जिससे सीवरेज का जो दूशित पानी है, वह स्वच्छ पानी में मिल रहा है क्योंकि वे दोनों पाईप्स बिल्कुल साथ साथ जा रही है। पाईप्स की लीकेज के कारण पानी आपस में मिल जाताहै ओर लोगों को वह गन्दा पानी पीने से पीलिया का रोग हो जाता है और इससे बच्चे बूढे व जवान सभी लोग प्रभावित हो जाते है। अध्यक्ष महोदय, यह बात इनकी सही है कि पीलिया एक जल दूशित रोग है जो मल दूशित जल के पीने से होता है। इसकी रोकथा के एि सरकार पूरी तरहे से सजग है। इसके लिए जन स्वास्थ्य विभाग से भी मैने निजी तौर पर अनुरोध किया है और लिखा है क वह कम सक कम किसी भी विस्तार से पहले, जो खस्ता हालत की सीवरेज की या दूसरी पाईप्स है, जो 14–14 व 15–15 साल पुरानी चली आ रही है, कम सके कम उनको पहले रिप्लेस करें। इस बारे में काफी काम हुआ भी हुआ है और भविश्य में हम और सतर्कता बरत रहे है। हमारा भविश्य में यह प्रयास होगा कि सीवरेज के पानी से जो दूशित जल होता है, उसकी लीकेज के कारण भविश्य में ऐसा कोई वाक्या न होने पाए। जैसा इन्होने कहा है कि पीलिया के ज्यादा केसिज हुए है ओर कुछ मृत्यु भी हुई है, मै इस बारे में इन्हें बता देना चाहती

हूं कि अब तक हमारे रिकार्ड के अनुसार केवल चार मामले प्रका ा में आये है, मुत्यु काकोई केस अभी तक हमारे सामने नही आया है।

श्री अध्यक्षः बहन जी, पेहवा एक तीर्थ स्थान ळै। बहुत सारे यात्री रोजाना आते जाते है। पेहवा के बारे में बताए कि स्थिति कब तक ठीक हो जाएगी?

श्री जसविन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, मेरे सवाल का सही जवाब नही आया है जैसाकि मैने पहले ही कहा है कि सात केसिज हमारी जानकारी के अनुसार काफी सीरियस है। वहां के जो तहसीलदार है, वे भोर सिंह जी के रि तेदार है, वे बीमार हुए, सिविल हस्पताल के डक्टर श्री कोहली श्री बीमार हुए। म्यूनिसिपल कमेटी के जो पेजीडैन्ट है, उनका बेटा बहुत सीरियस है। इस तरह से ओर बहुत से केसिज हमारी नालिज में है। मंत्री महोदया ने तो केवल वे गिर्ज बताई है जेा सिविल हस्पताल की है। पेहवा के लगभग 50 के करीब प्राईवेट हस्पताल है जहां पर लोग इस रोग का इलाज करवा रहे है। मेरी स्पीकर साहब, आपके माध्यम से यह कहना है कि कब तक वे पेहवा के दूशित जल को पीने के लायक बनाव देगे ओर कब तक सीवरेज की जो टूटी फूटी पाईप्स है, जिनका पानी रिस कर पीने की पाईप्स द्वारा लोगों के घरों तक जाते है, उसको रिपेयर करवा देगे ताकि लोगों को स्वच्छ पीने का पानी मिल सके ओर इस तरह पीलिया जैसी भयानक बीमारियां आगे से न हो सके, कब तक यह कार्य करवा देगी?

श्रीमती भाान्ति देवी: स्पीकर साहब, जैसे कि मैने बताया कि पीलिया से पीड़ित काफी केस हो सकते है लकिन विभाग ने जो रिपोर्ट मुझे दी है, वह मै।ने यहा पर बता दी है। अगर माननीय सदस्य के नोटिस में और केसिज है तो वे हमें लिख कर भेज दें, उनकी पूरी तरह से जांच की जाएगी। हमने जन स्वास्थ्य विभाग से पहले अनुरोध कर रखा है ताक जो पाइप लीक कर रहे है, उनको रिप्लेस करवाया जाए।

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, जिस जगह पर पाइप ठीक नही है यानी पाइप से लीकेज हो कर पीने वाले पानी के पास सीवरेज का पानी मिल जाता है तो उस गन्दे पानी की वजह से पीलिए की बीमारी फैल सकती है मै माननीय सदस्यों को वि वास दिलाना चाहता हूं कि जहां जाहं पर ऐसी समस्या है, जहां सीवरेज के पाईप लीक करते है, उनको सबसे पहले बदला जाएगा ताकि लोगों को पीने के लिए स्वच्छा पानी देकर पीलिए की बीमारी से बचाया जा सके।

Chhainsa Power Sub-Station

824. Sh. Rajinder Singh Bisla: Will the Minister for Power be pleased to state whether there is any proposal under conideration of the Govt. to upgrade the capcity of power sub station of Chhainsa in District Faridabad?

Power Minister (Sh. A.C. Chaudhary): Yes, Sir.

श्री राजेन्द्र सिंह बिसलाः स्पीकर साहब, मै मंत्री जी को धन्यवाद देना चाहता हूं कि इन्होने पावर पोर्टफोलियो संभालने के बाद इसमें बहुत सुधार किया है मंत्री जी ने मेरे प्र न के उत्तर में कहा है कि 'जी हां'। मै आपसे कहना चाहता हूं कि केवल मात्र 'जी हां' कहने से मेरे क्षेत्र के लोगों को तसल्ली नही होगी। कृपया आप सदन में आ वासन दें कि छांसया के पावर सब स्टे ान की अपग्रेडे ान का काम आने वाले अप्रैल के महीने में भाुरू कर दिया जाएगा?

श्री ए0 सी0 चौधरीः स्पीकर साहब, आनरेबल मैम्बर ने जो अपने इलाके का दुख जाहिर किया है, मै उसके साथ सहमत हूं। इस समय चूंकि छांयसा को हम बदरोला से सप्लाई दे रहे है, फिर भी छांयसा में एक को बजाए दो ट्रांसफार्मर लगाए हुए है। सरकार को इस बात का एहसास है ओर यह कमी तो आज के दिन हम पूरी कर लेगे लेकिन हमें पता नहै कि आने वाले दिनों में बजली की कमी होगी, इसलिए हमने उसके लिए एक रिपोर्ट पहले ही मांग ली है। हमने उसी टैक्नीकल फिजिबिल्टी मांग ली है ओर मै माननीय सदस्य को बताना चाहता हूं कि ऐसा वक्त नह ीआएगा कि आपको गिला रहे। हम पैसे के प्रावधान को ध्यान में रखते हुए इस करन्ट ईयर में सारा काम क्लीयर करके काम भाुरू करवाने की कोि ा ज्ञ करेगे।

श्री मनी राम केहरवालाः अध्यक्ष महोदय, पावर सब स्टे ान की कैपेसिटी बढ़ाने की कई जगह जरूरती है। जैसे

एलनाबाद में ओर करीवाला में जो ट्रांसफार्मर्ज लगे हुए है, वे जरूरत के मुताबिक छोटे है। वहां की जरूरत कब तक पूरी कर दी जाएगी?

श्री ए0सी0 चौधरी: स्पीकर साहब, यह सवाल तो बल्लभगढ़ के छांयसा का था लेकिन फिर भी मै बता दूं कि मैने पिछले दो तीन सवालों के जवाब में हर जिले के बारे में डिटेल में बताया है। जहां ये समझते है कि ओवर लोडिग की वजह से ट्रांसफार्मर की एडी ानल रिकवायरमैंट है, वे कृपया मुझे बता दे ताकि मै उन पर हाउस में फारमैलिटी के तौर पर जवाब ही न दूं बल्कि उस काम को करवाभी सकूं।

Cases /Registered under the violation of Essential Commodities Act

836. Sh. Jai Singh Rana: Will the Minister for Food and Supplies be pleased to state—

(a) Whether any cases have been registered under the violation for Essential Commodities Act with the Police in the State during the year 1993-94, if so, the number thereof; and

(b) the Number of licencess of depot. holders, if any cancelled under the detection of mal practice and irregularities in Public Distribution Systme in the state during the perod mentioned in Part(a) above?

खाद्य एवं पूर्ति मंत्री (श्री महेन्द्र प्रताप सिंह):

(क) हां, वर्श 1993–94 में (28 फरवरी, 94 तक) आव यक वस्तुऐं अधिनियम की उल्लंघना करने पर पुलिस के पास 100 मामले दर्ज करवाये, और

(ख) वर्श 1993–94 के दौरान जन वितरण प्रणाली के तहत अवैध कार्य करने तथा अनियमितताये करने के कारण 180 डिपों धारकों की अथोरिटी (जिसे आमतौर पर डिपों का लाईसेन्स भी कहा जाता है), रद्द किये गये।

श्री जय सिंह राणाः स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि जो 100 मामले दर्ज किए गए है, उनका जिलावार ब्यौरा क्याहै तथा किस किस जिले में कितने कितने केस दर्ज हुए है?

श्री महेन्द्र प्रताप सिंहः अध्यक्ष महोदय, फरवरी, 1993–94 तक जिन डिपों होल्डर्ज या लाईसैसीज की अनियमिताएं पाई गई, उनके खिलाफ 100 केस दउर्ज करवाए गए। उनका जिलावार ब्यौरा इस प्राकर है अम्बाला जिले में पांच, जमुनागर जिले में 13, भिवानी जिले में तीन, सोनीपत जिले में चार, रिवाड़ी जिले में 6, कैथल जिले में पांच, हिसार जिले में 8, सिरसा जिले में 10, कुरूक्षेत्र जिले में एक, फरीदाबाद जिले में 10, गुडगांव जिले में 10, रोहतक जिले मे ंदो, पानीपत जिले में 15, करनाल जिले में तीन, और नारनौल जिले में पांच। इस तरह से लगभग 100 केस दर्ज हुए।

Harijan Chaupals

841. Sh. Ram Rattan: Will the Minister for Development and Panchayats be pleased to state—

(a) The number of Harijan Chaupals, if any, lying incomplete in Hassanpur Block, Distt. Faridabad; and

(b) The time by which construction work of the aforesaid Chaupals is likely to be completed?

विकास मंत्री (राव बंसी सिंह):

(क) फरीदाबाद जिले में ऐसा कोई ब्लाक नही है।

(ख) प्र न ही नही उठता।

स्पीकर साहब, भाई राम रतन ने यह सवाल पूछाहै कि जिला फरीदाबाद के हसनपुर ब्लाक में कितनी हरिजन चौपाले अधूरी पडत्री हुै। मै माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि हसरपुर कोई ब्लाक नहीहैं इसलिए वहां पर कोई हरिजन चौपाल अधूरी रहने का सवाल ही पैदा नही होता। दरअसल मै इनकी तसल्ली के लिए बताना चाहूंगा कि इनकी कांस्टीच्एंसी में दो ब्लाक पडते है– एक होडल और दूसरा पलवल। अब तक माननीय सदस्य की कांस्टीच्यूएंसी में 59 हरिजन चौपाले कम्पलीट की जा चुकी है। अब 25 चौपाले रहती है जिनको कम्पलीट करना है। ज्यो ही एफ0 डी0 से पैसा रीलीज होगा, उनको कम्पलीट करने की कोि ा ा करेगे।

श्री राम रतनः अध्यक्ष महोदय, मेरे हल्के में प्रहलादपुर, हुसंगाबाद, डकोरा, कु ालीपुर, भामसाबाद, बाता, गुन्दवास, करबन, सतवागढ़, गुलावाद, लिखी और रूंधी यानि कम सक कम 25 चौपालें ऐसी है जो अधूरी पडत्री है, उनको कब तक पूरा करवा दिया जाएगा?

राव बंसी सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैने आपे माध्यम से भाई राम रत जी को अभी बताय था कि 25 चौपालें इनक्पलीट हैं चौपालों के लिए 25 लाख रूपया मंजूर किया गया था, जिसमें से 15 लाख रूपया रिलीज हो चुका है और वह पैसा हमने जिलवाइज डी0 सीज0 को भेज दिया है। अब 10 लाख रूपया रिलीज होना बाकी रहता है। ज्यो ही पैसा हमारे पास आएगा, हम डी0 सीज0 को भेज देगे ओर उस पैसे से जितनी चौपालें कम्पलीट की जा सकेगी, उनको कम्पलीट करने की कोि ा ा करेगे।

श्री अध्यक्षः अनरेबल मैम्बर्ज, अब क्वै चेज आवर समाप्त होता है।

नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर खा गया तारांकित प्र न का लिखित उत्तर

Cases of Embezzlement

773. Ch. Azmat Khan: Will the Minister for Power be pleased to state—

(a) Whether any cases of embezzlement in Hodel, Nuh and Ferozepur Jhrika sub division of H.S.E.B. has been detected during the period from 1986 to 1992; and

(b) If so, the total amount involved in each case of embezzlement togetherwitht he names of the officials held responsible therefor and the action taken against them?

Power MInister (Sh. A.C. Chaudhary):

(a) Yes, Sir.

(b) A statement is laid on the table of the House

STATEMENT

Followiing cases of embezzlement were detected during the period 1986 to 1992 in respect of the operation sub divisions of hodel and Nuh. There was no case of embezzlement at operatio sub Divisions,Ferozepur Jhirka during the perid.

Name of Sub Division	Amount involoved	Name of Officer/Official	Action taken
Operation sub Division, Nuth	Rs. 1053405.92	Sh. Ajit Kumar Jain, L.D.C. (Cash	Official arrested and released on bail. Presentaly under suspension. Case under

			investigation by police.
Operation Sub Division Hodal	Rs. 1178174.80	Sh. Siri Chand, Chashier. Sh. Giaisi Ram, U.D.C. (R) Sh. Ulshan Nagpal, S.D.O., Sh. Girraj Singh, S.DO. Sh. I.M. Jain, S.D.O. Sh. R.D. Dhiman, J.E.-I	Sh. Siri Chand Cashier, arrested and released on bail. The exten of responsibility of other officials is sbeing determined for punitivie action.

अतारांकित प्र न एवं उत्तर

Construction of Roads

175. Sh. Mani Ram Rupwas: Will the Minister for PWD (B&R) be pleased to state—

(a) Whether there is any proposal under consideration of the Govt. to construct the following roads of Distt. Sirsa—

(i) From village Rupawas to Jorka;

(ii) From village Kumhariya to Rajasthan border:

(iii) From village Sahuwala-II to sherpura;

(iv) From village Rupana Khurd to Nirwan; and

(v) From village Bakriyawali to Moriakhera; and

(b) If so, the time by which the afore-said roads are likely to be constructed?

लोक निर्माण मंत्री (चौधरी आनन्द सिंह डांगी):

(क) और (ख) क्रमांक 1 तथा 3 पर वर्णित सड़कों के निर्माण का प्रस्ताव नही है। क्रमांक 1 तथा 3 पर वर्णित सड़कों के निर्माण के समय निर्धारण का प्र न ही नही उठता।

Veterinary Hospital/Dispensary

176. Sh. Mani Ram Rupawas: Will the Minister of state for Animal Husbandary be pleased to state—

(a) Whether it is a fact that the most of the Veterinary Hospital/Dispensaries of Darba-Kalan of Block Nathusari Chopta District Sirsa are without Doctors; if so, the time by which the doctors are likely to be posted therein; and

(b) Whether it is also fact that the mot of the buildings of Veterinary Hospitals/Dispensaries of above said Block are in dilapidated condition; if so, the time by which the afroesaid buildings are likely to be repaired?

प ाुपालन राज्य मंत्री (राव धर्मपाल):

(क) जी नही, केवल मात्र 1 प ाु हस्पताल एवं प्रजनन केन्द्र तथा 12 प ाु औशधालय, बिना प ाु चिकित्सक/प ाुधन

विकास सहायक (वी0 एल0 डी0 ए0) के है। इन पदों को भरने बारे पग उठाए जा रहे है।

(बी) जी हां, उनकी हालत अच्छी नही है। प ा हस्पतालों/औशधालयों के भवनों की मुरम्मत हेतु धनरा ि। उपलब्ध होते ही कार्यवाही की जाएगी।

Construction of Water works all Village Rupawas and Arnianwali

177. Sh. Mani Ram Rupawas: Will the Minister for Public Health be pleased to state—

(a) Whether the construction work of water works of village Rupawas an Arnianwali of Distt. Sirsa are lying incomplete; and

(b) If so, the time by which the work on the aforesaid water works is likely to be completed?

जन स्वास्थ्य ंमंत्री (श्री रामपाल सिंह कंवर):

(क) जी हां।

(ख) रूपावास का जलघर दिनांक 22.12.94 तक तथा अरनियांवाली का जलघर 9/94 तक पूर्ण हो जायेगा।

कथित वि ोशाधिकार भंग का प्र न

श्री कर्ण सिंह दलालः स्पीकर सहब, मैने आपकी सेवा में आज ही हमारे सदन के नेता चौधरी भजन लाल के खिलाफ एक प्रिविलेज मो ान दिया है।

श्री अध्यक्षः आपने यह प्रिविलज मो ान कितने बजे दिया है?

श्री कर्ण सिंह दलालः मैने 11.45 बजे दिया है।

श्री अध्यक्षः नही, आपने 12.45 बजे दिया है।

श्री कर्ण सिंह दलालः स्पीकर साहब, हाउस में पिछले दिनों मनोज कुमारण मण्डल के बारे में चर्चा हुई थी, उस समय चीफ मिनिस्टर साहब ने कहा था कि धनिक लाल मंडल का कोई मामला नही है। लेकिन स्पीकर साहब, मैने काफी भागदौड़ करके हमर महकमें के कागज इकट्ठे किए है और मै यह बात दावे के साथ कह सकता हूं कि मुख्य मंत्री महोदय ने राज्यपाल महोदय की नजरों में अपनी छवि बनाने के लिए सदन के समक्ष जो स्टेटमैंट दी, वह गलत थी। यह मनोज कुमार मण्डल, जिनके पिता का नाम हरिकि ान मण्डल हे, उनका एफिडेविट स्पीकर साहब, एक जगह नही, 3 जगह हरियाणा प्रदे ा के कार्यालयों में पड़ा हुआ है। यही नही, इससे भी बड़ा 3 जगह हरियाणा प्रदे ा के कार्यालयों में पड़ा हुआ हैं यही नही, इससे भी बड़ा धमाका यह है कि जो मनोज कुमार मण्डल है, वह बैकवर्ड क्लास से संबंध रखता हैं स्पीकर साहब, मुख्य मंत्री महोदय की कृपार से 500 रूपये

स्टाईपैड लेने के लिए फार्म में बी0 सी0 को काटर कर एस0 सी0 लिखा गया है। अैर 500 रूपये का स्टाईपैंड वह एक दो महीने का ले चुका है। जिसके चैक नं0 व ड्राफ्ट नं0 मेरे पास लिखे हुए है। स्पीकर साहब, यही नही, गवर्नमैंट कालेज के उन दिनों वहां पर हरिसिह प्रिसिपल हुआ करते थे जिन्होने इस मनोज कुमार मण्डल के लिए सारे गलत रीके से काम किए। जब उस हरिसिंह का वहांसे तबादला हुआ तो मनोज कुमार मण्डल ने फरीदाबाद कालेज के दफ्तर से गवर्नर साहब के निवास स्थान पर टेलिफोन बुक करवाया जिसका नंबर बाकायदा वहां के रजिस्टर में दज्र है ओर अक्सर, वहां के जो लैक्चरार है, उनको डराने धमकान का काम किया करत है, स्पकर साहिब, माननीय मुख्यम मंत्री महोदय ने जानबूझ कर हमारे जो प्रैस के भाई, उनमें अपनी छवि बनाने के लिए, इस दे ा में ओर प्रदे ज्ञ में छवि बनान के लिए, इससदन को गुमराह किया है। स्पीकर साहब, यही हारे मुख्यमंत्री महोदय की आदत है। (विध्न)

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): अभी आप सुनों कि मै क्या कहने वाला हूं? (विध्न) पहले आप सुनिए।

श्री अध्यक्ष: कर्ण सिंह, आपकी बात हो चुकी है। (विध्न)

श्री कर्ण सिंह दलाल: स्पीकर सहाब, जब मनोज कुमार मण्डल को 500 रूपये स्टाईपैड ि ाडयूल्ड कास्टस के नाम से दिए गए तो हरियाणा के अधिकारियों ने आडिट ओब्जैक ान लगाया

और उस आडिट ओब्जैक ान को नकारा करकेउसकसे 500 रूपये का स्टाईपैड दियागया। स्पीकर सहाब, जब ि ाडयूल्ड कास्टस का स्टाईपैड लेना होताहै, तो एस0 सी0 का सटिफिकेट दिखाना जरूरी है। वह व्यक्ति हरियाणा की जिस तहसील का रहने वालाहै, वहां के उप–मण्डल अधिकारीध (ना0) से सटिफिकेट लेना होताहै, जिसे जाति प्रमाणपत्र कहते है। (विध्न) स्पीकर साहब वह फार्म मैने आपकी सेवा में दिया है। (विध्न) इसमें एस0 डी0 एम0 का कोई सटिफिकेट नही लिया गया है। (ाोर)

चौधरी भजन लालः आप सुनेगे तो पता लगेगा। (ाोर) अध्यक्ष महोदय, मेरा आपसे पहला निवेदन यह है कि अगर कोई आदमी हाउस में गलत प्रिवलेज मो ान दे तो उसके खिलाफ क्या कार्यवाही होनी चाहिए? (विध्न) एक तो इस बारे में मैं आपको रूलिग चाहूंगा कि कोई गलत स्टेटमैंट दे तो उसके खिलाफ क्या कार्यवाही होनी चाहिए? दूसरे, जो इन्होने कहा है, उसके लिए मेरा चैलेंज है या तो ये सदन से इस्तीफा दे देगे या मैं दे दूंगा अगर मनोज कुमार गवर्नर साहब हा पोता है ओर उसके बाप का नाम हरिकि ान है। गवर्न साहब के किसी बेटे का नाम हरिकि ान नही है। गवर्नर साहब के दो बेटे है और इन दोनों बेटों का नाम हरिकि ान नही है। आज कोई आदती लिख से सन आफ भजन लाल। भजन लाल एक ही है दे ा में क्यात्र कोई लिख दे जवाहरलाल नेहरू। गलती से नही लिखा, वह गलती कर बैठा, उसको जवाहर लाल नेहरू लिखना चाहिए थाा। अध्यक्ष महोदय,

इस तरह से गलतब्यानी की है, गलत बात की है, हाउस को गुमराह किया है, इसलि ऐसे मैंबर के खिलाफ फौरन कार्यवाही होनी चाहिए। मेरा इस बात के लिए इनको चैलेंज है। (विध्न)

श्री अध्यक्षः दलाल साहब, क्या आपने वैरीफाई कर लिया? (विध्न)

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, हाउस की कमेटी बनाइए। (ाोर) वे गलत बात करते है, हाउस को गुमराह करते है। (ाोर)

श्री मनी राम केहरवालाः यह हाउस में गलत ब्यानी कर रहे है, इनके खिलाफ प्रिवेलेज मो ान आना चाहिए। (ाोर)

श्री कर्ण सिंह दलालः स्पीकर साहब, यह मामला अखबारों में छपा था ओर अखबारों की हैड लाईन में जिस तरीके से छपा था, वह आपके सामने रखा गया है। (विध्न)

चौधरी भजन लालः स्पीकर सहाब, आप हाउस की कमेटी बनाइये। (ाोर) पेपर की क्या बात है? (ाोर)

श्री कर्णसिंह दलालः स्पीकर साहब, आप इस मामले को प्रिवेलज कमेटी में एडमिट करिए। (ाोर)

चौधरी भजन लालः मनोज कुमर पोते का नाम नही, हरिकि ान बाप का नाम नही। (विध्न) गवर्नर साहब के दो बेटे है, हरिकि ान नाम का उनका कोई बेटा नही है। (ाोर)

चौधरी जगदी ा नेहराः ऑन ए प्वायंट ऑफ आर्डर। स्पीकर साहब, मै कहना चाहता हूं कि हमारे माननीयसदस्य ने यह कहा है कि मैने पेपर देख कर यह मो ान दिया, जबकि आज यह कह रहे है कि मैने बड़ी भागदौड करके सारे कागज इकट्ठे किए है। फरीदबाद एन0 आई0 टी0 का एड्रैस लिया है और मनोज कुमार की फोटो भी इन्होने ली है जिसको ये यहां पर दिखा रहे है, टेलीफोन किया है, उनका स्टाईपैण्ड कन्सै ान जो हाता है, उसके कागल इन्होने भागदौड़ कर हर चीज इकट्ठी की है। स्पीक सर, यह सब किस के खिलाफ कियाहै? मै आपको याद कराना चाहता हूं कि और आपको तो पता ही है कि गवर्नर साहब के कण्डक्ट के बारे में यह असैम्बली किसी चीज को डिस्कस नही कर सकती। पालियामैंट प्रैजीडैन्ट के कण्डक्ट क बारे में और असैम्बली गवर्नर साहब के कण्डक्ट के बारे में कुछ नही कर सकती। उस भाख्स के बारे में इन्होने बड़ी भागदौड की । अध्यक्ष महोदय माननीय मुख्य मंत्री जी कै खिलाफ ये प्रिविलैज मो ान लाए है कि इन्होने झूठी स्टेटमैंट दी है। स्पीकर साहब, इस तरह से जो आदमी गैर–जिम्मेदारी वाली बात करे, गलत ब्यानी करे, सारी बात गलत करे, उसके खिलाफ कार्यवाही होनी चाहिए। स्पीकर साहब, आपसे मेरी दरख्वास्त है कि आप हाउस की एक कमेटी बना दीजिए। असैम्बली पार्टी वाईज रे ाों के मुताबिक 5 मैम्बर्ज की एक कमेटी बना दीजिए और अगर उस कमेटी में ये बात गलत साबिल हो जाए तो कमेटी जो रिकमैंड करें, उसके हिसाब से आगे कार्यवाही की जानी चाहिए। (विध्न एवं भाोर)

श्री अध्यक्षः दलाल साहब, आप यह बताइये कि क्या आप ऐफिडैविट देने के लिए तैयार है? (ाोर)

श्री कर्ण सिंह दलालः स्पीकर सर, ऐसा है कि ऐफिडैविट देने के लिएभी मै तैयार हूं। (ाोर) स्पीकर साहब, आप मेरी बात तो सुनिये। (विध्न और भाोर) यह मामला जिस दिन उठा था, मैने उस दिन भी कहा था। (विध्न एवं भाोर) ऐफिडैविट देने में मुझे कोई दिक्कत नही है। (विध्न एवं भाोर)

श्री अध्यक्षः मैने सवाल किय है कि क्या आप ऐफिडैविट देने` लिए तैयार है? (ाोर)

श्री कर्ण सिंह दलालः स्पीकर सर, ये जो कागज है इनमें ऐफिडैविट पहले से ही लगा हुआ हैं यह ऐफिडैविट मेरा नही है, मनोज कुमार मण्डल के बा का है। (ाोर) स्पीकर सर, यह जो मामला मनोज कुमार मण्डल के बारे में था आप इसको प्रिविसलैज कमेटी में डाल दीजिए। (ाोर) प्रिविलेज कमेटी होती किस लिए है? (विध्न एवं भाोर)

श्री अध्यक्षः दलाल साहब, आप बैठिए। (विध्न एवं भाोर) राम पाल सिंह जी आप क्या कहना चाहते है? (ाोर)

जन स्वास्थ्य मंत्री (श्री राम पाल सिंह कंवर): स्पीकर साहब, प्रिविलेज मो ान लाने के लिए उसका बेस क्या होना चाहिए, इस पर मै आपकी रूलिग चाहता हूं? अध्यक्ष महोदय, कर्ण सिंह दलाल जी ने जब खुद प्रिविलज मो ान मूव करने का प्रयास

किया है तो इन्होने यह कहा कि प्रिविलेज मो ान लाने का हमारा बेस यह है कि हाउस को मिसलीड किया गय हैं अध्यक्ष महोदय, मै आपकी रूलिग चाहूंगा जैसे कि आदरणीय मुख्य मंत्री जी ने कहा है कि कमेटी बना दी जाए और उसकी रिपोर्ट मंगवा ली जाए। यदि रिपोर्ट आने के बाद यह साबित हो जाए कि मैम्बर साहेबान ने प्रिविलैज मो ान मूव करते समय हाउस को मिसलीड किया है तो क्या यह प्रिविलैज मो ान मूव करने वाले के खिलाफ प्रिविलेज मो ान आ सकता है? (ाोर) अध्यक्ष महोदय, हम चाहेगे कि कमेटी की रिपोर्ट आने के बाद इनके खिलाफ प्रिविलेज मो ान हाउस के अन्दर आए और इनक खिलाफ एक ान लिया जाए। (विध्न)

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, आप मेंरी बात सुनिये। (ाोर)

श्री अध्यक्षः मैने आपसे जो सवाल किया है, आप उसके बारे में कहिए। आपने उनके ऐफिडैविज का जिकर तो कियाहै। लेकिन आप अपना ऐफिडैविट देने के बारे में बताइए? (ाोर)

श्री कर्ण सिंह दलालः स्पीकर साहब, मैने तो रूल्ज ऑफ प्रोसीजर एण्ड कण्डक्ट ऑफ बिजनैस के रूल 265 के तहत आपको दरख्वास्त दी हैं सदन की प्रिविलज कमेटी बनी हुई है। (ाोर)

चौधरी बंसी लालः स्पीकर सर, श्री कर्ण सिंह दलाल प्रिविलेज मो ान लाए है मुख्य मंत्री जी ने चैलेन्ज किया है और साथ ही यह भी कहा है कि सदन के मैम्बर्ज की एक कमेटी बना दी जाए। इनकी बात ठीक है। सदन के पांच मैम्बर्ज काी कमेटी बना दीजिए,उसको इन्क्वायरी कर लेने दीजिए ओर उसके बाद आगे की जो भी प्रोसीडिग्ज होगी, वह आप कर लें। (विध्न एवं भाोर)

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, इनका ऐफिडैविट तो आना चाहिए। (ाोर)

श्री धीर पाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, जब हाउस के मैम्बरों की कमेटी बनाई जा रही है तो फिर उसमें ऐफिडैविट की क्या बात रह जाती है? (ाोर)

चौधरी बंसी लालः स्पीकर सर, सदन में आज तक किसी भी मैम्बर का ऐफिडैविट नही लिया गया और प ऐफिडैविट लेने का कोई सवाल ही पैदा हाता है क्या आज तक सदन के किसी मैम्बर ने ऐफिडैविट दिया है? (ाोर)

श्री सतबीर सिंह कादयानः अध्यक्ष महोदय, जैसा कि मुख्यमंत्री जीने ऐफिडैविट लेने की बात कही है कि ऐफिडैविट लिया जाए। क्या आज से पहले किसी ऐ ऐफिडैविट लिया गया है या किसी ने दिया हे? मै इनसे यह पूछना चाहता हूं कि अब यह क्यों मांगा जा रहा है, क्या सदन को गुमराह किया जा रहा है।

श्री अध्यक्षः कादयान जी, यह मुख्यमंत्री जी ने नही कहा, यह मैने कहा है। This matter si under consideration and I will thel you tomorrow. Please take your seat. That matter is finished now.

ध्यानकर्शण सूचनाएं

प्रो0 सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, यह मैटर तो आपने एक्सटैन्ट कर दिया है, लेकिन मुझे इस पर दो भाब्दकहने है।

श्री अध्यक्षः अब आप इस पर नही कह सकते है, अगर आपकों और कुछ कहना है तो कहें।

प्रो0 सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, मुख्य मंत्री जी ने कहा था कि हमारी प्रधानमंत्री जी के साथ एस0 वाई0 एल0 के बारे में 19 तारीख को मीटिग हो रही हैं परन्तु पंजाब के मुख्य मंत्री जी ने अखबार के मुताबिक कहा है कि 19 तारीख को कोई मीटिग नही हो रही है। अब हरियाणा के मुख्य मंत्री ने कह दिया क इस बारे में पंजाब के मुख्य मंत्री ने कहा है बल्कि यह 25 तारीख को होने जा रही है उन्होने कहा है–

"Talking to reporters here, Mr. Beant Singh said that no meetinghas been fixed for March 19 at Delhi for Discussion on the construction of the SYL Canal.

Further, it is written—

"Mr. Beant Singh said that he would go to Jalandhar on March, 19, to attend function and was not aware of any meeting to be held in Delhi on that day."

तो स्पीकर साहब, यह जो एक अहम खबर अखबार में निकली है, इससे यह साबित होता है कि यह सरकार सीरियस नही है ओर लोगों को गुमराह कर रही है।

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, यह मीटिग पहले 19 तारीख को ही तय हुई थी लकिन हमारे पास टैल्क्स आया कि अब मीटिग 19 तारीख की बजाय 25 तारीख को होगी। यह रिकार्ड की बात है और टैलेक्स हमारे पास है। अगर आप चाहे तो पढ़ लेना।

चौधरी बंसी लाल: अध्यक्ष महोदय, हमने आत एक कालिग अटैन ान मो ान दी है। अध्यक्ष महोदय, कल के 14 मार्च, 1994 के इण्डियन एक्सप्रैस में एक खबर निकली है। यह खबर है कि ढूंढाहेड़ा गांव जो गुड़गांव जिले में है, वहां की 80 एकड़ से ज्यादा जमीन को हरियाणा के फाईनैन्ि ालय कमी ानर ने इन्तकाल को नामन्जूरी दे दी है। तो मेरी समझ में यह बात नही आई कि नामन्जूरी किस हिसाब से दी गई है? यह खबर अखबार में बहुत ही डिटेल में लिखी गई है कि इनफल्यूएंि ायल आदमियें के हाथ में आज हकूमत है, वे उस जमीन को हडपना चाहते है। अध्यक्ष महोदय, मेरे पास एक जमावन्दी की जिरोकसकापी है। इसमें एक हवाला दिया गयाहैं कि तबदील मजलकयीत रैजुले ान

नं0 3, 05.05.79 चिट्ठी नं0 एस0 आई0 590/707–10 डेटिड 30–01–90 हैं इसमें एम0 के0 मिगलानी, कमी ानर एंड सैक्रेटरी आफ हरियाणा सरकार डिवैल्पमैंट एंड पंचायत हैं अध्यक्ष महोदय, जब यह इन्तकाल दर्ज हुआ ओर जब यह जमीन पंचायत से लेकर टूरिज्म डिपार्टमैंट के नाम पर की गई तो पंचायत ने रेजुले ान पास किया होगा क्योंकि इसमें भी रेजुले ान का हवाला है, एम0 के0 मिगलानी के हुक्म का हवाला है और यह दर्ज किया गया है। खैर, यह बडत्रे ही ताज्जुब की बात है कि यहजो इन्तकाल तसदीक होने की तारीख है, यह एक जगह तो पहले मन्जुर की गई है ओर बाद में नामंजूर कहा गया है। उसमें स्याही भी दो तरह की प्रयोग हुई है, यह बतात है यह मुझे सही नही मालूम लेकिन एक बात का मुझे सही मालूम है कि इस इन्तकाल की तारीख एक जगह 10 तथा दूसरी जगह 11 लिखी हुई है और तीसरी जगह 25.03.92 लिखी हुई है तो मरी समझ में यही बात नही आयी कि तहसीलदार तो एक ही दस्तखत करवो वाला है, फिर उसके एक दिन में तीन तारीखों में दस्तखत कैसे हो गये? दस्तखत एक जगह है, तारीख तीन जगह है तथा तारीखे भी तीन अलग अलग है तो यह जमीन हड़पने की कोि ा ा क्यो की जा रही है? इस इंडियन ऐक्सप्रैस अखबार की रूह से ऐसा लगता है कि पंचायत ने अन्डर प्रोटेस्ट रूपया लिया था और अगर पंचायत ने अन्डर प्रोटेस्ट रूपया लिया ही था तो सवाल सिर्फ इतना ही था कि कीमत उतनी हो या कीत उससे ज्यादाह। अगर ज्यादा हो तो कीमत बढ़ायी जा सकती थी। सरकार कीमत बढ़ाकर पंचायत को

दे सकती थी। अध्यक्ष महोदय, इस जमाबंदी से साफ जाहिर हो गया है कि इन्तकाल दर्ज हुआ। उसमें बाकायदा कमि नर डिवैल्पमैंन्ट की चिट्ठी का हवाला है, फिर यह इन्तमकाल नामंजूर करने की नौबत कैसे आयी? श्री एम0 के0 मिगलानी ने अपनी मर्जी से ही बगैर पंचायत के प्रस्ताव के हुक्म भेज दिया क इस जमीन का इन्तकाल टूरिज्म डिपार्टमैंट के नाम कर देा। अध्यक्ष महोदय, यह कैसें हो गया? श्री मिगलानी के खिलाफ क्या ऐक ान लिया गया। अध्यक्ष महोदय, यह कागजों की मैनुपले ान है, फैब्रीके ान है या सच्चाई है तो इस विशय पर सरकार एक खुलासा ब्यान दें।

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर सर, जो इ ू चौधरी बंसी लाल जी ने उठाया है, इसमें दो तीन कंट्राडिक ांज भी है। पहली तो यह है कि जो पंचायत ने रैजोल्यू ान पास किया कि हमें जमीन नही बेचनी है ओर उनको मंजूरी भी मिल गयी बेचने की, और उसके बाद टूरिज्म डिपार्टमैंट ने भी वह जमीन दस हजार रूपए एकड़ के हिसाब से ले ली। पंचायत ने मुआवजा अन्डर प्रोटेस्ट लिया। बाद में लोग कोर्ट में भी चले जाते है और अनकों फालतू मुआवजा मिल भी जाताहै लेकिन बाद मं जब इस जमीन का इन्तकाल हो गया तो उसके बाद टूरिज्म डिपोटमैंअ के एक ज्वाइंट सैक्रेटरी ने डी0 सी0 को चिट्ठी लिखी कि हमें खद ाा है कि इस जमीन का इन्तकाल खारिज करवाय जा रहा है और इस को खुर्दबुर्द करने का लोग प्रोग्राम बना रहे हैं डी0 सी0 ने लिखा है कि सवाल ही पैदा नही होता क्योंक इन्तकाल नही हुआ

है। स्पीकर साहब, यह तो डी0 सी0 का ब्यान हो गया लेकिन इसके बाद में कमि ानर साहब ने एफ0 सी0 आर0 के लिए लिखा दिया और उन्होने कहा है कि यह आपके अधिकार क्षेत्र में है। स्पीकर साहब, जब यह फैसला हो गया कि यह उनके अधिकार क्षेत्र में है, फिर पता नही उनको रात में सोकर सुबह जाग आ गयी और पता लगा कि यह उनके अधिकार क्षेत्र में नही है बल्कि स्वयं मेरे अधिकार क्षेत्र में है। इसके बाद उन्होने वापस कागज मंगवा लिए ओर स्वयं ही इन्तकाल खारिज करने के आर्डर कर दिए। स्पीकर सर, एक तकफर तो डी0 सी0 ने कहा है कि इन्ताकल नही हुआ और दूसरी तरफ खारिज करने के आर्डर हो रहे है, तेा इसका मतलब है कि इसमें कुछ न कुछ स्मैल जरूर आ रही है। इसलिए सरकार को ऐक ान लेना चाहिए ताथा इसकी इंक्वायरी करवानी चाहिए कि कौन लोग है, ताकि पता लग सके कि क्या मामला है? क्योकि टूरिज्म डिपार्टमैंट को 80 एकड़ लैण्ड देने का फैसला कर दिया और उसने वह जमीन ले ली थी तथा वहां पर उन्होने हटस वगैरह बना लिए थ, कुछ काम कर लिया था तथा बाढद्य वगैरह भी लगा दी थी। स्पीकर सर, मुख्यमंत्री जी भी उस रास्ते से आते जाते रहते है। दिल्ली और गुड़गावं के बौर्डर पर बकायदा टूरिज्म विभाग का बोर्ड लगा रहता है, हम यहां पर कोई क्वे ानल सैन्टर या पर्यटन स्थल बनाने जा रहे है। स्पीकर साहब, इसमें कोई दो दाय नही है कि वह दिल्ली के पास है अैर टूरिज्म के लिए वह स्पौट अच्छी है। इससे तो हमारे टूरिज्म को ही प्रोत्साहन मिलता, लकिन इस तरह से ऐसा लगता है कि

सरकार टूरिज्म को एनकरेज न करके डिसकरेज करना चाहती हैं इसलिए जो लोग इस मामले के पीछे है, उनको पकडऋने के लिए सकरार को इस मामले की इंक्वायरी करवानी चाहिए ओर उन लोगों को पब्लिक के सामने लाना चाहिए जिन्होने गड़बड़ की है। इसके साथ ही मुख्य मंत्री जी को टूरिज्म विभाग को यह लैण्ड देने के लिए अपनी कमिटमैन्ट भी करनी चाहिए कि टूरिज्म विभाग के पास ही यह लैण्ड रेहगी।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मै असलियत बताना चाहता हूं ताकि आपको और हाउस को भी पता लग सके। अध्यक्ष महोदय, जब सम्पत सिंह ओर ओम प्राक ा चौटाला का राज था, जब की इस जमीन की बात ह। वह डूंडाहेड़ा की जमीन मु तरका मालकान की जमीन थी और यह मु ातरका मालकान की जमीन पंचायत में वैस्ट हो गयी। इन्होने य जमीन पंचायत से दस हजार रूपये एकड़ के हिसाब से धक्के से टूरिज्म विभाग के नाम करवा दी। जबकि पंचायत यह जमीन नही देना चाहती थी। उन्होने इसके लए प्रोटेस्ट भी किया। मालकान ने कहा कि जमीन हमारी है, हम पंचायत को नही देगे। झगड़ा चलता रहा, इन्होन क्या किया कि 18 एकड़ जमीन प्रका ा सिंह बादल को कौड़ियें के भाव में दे दी।यह रिकार्ड की बात है इन्होने चौधरी देवी लाल के धर्म भाई को वह जमीन दे दी। उस जमीनका भाव 10 से 15 लाख रूपये प्रति एकड़ से कम का नही था। (ाोर एवं व्यवधान)

चौधरी बंसी लालः आपने जमीन का दाम क्या बताया है?

चौधरी भजन लालः 10 से 15 लाख रूपये एकड़ कम से कम है।

चौधरी बंसी लालः इससे भी कही ज्यादा है।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, भजन लाल ने जिन्दगी में किसी की जमीन पर कब्जा नही किया है। मिनिस्टर बने हुए इतने साल हो गए है, किसी एग्रीकल्चर इन्स्पैक्टर ने मेरे खेत को जाकर नही दिखा। नहर भी खेत से निकलती है, कोई यह भी नही कह सकता कि भजनलाल न बगली कर ली या पाईप डाल दिया। भजन लाल के कभी कोई गलत काम नही किया। अध्यक्ष महोदय, मै कह रहा था कि मालिकान ने अपील दायर कर दी कि हमारा हक है, जमीन हमारी है अब जुडि ियल केस है, कमि ानर ने जो कुछ फैसला किया है, जुडि ियल नेचर के हिसाब से कया है, मैने फाईल परआड्ड किए है कि फौरन अपील दायर करो। जहां तक जमीन छोड़ने का सवाल है, कम से कम वो बात कहनी चाहिए जिसके पीछे कुछ सच्चाई हो य हेरफेर की बात हो। हमने न तो हेराफेरी कभी की है, न करने की सोच भी सकते है।

चौधरी बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री जी ने बड़े संक्षेप मं जवाब दे दिया जिससे ऐसा लगा जैस कोई झगड़ा ही न

हो। अध्यक्षमहोदय, इसमें एक बात यह है कि इन्तकाल दर्ज हो गया और यहां से कमि रन ने कहा कि इसको ट्रांसफर कर दो टूरिज्म डिपार्टमैंट के नाम। क्या कमि ानर को इस बात का अधिकार है कि जमीन का मालिक कोन हे, इस बात का फैसला करेत्र इस बात का फैसला तो दीवानी अदालत करेगी या हाईकोर्ट करेगा कि जमीन का मालिक कौन है? टूरिज्म डिपार्टमैंट बराबर दर्खास्त देता रहा है क हमको इसमें पार्टी बनाओं, हमारा नाम इसमें से हटाया जा रहा है। (ाोर एवं व्यवधान)

चौधरी भजन लालः बंसी लाल जी, आप ऐसी बात करते हो जैसे वाय भटिडा वकील बनकर आए हो। जमीन केकेस एस0 डी0 एम0 से लेकरर एफ0 सी0 आर0 तक जुडीि ायल नेचर के होते है।

चौधरी बंसी लालः मुख्यमंत्री जी, आप तो भैरों सिंह भोखावत से पी0 एच0 डी0 की डिग्री लिए बैठे थे और जब ये जयपुर गए तो भैरा सिंह जी ने इनसे यह डिग्री छीन ली। (ाोर)

चौधरी भजन लालः किसी अनपढ़ आदमी से भी पूछोगे तो बताएगा कि जमीन के केसिज, रैवेन्यू केसिज चाहे तहसीलदार के पास हो, चाहे डी0 सी0 के पास हो, जुडीि ायल नेचर के होते है। इसी तरह नम्बरदार के पास के केसिज हो तो वे भी जुडीि ायल नेचर के होते है। आपकी पार्टी में भी एक दो वकील है। (ाोर एवं व्यवधान)

चौधरी बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, मुख्य मंत्री जी ज्यादा स्मार्ट बनने की कोि ा ा करते है। मै भी यह बात जानता हूं कि जमीन के केस एफ0 सी0 आर0 तक जुडि ायल नेचर के होते है मगर ढाइटल का फैसला सिबिल कोर्ट करेगी, रैवेन्यू कोर्ट नही कर सकती।

चौधरी भजन लालः जब इन्तकाल का कोई झगड़ा हो तो रैवेन्यू डिपार्टमैंट करेगा और ये केसिज एफ0 सी0 आर0 तक जाते है। एफ0 सी0 आर0 के बाद हाई कोर्ट और फिर सुप्रीम कोर्ट में आते है। कोर्ट ने जो फैसला किया है वह जुडीि ायल नेचर के हिसाब से किया हैं हम उसके खिलाफ अपील में जा रहे है। सकार इसके खिलाफ टूरिज्म डिपार्टमैंट की तफ से अपील में जा रही है। जो हम कर सकते है, वह अव य करेगे।

श्री धरीपाल सिहः जमीन खुर्द–बुर्द तो नही होगी?

चौधरी भजन लालः जमीन खुर्द बुर्द होने का तो कोई सवाल ही नही है।

प्रो0 छतर सिंह चौहानः स्पीकर सर, अभी आरणीय मुख्य मंत्री महोदय ने बताया है कि कमि ानर फै सल करसकताहै। मुख्य मंत्री जी के पड़ौस में नेहरा साहब बैठे है, वह भी वकील है। उनसे बे ाक वह पूछले, इनको पता चल जायेगा। उस समय जुलाई, 1993 में कमि ानर श्री पी0 पी0 छाबड़ा थे।

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, यह जुडीि ायल नेचर का केस है, क्या इसको यह पर डिस्कस किया जा सकता है?

श्री अध्यक्षः नही।

प्रो0 छत्तर सिंह चौहानः अध्यक्ष्ज्ञ महोदय, मै आपकी इजाजत से बोल रहा हूं। मै एक बात जानना चाहता हूं मुख्यम ंत्री महोदय को भाायद यह पता नही होगा कि जो कमि ानर है, उन्होने अपना एक आर्डर जुलाई, 1993 में फाईनैि ायल कमि ानर रैवेन्यू को भेज दिया। मुख्य मंत्री महोदय यह बताये कि अगर कोई कमि ानर फैसला खुर कर दे तो क्या उसको वह खुद ही रिव्यू कर सकता है? रिव्यु के मामले में रैवेन्यु की कोई किताब यह पढ़ लें तो बेहतर होगा। मै यह कहना चाहता हूं कि यह तसल्ली करके और किताब पढ़ कर जवाद दें। मै दावे के साथ यह कह सकता हूं कि कमि ानर ने जो फैसला करके फाईनैि ायल कमि ानर को भेज दिया, वह उसको अपने आप रिव्यु नही कर सकता।

चौधरी बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, मै आपकी इजाजत से पोजी ान थोड़ी सी क्लीयर कर दूं। इस अखबार में ये क्लीयर कट लिखा हुआ है कि कमि ानर ने फैसल करके फाईनैि ायल कमि ानर को भेज दिया। फाइनैि ायल कमि नर रैवेन्यू के पास यह फैसला जाने के बाद, क्या कमि ानर उस फैसले को दोबारा

खुद मंगा सकता है और रिव्यु करसकता है य फाइनैि ायल कमि ानर उसको वापिस भेजेगा?

चौधरी भजन लालः जो भी बात कानून के मुताबिक ठीक होगी, वही होगी। मै इस बारे में यह कहना चाहता हूं कि हम किसी को उस जमीन की तरफ आंख उठाकर भी नही देखने देगे।

Mr. Speaker: It is a sub-judice matter and interpretation of law is involved. Therefore, no further discussion will be allowed on this matter.

साथी लहरी सिंहः सर, मेरा एक काल अटै ान मो ान था।

श्री अध्यक्षः किस बारे में?

साथी लहरी सिंहः पोटेटों क्राप के बारे में था।

श्री अध्यक्षः यह अभी अंडर कंसीड्रे ान है, कमैट्स के लिए सरकार के पास भेजा हुआ है।

साथी लहरी सिंहः सर, यह कब तक अंडर कंसीड्रे ान रहेगा?

श्री अमरी चन्द मक्कड़ः सर, मेरा भी एक काल अटै ान मो ान था।

श्री अध्यक्षः आपका काल आटै ान मो ान तो आज सवा एक बजे आया है। यह भी अंडर कंसीड्रे ान हैं

ध्यानकर्शण प्रस्ताव–

भिवानी भाहर में पीलिया का रोग फैलने सम्बन्धी

Mr. Speaker: Hon'ble Members, I have received a notice of calling attention motion No. 11, given notice of by Sarvshri Ram Bhajan Aggarwal and Chhattar Singh Chauha, M.L.As. regarding breadking out of jaundice in Bhiwani City. I have admitted it. Sh. Ram Bhajan Aggarwal may read his notice and thereafter the Health Minister may make a statement thereon.

श्री राम भजन अग्रवाल/प्रो0 छत्तर सिंह चौहानः मै इस महान सदन का ध्यान एक अत्याव यक लोक महत्व के विशय की ओर दिलाना चाहता हूं कि भिवानी भाहर में पीलिया फैला हुआ है तथा सैकड़ों व्यक्ति इस बीमारी के ि ाकार है तथा इस बात का डर है कि यह एक महामारी का रूप धारण कर सकती है। यह नागरिकों को सिवरेज खराब होने के कारण दूशित पीने का पानी सप्लाई करने के कारण से है।

अतः मै सरकार से निवेदन करता हूं कि इस संबंध में सदस्य में एक वक्तव्य दें।

वक्तव्य–

स्वास्थ्य एवं आयुर्वेदा मंत्री द्वारा उपरोक्त ध्यानकर्शण प्रस्ताव संबंधी

स्वास्थ्य एवं आयुर्वेदा मंत्री (श्रीमती भाान्दि देवी राठी): अध्यक्ष महोदय, भिवानी में पीलिया के 144 मामले प्रका ा में आए है। जिनमें से 11 मामले दिसम्बर, 1993 के अन्तिम सप्ताह में, 75 मामले जनवरी, 1994 तक 58 मामले फरवरी, 1994 में प्रका ा में आए है। कोई मृत्यु का मामला प्रका ा में नही आया है।

इस बीमारी की रोकथाम के लिए निम्नलिखित कदम उठाए गए है–

1. पीने के पानी का उचित कलोरीने ान सुनि ित किया जा रहा है।

2. भिवानी भाहर में घर–घर में पीलिया के मामलों का पता लगाने हेतु सर्वेक्षण करने, स्वास्थ्य ि ाक्षा देने, ड्रिकवैल गोलियों को वितरित करने एवं पीने का पानी में क्लोरीन अं ा की उपस्थिति की जांच करने के लिए आठ पैरा मैडीकल टीमों का गठन किया गया है। इसके अतिरिक्त बिड़ला टैक्सटाईल मिल तथा टैक्नोलोजिकल इन्स्टीच्यूट आफ टैक्सटाईल की कालोनियों के लिए चार अन्य टीमें भी लगाई गई है।

3. मास जनवरी, 1994 में सर्वेक्षण के दौरान पाया गया है कि पीलिया के अधिकतर मामले बिड़ला टैक्सटाईल मिल तथा टैक्नोलोजिकल इन्स्टीच्यूट आफ टैक्सटाईल का कालोनियेां एंव

आसपास के क्षेत्रों में पाये गए है। रिपोर्ट के अनुसार इन कालोनियों की जल आपूर्ति बिड़ला टैक्सटाईल मिल एव टैक्नोलोजिकल इन्स्टीच्यूट आफ टक्सटाईल में स्थित पानी के टैंकों से होती है। इन स्टोरेज टैकों मैं पानी की आपूर्ति जन स्वास्थ्य स्त्रोतों एवं टयूबवैलों से मिल अथोरिटिज के टैकरों द्वारा की जाती है।

4. जनवरी, 1994 मे ंपानी में रेजिडुअल क्लोरीन की जांच के लिए पानी के 25 नमूने लिए गए तो सभी नेगेटिव पाये गये। जनवरी तथा फरवरी 1994 में जन स्वास्थ्य विभाग बिड़ला टैक्सटाईल मिल तथा टैक्नोलीजिकल इन्स्टीच्यूट आफ टैक्सटाईल के अधिकारी से निवेदन किया गया था कि पानी की सुपर क्लोरीने ान की जाए। तत्प चात पीने के पानी के रेजीडुअल क्लोरीन टैस्ट करने हेतू फरवरी, 1994 में 32 नमून लिए गए जो सभी पोजिटिव पाये गए।

5. पानी को उबाला कर पीने की आव यकता पर बल दिये जाने हेतु सभी को स्वास्थ्य ि ाक्षा दी जा रही है। पानी से फैलने वाली बीमारियों की रोकथाम के लिए जन चेतना हेतु जगह जगह पर पोस्टर्ज लगाये गए हैं इस सम्बन्ध में हिदायतों सहित हैण्ड बिल्ज भी वितरित किये गए।

6. सभी पीने के पानी के स्त्रोतो की क्लोरीने ान के अतिरिक्त 7000 ड्रिकवल गोलिया पानी की क्लोरिने ान के लिए घर–घर में बांटी गई हैं

7. जन स्वास्थ्य विभाग के प्राधिकारियों की रिपोर्ट के अनुसार भिवानी भाहर में उन द्वारा मास दिसम्बर, 1993, जनवरी तथा फरवरी, 1994 के दौरान 165 पानी के कनैक ानों को ठीक किया गया।

8. जन स्वास्थ्य विभाग की रिपोर्ट के अनुसार जन स्वास्थ्य विभाग के प्राधिकारियों द्वारा दिसम्बर, 1993 तथा जनवरी, 1994 में एक सर्वेक्षण किया गय, जिसके अनुसार म्यूनिसिपल मेन से घरों तक जाने वाली जी0 आई0 पाईपे जेा 10–15 साल या इससे अधिक पुरानी हो गई है तथ गल चुकी है, उन्हे बदलने की आव यकता हैं यह कहार्य उन द्वारा प्राथमिकता के आधार पर किया जा रहा है।

श्री राम भजन अग्रवाल: अध्यक्ष महोदय, सब से पहले जो मै जौन्डेस के लिए इनसे यह पूछना चाहता हूं कि जो आंकडे इन्होनि दऐ है, वे सत्य नही है। सी0 एम0 ओ0 ने 86 केसिज स्वंय एडमिट किए है लकिन मंत्री महोदया जब अपना जवाब पढ़ रही थी तो उनके आंकडत्रे सी0 एम0 ओ0 के आंकड़ों से डिफर करते थे। क्या मंत्री महोदया इसबारे में दोबारा सर्वे करवाएंगी ताकि उनकी सही पोजी ान का पता चल सके? लोगों के घरों

तक जाने वाले पानी का पाईप जो 10–15 साल सा इससे अधिक पुरानी हो गई है तथा गल चुकी है उनके बारे में सरकार ने कहा है कि उन्हें बदलने की आव यकता है और साथ ही जवाब के अन्त में यह भी कहा है कि यह र्का प्राथमकता के आधार पर किया जा रहा है। मै आपके माध्यम से जानना चाहता हूं कि लोगों को इस भंयकर रोग से बचाने के लिए क्या सरकार इस काम क लिए कोई समय निर्धारित करेगी ताकि नि चत समय के अन्दर अन्दर यह सारा काम हो सके? दो महीने, चार महीन, या छः महीने, कत तक सरकार इसकाम को करवा देगी ताकि लोगों को भिवानी भाहर के अन्दर पीने का भाुद्ध पानी मिल सके? मेरा आपके द्वारा सरकार से निवेदन है कि सरकार कब तक गली सड़ी सवीरेज की पाईपों को निकलोगी जो कम से कम 14–14, 15–15 सालों से खराब पड़ी हुई है, जिनकी वजह से गन्दा सीवरेज का पानी पीने के पानी मे मिलकर दूशित हो जाता है। लोग उस पानी को पीते है और बीमार हो जाते है, कब तक उन गली सड़ी पाईपों को सरकार बदल देगी?

श्रीमती भाान्ति देवी राठीः स्पीकर सर, माननीय सदस्य ने तो पूरा भाशण ही दे डाला। मैने पहले ही यह स्वीकार किया है कि भिवानी में पीलिया के 144 मामले प्रका ा में आए है। इस बारे में ि ाकायतें मिलीभी है ओर इन सब बातों का हमने पहले ही विस्तार से जवाब दे दिया है, किसी प्रकार से हाउस को गुमराह करने वाली बात नही है। मै आपने माननीय सदस्य को

बताना चाहती हूं कि पानी के मामले में चाहे हमारे विभाग की कोई भी अनियमितता हो, जन–स्वास्थ्य विभाग से जो भी अनियमितताएं हुई हो, उन का हम फौरन नोटिस लेते है ओर तुरन्तु आव यक कार्यवाही की जाती है ताकि पीलिया जैसे भंयकर रोग से लोगों को बचाया जा सकते। इसके साथ साथ अध्यक्ष महोदय, इनहोने बोलते हुए सरकारी आंकड़ों को भी गल्त बताया। मै इनको बता देना चाहती हूं कि कोई भी आंकडा जो हमने बताया है, असत्य नही है। सभी सत्य हैं यदि माननीय सदस्य महोदय चाहें तो सारी डिटेल में उनको बता सकती हूं। अध्यक्ष महोदय, आपकी आज्ञा से मै बतानी चाहती हूं।

अध्यक्ष महोदय, जिला भिवानी में पीलिया के केसों का क्षेत्रवार ब्यौरा इस प्रकार है– ाहर भिवानी में 17 कालोनियों में पीलिया के 137 केस हुए तथा 7 केस आस पास के गांवों में हुए। इस तरह कुल 144 केस जिला भिवानी से रिपोर्ट हुए। क्षेत्रवाईज स्थिति निम्नलिखित है:–

क्षेत्र का नाम	केसों की कुल संख्या
बिडला कालोनी	37
लबर कालोनी	20
डी0 सी0 कालोनी	11

टी0 आई0 टी0 कालोनी	32
कच्ची कालोनी	6
चरणजी कालोनी	5
सेवानगर	7
ब्रिजवासी कालोनी	4
बैक कोठी	2
कृश्णा कालोनी	7
रूरा कालोनी	2
जगत कालोनी	1
हनुमान घनी	2
जैन चौंक	1
चिडियामार मुहल्ला	1
नीयर मुरारी सिनेमा	1
दुर्गा कालोनी	2
ग्रामीण क्षेत्र	

हलुवास (हलुवास)	5
नथुवास	1
पालुवास	1

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, यह सब क्यो हुआ इस बारे में बहन जी ने बताया नही। यह जो सीवरेज है, यह आज का लगा हुआ नही है। यह चौधरी बंसी लाल जी के वक्त का लगा हुआ है और इन्होने ऐसा घटिया माल वहां लगा दिया जिसकी वजह से जगह जगह लीकेज हो गई ओर पीने के पानी में यह गन्दा पानी भाामिल हो गया। इसी वजह से वहां पीलिया की गम्भीर बीमारी फैल गई। इसको अब हम जल्दी ही ठीक कर रहे है, सरकार इसके लिए पूरी तरह से प्रयत्न ाील है। यह सब कुछ चौधरी बंसी लाल जी की मेहरबानी से ही हुआ है। (हंसी)

चौधरी बंसी लाल: अध्यक्ष महोदय, मुख्य मंत्री महोदय भाायद किसी स्कूल या कालेज में पढ़े है या नही लेकिन ये अपने आपको राजनीति के पी0 एच0 डी0 कहते है। जब ये राजस्थान में गये तो भैरो सिं भोखावत ने इनकी पी0 एच0 डी0 की डिग्री छीन ली (हंसी) अध्यक्ष महोदय, जो सीवरेज स्कीम हमारे वक्त में बनी थी, उस में कोई ऐसी बात नही थी। सीवरेज का फायदा होताहै कि हर साल में दो बार उसको साफ किया जाए लेकिन 6–6 महीने साल से ऊपर का समय बीत चुकाहै ओर इस सरकार ने

सीवरेज कोसाफ तक नही करवाया स्वाभाविक है सीवरेज रूकेगा ही। अब जमीन का पानी ऊपर आ गया है, पहले वह साठ–सत्तर फुट पर था और अब पांच फुट पर आ गया है। जब यह उसकी सफाई नही करवायेगे तो यह ठीक काम कैसे करेगी? आजकल वैसे भी प्लास्टिक के लिफावे आ गये है, गर किसी ने सब्जी भी लानी है तो प्लास्टिक के लिफाफे में डालकर दी जाती है। ये लिफाफे गिरने से भी सीवरेज बन्द हो जाता है। इसके बावजूद भी इनहोने सीवरेज की सफाई की जरूरत नही समझी। स्पीकर साहब, सफाई कैसे हो क्योंकि जो मैन्टीनेंस का पैसा है, वह तो जेबों में चला जाताहै।

चौधरी भजन लालः अध्यक्षप महोदय, इनको हमे ाा इस बात का फोबिया रहता है। चौधरी बंसी लाल जी, आप इतने पुराने मैम्बर है, कोई बात तो ठीक करों। हमने इसकी वाकायदा सफाई करवाई लेकिन मैटीरियल इतना घटिया लगा हुआ है कि वह ठीक होने की नही आ रहा है।

वर्श 1994–95 के बजट अनुदानों की मांगों पर चर्चा तथा मतदान

Mr. Speaker: Hon'ble Members, now discusion and voting on the demand for grants on budget for the year 1994-45 will take place. As per past practice and to save the time of the House, all the demands on the order paper will be deemed to have been ready and moved. The Hon. Members can discuss

any demand but they are requested to indicate the demand number on which they wish to raise the discussion.

That a sum not exceeding Rs. 27907000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1994-95 in respect of charges under **Demand No. 1-vidhan Sabha.**

That a sum not exceeding Rs. 555298000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1994-95 in respect of charges under **Demand No. 2-General Administration.**

That a sum not exceeding Rs. 1397909000 revenue expenditure and Rs. 45000000 for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1994-95 in respect of charges under **Demand No 3-Home.**

That a sum not exceeding Rs. 348568000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1994-95 in respect of charges under **Demand No 4-Revenue.**

That a sum not exceeding Rs. 145786000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1994-95 in respect of charges under **Demand No. 5-Excise & Taxation.**

That a sum not exceeding Rs. 1397909000 revenue expenditure and Rs. 45000000 for capital expenditure be

granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1994-95 in respect of charges under **Demand No. 6-Finance.**

That a sum not exceeding Rs. 13612546000 revenue expenditure and Rs. 1050000 for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1994-95 in respect of charges under **Demand No. 7-Other Administrative Services.**

That a sum not exceeding Rs. 861452000 revenue expenditure and Rs. 817760000 for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1994-95 in respect of charges under **Demand No. 8-Buildings & Roads.**

That a sum not exceeding Rs. 5059358000 or revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1994-95 in respect of charges under **Demand No. 9-Education**

That a sum not exceeding Rs. 3289457000 revenue expenditure and Rs. 463800000 for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1994-95 in respect of charges under **Demand No. 10-Medical & Public Health.**

That a sum not exceeding Rs. 138618000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1994-95 in respect of charges under **Demand No. 11-Urban Development.**

That a sum not exceeding Rs. 299694000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1994-95 in respect of charges under **Demand No. 12-Labour & Employment.**

That a sum not exceeding Rs. 1397909000 revenue expenditure and Rs. 45000000 for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1994-95 in respect of charges under **Demand No. 13-Social Welfare & Rehabilitation.**

That a sum not exceeding Rs. 7.933600 revenue expenditure and Rs. 3444725000 for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1994-95 in respect of charges under **Demand No. 14-Food and Supplies.**

That a sum not exceeding Rs. 9961550000 revenue expenditure and Rs. 1340700000 for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1994-95 in respect of charges under **Demand No. 15-Irrigation.**

That a sum not exceeding Rs. 301028000 revenue expenditure and Rs. 109711000 for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1994-95 in respect of charges under **Demand No. 16-Industries.**

That a sum not exceeding Rs. 1216747000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year

1994-95 in respect of charges under **Demand No. 17-Agriculture.**

That a sum not exceeding Rs. 374000000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1994-95 in respect of charges under **Demand No. 18-Animal Husbandry.**

That a sum not exceeding Rs. 44911000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1994-95 in respect of charges under **Demand No. 19-Fisheries.**

That a sum not exceeding Rs. 48.80.70.000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1994-95 in respect of charges under **Demand No. 20-Forest.**

That a sum not exceeding Rs. 173290000 revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1994-95 in respect of charges under **Demand No. 21-Community Development.**

That a sum not exceeding Rs. 139454000 revenue expenditure and Rs. 86109000 for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1994-95 in respect of charges under **Demand No. 22-Cooperation.**

That a sum not exceeding Rs. 2548392000 revenue expenditure and Rs. 379300000 for capital expenditure be

granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1994-95 in respect of charges under **Demand No. 23-Transport.**

That a sum not exceeding Rs. 8502000 revenue expenditure and Rs. 26000000 for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1994-95 in respect of charges under **Demand No. 24- Tourisem.**

That a sum not exceeding Rs. 3233897000 revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1994-95 in respect of charges under **Demand No. 25-Lowans & Advances by State Govt.**

I have also received notices of cut motions to the various demands from some M.L.As. These will aslo be deemed to have been read and moved. However, I will put the various cut motions to the vote of the House when the respective demands are put to the vote of the House. Such members may, however, participate in the discussion.

Demand No. 2

1. Sh. Bansi Lal,

2. Sh. Karan Singh Dalal,

3. Sh. Chhattar Singh Chauhan; and

4. Smt. Janki Devi, M.L.As.

That demands No. 2 of Rs. 568399000 on account of Gerenral Administration be reduced by Re. 1/-,

Demand NO. 3

1. Sh. Bansi Lal,

2. Sh. Ram Bhajan,

3. Sh. Karan Singh Dalal and

4. Sh. Attar Singh, M.L.As

That demands No. 3 of rs. 2039319000 on account of Home be reduced by Re. 1/-

Demand No. 5

1. Sh. Ram Bhajan, M.L.A;

That Demand No. 5 of Rs. 145796000 on account of Excise & Taxtion be reduced by Re. 1/-.

Demand No. 6

1. Sh. Chhattar Singh Chauhan, M.L.A.;

The Demend No. 6 of Rs. 6748389000 on account of Finance be reduced by Re. 1/-.

Demand NO. 7

Sh. Chhattar Singh Chauhan, M.L.A.:

That Demand NO. 7 of rs. 10615476000 on account of other administrative Servgices be reduced by Re. 1/-.

Demand No. 8

1. Sh. Chhattar Singh Chauhan,

2. Smt. Janki Devi and

3. Sh. Karna Singh Dalal, M.L.As.

That Demand No. 8 of Rs. 1679812000 on account of Building & Roads be reduced by Re. 1/-.

Demand No. 9

1. Sh. Ram Bhajan,

2. Shrimati Janki Devi

3. Sh. Chhattar Singh Chauhan and

4. Sh. Attar Singh, M.L.As

That Demand No. 9 of Rs. 5059663000 on account of Education be reduced br Re. 1/-.

Demand No. 10

Sh. Om Parkash Beri, M.L.A.

That Demand No. 10 of Rs. 3754769000 on account of Medical & Public Health be reduced by Re. 1/-.

Demand No. 11

Sh. Ram Bhajan, M.L.A.:

That Demand No. 11 of Rs. 138618000 on account of Under Development be reduced by Re. 1/-

Demand No. 15

Sh. Om Parkash Beri, M.L.A.:

That Demand No. 15 of Rs. 9961550000 on account of Irrigation Department be reduded by Re. 1/-.

1. Sh. Bansi Lal,

2. Sh. Karan Singh Dalal, and

3. Sh. Chhattar Singh Chauhan, M.L.As.

That Demand NO. 15 of Rs. 11305805000 on account of Irrigaton be reduced by Re. 1/-

Demand No. 16

1. Sh. Bhajan, M.L.A:

That Demand No. 16 of Rs. 410779000 on account of Industries be reduced by Rs. 1/-.

Demand No. 17

1. Sh. Bansi Lal,

2. Sh. Karan Singh Dalal, and

3. Sh. Om Parkash Beri, M.L.As.

That Demand No. 17 of Rs. 1217897000 on account of ?Agriculture be reduced by Re. 1/-.

Demand No. 22

1. Sh. Chhattar Singh Chauhan,

2. Sh. Karan Singh Dalal, M.L.As.

That Demand No. 22 of Rs. 225573000 on account of Cooperation Department be reduced by Re. 1/-.

Demand No. 24

Sh. Bansi Lal, M.L.A.:

That Demand No. 24 of Rs. 8136686000 on account of Tourism be reduced by Rs. 1/-.

Now discussion will take place. Sh. Lehri Singh will speak on these demands first.

श्री सतबीर सिंह कादयानः अध्यक्ष महोदय, हमें भी बोलने का समय दें।

श्री अध्यक्षः अब तक जो बोल चुके है उनका पार्टीवाइज टाईम इस प्रकार है–

इंडियन ने ानल कांग्रेस 333 मिनट, एस0 जे0 पी0 210 मिनट, हरियाणा विकास पार्टी 125 मिनट, बी0 जे0 पी0 61 मिनट और बी0एस0 पी0 3 मिनट। अपोजी ान पार्टीज के सदस्य टोटल 399 मिनट बोले है ओर कांग्रेस के 323 मिनट।

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन): अध्यक्ष महोदय, हम इंडिपैटस समेत 65 सदस्य है, इसलिए हमें दो तिहाई के लगभग समय मिलना चाहिए।

साथी लहरी सिंह (रादौरा, अनुसूचित जाति): स्पीकर साहब, मै आपका बहुत बहुत धन्यवाद करता हूं कि आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया। मै डिमांड नं0 1, 3, 17, 18 और 22 पर बोलना चाहता हूं। सब से पहले मै विधान सभा के बारें में थोड़ा सा सुझाव दूंगा। स्पीकर साहब, मै टेलीफोन के बारे में कहना चाहता था। टेलीफोन का सिस्टम बहुत खराब है।

श्री अध्यक्षः यह आप अलग से पूछ ले।

साथी लहरी सिंहः ठीक है जभ। स्पीकर सहाब, हमारे जमनानगर जिले में पुलिस पूरी इफैक्टिव है और अच्छा काम कर रही है लेकिन अगर साथ के इलाके में कोई घटना हो जाए तो पुलिस इफैक्टिव नही होती। (इस समय श्री उपाध्यक्ष पदासीन हुए) उपाध्यक्ष महोदय, जमनानगर जिले के साथ यू0 पी0 का इलाका लगता है। वहां पर बहुत बुरा हाल हैं जमनानगर का इलाका जो यू0 पी0 के डाकू हमला करके चले जात`है, किसी को मार कर चले जाते है और किसी को घायनलकरके चले जात है। उपाध्यक्ष महोदय, यह ऐडमिनिस्ट्रे ान की बात है इसलिए मेरा निवेदन है कि जमनानगर इलाके को अच्छा एडमिनिस्ट्रे ान मिलना चाहिए। जैसे पुलिए डिपार्टमैट है। उसको मुकाबला करने केलिए अच्छे साधन नही है। जमननगार जिले के एस0 पी0 ओर डी0 सी0 साहब बहुत अच्छा काम कर रहे है ओर पुलिस भी बहुत अच्छा काम कर रही है लेकिन पुलिए सके पास अच्छे साधन नही है, जिसके कारण यू0 पी0 के डाकू हमारे लोगों पर हमला करके चले जाते है। मेरा

सरकार से निवेदन है कि पुलिए को अच्छे साधनों को इन्तजमा करवाएं ताकि पुलिस उन गुण्डों का मुकाबला कर सके। उन गुण्डों को यू0 पी0 की एडमिनिस्ट्रे ान भाह देती है, प्रोटैक ान देती है, जिसके कारण हरियाणा के इलाके के लोगों को मनोबल डाउन होता है। इसके साथ साथ उपाध्यक्ष महोदय, जमना नही पर जो ठोकरे लगाई हुई है, वे हमारी तरह 65 फुट की है लेकिन यू0 पी0 वालों ने अपनी तरह 125 फुट की ठोकरे लगाई हुई है जिसका सीधा असर हमारे इलाके पर पड़ता है। यू0 पी0 वाले जमना नही को हमारी तरफ काटने पर लगे हुए है। उनहोने 125 फुट लम्बी ठोकरे लगाई हुई है। जिसके कारण हमारे इलाके की उपजाऊ जमीन पानी के बहाव के कारण कट जाती हैं ऐसे हालत है कि हमारे उस इलाके के कई गांव बहने के कगार पर है। यू0 पी0 वालों ने 125 फुट लम्बी ठोकरें लगाई हुई है, परिणामस्वरूप हमारी काफी जमनी कट कट कर यू0 पी0 की तरफ चली गई हैं सरकार से मेरा निवेदन है कि हरियाणा सरकार सैट्रल गवर्नमैंट से बात करें ओर अनुरोध करे कि 65 फुट लम्बी ठोकरे लगाने का जा स्पैसीफिके ान है, उसके हिसाब से ही ठोकरें लगानी चाहिए। हमारी सरकार को यह केस केन्द्रीय सरकार में प्लीड करना चाहिए ताकि हमारे इलाके की जमीन, हमारे इलाके के गांव बचाए जा सके। कई गांव तो इस समय बहने के कगार पर हैं उपाध्यक्ष महोदय, मैने यह मुद्दा पहले भी उठाया था। उपाध्यक्ष महोदय, मै सरकार का बड़ा आभारी हूं कि सरकार ने वहां पर स्टेट हाईव, एक्सप्रैस हाईवे मंजूर किया है। वह सड़क जमनानगर से दिल्ली

जाएगी। मेरा सरकार से निवेदन है कि वहां पर यू0 पी0 के जो गुण्डे हमारे इलाके के लोगों पर हमला करके चले जते है, किसी को मार जाते है और किसी को घायल करके चलो जाते है, उनके बारे में कोई न कोई इन्तजमा किया जाए वरना न सड़क रहेगी और न आबादी रहेगी। जमीन तो कट कट कर पहले ही जा चुकी हैं उपाध्यक्ष महोदय, यह मामला ऐसा है जिसके बारे में सरकार को जरूर विचार करना चाहिए। इसके अलावा उपाध्यक्ष महोदय, मै एक बात यह कहना चाहूंगा कि कोई जुगाड़ नाम का व्हीकल आज सड़कों पर बहुत ज्यादा मात्रा में चल रहा है। न उसके ऊपर कोई नम्बर लिखा हुआ है और न ही कोई और बात है। अगर उनसे पूछते तो कहते है कि यह धक्का ट्रांसपोर्ट है। हमारे फाइनैस मिनिस्टर साहब, मेरी इस बात पर हंस रहे हैं। सबसे ज्यादा इन्ही के इलाके में वह व्हीकल चल रहा हैं अगर वह व्हीकल किसी को एक्सीडैंट करके चला जाए तो किसी को मार कर चला जाए तो उसके खिलाफ कोई कार्यवाही नही होती क्योंकि उसके ऊपर कोई नम्बर नही लिखा है। यदि उसके पीछे कोई नम्बर वाली व्हीकल आ रही होती है तो एक्सीडैट के मामले में उसका नम्बर नोट कर लिया जाता है और उसक खिलाफ कार्यवाही की जाती है लेकिन अगर किसी आदमी को जुगाड व्हीकल एक्सीडैंट करके मार जाता है और जो नम्बर वाली गाड़ी उसके पीछे आ रही होत ीहै, उसकस नम्बननोट कर लिया जाता है तो यह बड़ी भारी त्रुटि हैं चाहे एडमिनिस्ट्रे ान लैवल की बात हो, चाहे ट्रांसपोर्ट डिपार्टमैंट की बात हो, उनको तुरन्त बन्द किया जाएं।

उपाध्यक्ष महोदय, अब मै एग्रीकल्चर के बारे में कुछ बातें कहना चाहता हूं। उपाध्यक्ष महोदय, जिसकी नीयत अच्छी होती है, उसको परमात्मा भी देखता है। हमारे एग्रीकल्चर डिपार्टमैंट ने और एग्रीकल्चर मंत्री महोदय ने जो अपनी साफ नीयत से काम किया है, उसकी बदौलत हमारे यहां अनाज की रिकार्ड तोड़ पैदावार हुई है। पहले पजाब में सबसे ज्यादा पैदावार होती थी। मै हाउस की जानकारी के लिए बताना चाहता हूं कि हमारे एग्रीकल्चर विभाग की, सरकार की नीयत साफ होने की वजह से यहां पर फसल का रिकार्ड तोड़ उत्पादन हुआ और कुरूक्षेत्र जिला सारे दे ा में गेहूं की पैदावार में सबसे प्रथम रहा। इनकी नीयत अच्छी थी इसलिए भगवान भी मेहरबान रहे ओर समय पर बारि ा हुई। इस समय था जब इनकी सरकार आई तो उस समय एक बार तो सूखा पड़ गया और दूसरी बार बाढ़ सो सारी फसल तबाह हो गई। इसलिए यह नीयत की बात होती हैं एग्रीकल्चर विभाग का कामकाज का तरीका बहुत अच्छाहै इसलिए मेरा निवेदन है कि यह महकमा बागवानी और फ्रूट की पैदावार की तरफ भी ज्यादा ध्यान दे ताकि किसानों को अपनी फसल का अधिक से अधिक रेट मिल सके। हरियाणा सरकार ने हर फसल का सारे दे ा से अच्छा भाव अपने किसानों को दिया है। गन्ने के आगाजी सीजन के लिए अभी से हमारी सरकार ने 5 रूपए रेट बढ़ा दिया है ओर जब सीजन आयेगा तो और बढ़ा दिए जाएंगें। इसलिए हमारी सरकार इस दि ाा में काम भी कर रही है। ओर कोि ा ा भी कर रही है।

उपाध्यक्ष महोदय, अब मै सड़कों के बारे में जिकर करना चाहता हूं। हमारे डांगी साहब की बतौर मंत्री परफोरमैस बहुत अच्छी रही है। इन्होन बताया कि इतना बजट मांगा था लेकिन मांगे राम गुप्ता जी ने इतना पैसा दिया, इसलिए अब कसूर इनका न रह कर, मांगेराम जी का हर जाता है। इसलिए मेरी मांगे राम जी से प्रार्थना है कि वे जितना पैसा सड़कों की रिपेयर के लिए मांगते है, वह दे दिया जाए ताकि सारी सड़कों की मुरम्मत हो सके। इन्होने बताया है कि इनकों हर साल 70 करोड़ रूपये चाहिए जबकि 18 करोड़ से ज्यादा गुप्ता जी नही दे रहे है। इन 18 करोड़ रूप्ये में उपाध्यक्ष महोदय, आपके ओर हमारे जिले का नम्बर तो आता नही। इनको जितना पैस मिलताहै, उससे इनके रोहतक जिले को ही सड़के पूरी हो पाती है। इसलिए मेरी गुप्ता जी से प्रार्थना है कि जितना पैसा डांगी साहब को काम करने के लिए चाहिए, वह पैसा गुप्ता जी इनको दे दें ताकि सारी सड़कों की रिपेयर हो सके।

उपाध्यक्ष महोदय, अब मै सिचाई के बारे में कहना चाहता हूं। हरियाणा सरकार को वर्ल्ड बैक से 800 करोड रूप्ये मिल गए है। इनमें से मेरी मांग है कि 65 करोड़ रूप्ये तो दादूपुर नलवी नही के लिए ओर 100 करोड़ रूप्ये दादूपुर लाड़वा के लिए दे दिया जाए। यदि हमें 165 करोड़ रूप्ये मिल जाएं तो ये नहरें पूरी हो सकेगी। इनके पूरा होने पर हमारे इलाके की पानी की जरूरत भी पूरी हो सकेगी और वाटर लैवल जो बहुत नीचे जा

चुकाहै, वह भी ऊपर आ जायेगा। उपाध्यक्ष महोदय, मै डांगी साहब का धन्यवादीहूं क्योंकि हर गांव में जा कर कोि ा ा करते है कि वहां पर सड़क का काम हो जाए। (घंटी) उपाध्क्ष महोदय, अब मै हैल्थ डिपार्टमैंट के बारे में कहना चाहता हूं। (विध्न एवं घण्टी)

श्री उपाध्यक्षः लहरी साहब, अब आप वाइंड अप कीजिए।

साथी लहरी सिंहः अध्यक्ष महोदय, मुझे अभी थोडा समय और दीजिए। बहिन जी अभी बैठी नही है। जिस जिस हिसाब से बहन जी काम कर रही है.....(विध्न) पिछली सरकार ने और इस सरकार ने जो भी डिस्पैंसरीज और प्राईमरी हैल्थ मैटरज बनाए है, उनकी देख रेख में काफी कमी है। न वहां पर पूरी दवाईयां मिलती है और न पूरी बिल्डिगज ही है। मेरे हल्कें में 2 प्राईमरी हैल्थ सैंटरज बनाए हे, उनकी देख रेख में काफी कमी है। न वाहं पर पूरी दवाईयों मिलती है ओर न पूरी बिल्डिगज ही है। मेरे हल्के में 2 प्राईमरी हैल्थ सैटरज है ओर वे दोनों ही पंचायतों की बिल्डिगज में चल रहे है। सबसिडियरी हैल्थ सैंटरज भी बिना बिल्जिग के ही चलाए जा रहे है। ओर वहां पर कोई कम्पाउंडर या डाक्टर नही मिलता। इसके साथ ही जहां पर एक्स–रे प्लांटस लगे हुए है, वहां टैक्नीि ायन भी मिलने चाहिए। बहिन जी इस वक्त बैठी नही है, मेरा नम्र निवेदन है कि इस ढंग से काम करना चहिए जिससे सभी को सुविधा मिल सकें।

उपाध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही मै ि ाक्षा के बारे में अर्ज करना चाहता हूं। जो 13 स्कूल अपग्रेड किया है और न ही मेरे हल्के का कोई स्कूल अपग्रेड किया है उपाध्यक्ष महोदय, मै सरकार के नोटिस में लाना चाहता हूं कि 1981–82 के बाद से मेरे हल्के का कोई भी स्कूल अपग्रेड नही किया गया है और न ही कोई नई सड़क उस हल्के में बनाई गई है। मै डांगी साहब से नम्र निवेदन करूंगा कि मेरे हल्के में सड़कों की हालत की तरफ जरूर ध्यान दें। सारे हल्कों में बराबर का काम होना चाहिए, बराबर के स्कूल अपग्रेड होने चाहिए। (घंटी) मेरा हल्का 15–20 साल से पिछडा पड़ा है, उसकी तरफ सरकार को वि ोश ध्यान देना चाहिए। उपाध्यक्ष महोदय, वहां पर एक पुल टूट गया था और दो आदमी भी मर गए थे। उस पुल के टुटने से 100 गांवों का रास्ता बन्द हो गया है। वह पुल घनौरा, डब्ल्यू0 जे0 सी0 पर बनना है और इरिगे ान डिपार्टमैंट न बनाना है। इस पुल के बनने से 100 गांवों के किसानों का फायदा होगा, लेकिन न बनने से बहुत नुक्सान हो रहा है। (घण्टी)

उपाध्यक्ष महोदय, सो ाल वैल्फेयर डिपार्टमैंट के बारे में मै कहना चाहता हूं कि इससे सबको बराबर सुविधा मिलनी चाहिए। मैने पिछली बार भी क्वै चन रेज किया था, जो भी ग्रान्ट्स है, वे रोहतक, सिरसा, हिसार आदि जिलों में दी जाती है। मेरा फाईनैस मिनिस्टर साहब से नम्र निवेदन है कि ग्रान्टस सभी जिलों में बराबर बांटी जानी चाहिए। हमारे इलाके में भी गरीब

लोग रहते है, इसलिए उनकाभी ध्यान रखा जाना चाहिए। (घण्टी) उपाध्यक्ष महोदय, एक क्वै चन के जवाब में मुख्य मंत्री जी न एनाउंसमैंट कर दी थी कि जरिजन चौपाले है, वे 31 मार्च, 1995 तक कम्पलीट कर दी जाएंगी। यह कोई छोटा फैसला नही है, इस पर 100–150 करोड़ रूपये के लगभग खर्च करना पड़ेगा। आदरणीय मुख्य मंत्री जी ने हाउस के बाहर भी 4–5 बार एनाउंस किया है कि इन चौपालों का कार्य कम्पलीट हो जाएगा। 70–75 प्रति ात गांव ऐसे है जहां चौपालों की मुरम्मत होनी है। (घण्टी) उपाध्यक्ष महोदय, मै थोड़ी ही देर में अपनी बात को समाप्त करूंगा। अब मै इंडस्ट्रीज डिपार्टमैंड के बारे में कहना चाहता हूं। चौटाला साहब, इस समय हाउस में बैठे नही है, उन्होने कहा था कि इंडस्ट्रियलिस्टस पलायनकर रहे है वे हरियाणा से जा रहे है। मै चौआला साहब को आपके माध्यम से बताना चाहूंगा कि अब ये इंडस्टियलिस्टस हरियाणा से उद्योग उठाकर बाहर नही जा रहे है वे तो चौटाला साहब से डर कर चले गए थे। जब इंडस्ट्रियलिस्टर को यह पता चलता था कि चौटाला साहब आ रहे है तो जगाधारी और यमुनानगर के उद्योग बन्द हो जाया करते ाि ओर बहुत से उद्योग हरियाणा से बाहर भी चले गए। इसी तरह से फरीदाबाद में है। अब सरकार की पौलिसी है कि दूसरे दे ाों से इंडस्ट्रियलिस्ट यहां पर आकर इंडस्ट्रीज लगाएं और अब तक कम से कम 100 इंडस्ट्रियलिस्ट आ चुके है और इंडस्ट्री लगा चुके हैं

श्री उपाध्यक्षः लहरी सिंह जी, आप वाइन्ड अप कीजिए।

श्री सतबीर सिंह कादयानः उपाध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। अभी माननीय सदस्य ने श्री ओम प्रका ा चौटाला का नाम लिया है। जब वे सदन में ही नही है तो उनका नाम नही लेना चाहिए। ये तो अभी अभी खरीदे गए है। (ाोर एवं व्यवधान)

साथी लहरी सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, कादयान साहब, को अपनी वह बात याद आ रही है जिसमें ये पांच करोड़ के घपले में फंस गऐ हैं

श्री उपाध्यक्षः लहरी सिंह जी, आप एक मिनट के लिए बैठ जाएं क्योंकि कादयान साहब कुछ कहना चाहते हैं

श्री सतबीर सिंह कादयानः उपाध्यक्ष महोदय, इन्होने जो पांच करोड़ वाली बात कही, वह ठीक नही है। मै जब तक इफ्कों का चेयरमेन रहा हूं, उसको प्रोफिट ही हुआ है। अगर कोई इफ्को का एक रूपया भी बचा हुआथा तो वह मेरे टाईम में वापिस आ गया था। एक साल तो 101 करोड़ रूपए का प्रोफिट हुआ था।

श्री राम कुमार कटवालः उपाध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। उपाध्यक्ष महोदय, छाज तो बोले, ये छलनी क्यो बोले है? अभी बंसी ला जी नही बैठे है। इन्हे अभी दो साल ही हुए है ओर इन्होने दो साल में पैट्रोल पम्प खोल दिया है।

Mr. Deputy Speaker: This is not a point of order.

साथी लहरी सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, यह पेट्रोल पम्प एक हरिजन को, एक गरीब आदमी को दिया गया है ताकि वह काम करके खा सके। उपाध्यक्ष महोदय, जिस दिन मुझे पैट्रोल पम्प मिला है, उसी दिन चौधरी बंसी लाल के बेटे को भी पैट्रोल पम्प मिलाहै। यह मुख्य मंत्री जी के हाथ मे ंनही है कि जिसको चाहा पैट्रोल पम्प दे दो ओर न हि किसी ओर के हाथ में है। आज इनको तकलीफ होती है। (घण्टी) उपाध्यक्ष महोद, मै एक मिनट में खत्म करता हूं।

Mr. Deputy Speaker: You are stressing too much.

साथी लहरी सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, मै एक बात ओर कहना चाहता हूं कि जो बिजली के पावन हाउस इन्होने अपग्रेड करके 66 के0 वी0 के किए है, वे वैसे के वैसे ही पड़े हुए है। जैसे गुडा और पृथ्ला के पावर हाउसिज हे, इनको चालू किया जाए।

Mr. Deputy Speaker: Please windi up.

साथी लहरी सिंहः उपाध्यक्षमहोदय, मै खतम् ही कर रहा हूं। इसी तरह से जो हकसफा का कानून है, वह ठीक हो गया है, उसके लिए मै इनका धन्यवाद करता हूं लेकिन उसमें एक प्रोब्लम रह गई है, उसको भी दूर कर दें। प्रोब्लम यह है कि जो हिस्सेदारी है उस बारे में पुनविचार किया जाए।

इसी तरह से मै पंचायती राज के बारे में कहना चाहता हूं। उपाध्यक्ष महोदय, इन्होने कारपोरे ान के चैयरमैन के बादे में कह दिया, साथ ही यह भी कहा कि चीफ मिनिस्टर का लड़का अपने आपको सी0 एम0 लिखता है। (विध्न) मेरा इस बारे में निवेदन है कि भगवान ऐसी औलाद सबकों दें।

श्री जिले सिंहः डिप्टी स्पीकर साहब, ये किस विशय पर बोल रहे है।

साथी लहरी सिंहः सर, मै एडमिनिस्ट्रे ान पर बोल रहा हूं। मेरातो कहना यह है कि परमात्मा ऐसी ओलाद सबको दे क्योंकि उसके हाथ में इतनी पावर होते हुए भी घर–घर जाकर लोगें के सामने हाथ जोड़ता है ओर कहता है कि हम आपसे मिलने आये हैं ऐसा नही है इनकी तरह कि किसी की बहू का कत्ल करवा दे ओर किसी और का कत्ल करवा दे। वे ऐा भी नही है कि अगर किसी का हाथ उठा गया तो उसका हाथ कटवा दे जैसा कि वे करवाया करते थे। उपाध्यक्ष महोदय, इन भाब्दों के सथ आपका धन्यवाद करते हुए अपना स्थान लेता हूं। (विध्न)

श्री सतबीर सिंह कादयानः उपाध्यक्ष महोदय, मुझे भी बोलने का टाईम दें। सर, मुझे टै ान हो रही है कि मेरा बोलने का नम्बर आएगा या नही।

श्री उपाध्यक्षः कादयान साहब, आप टै ान न रखिए। आपको बोलने का समय दिया जाएगा। पहले जानकी देवी मान को बोल लेने दे।

श्रीमती जानकी देवी मान (इंद्री): उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मुख्य मंत्री जी के सामने अपने हल्के की कुछ कठिनाईयों के बारे में कहना चाहती हूं लेकिन कहें किससे, मुख्य मंत्री जी तो उठकर चले गए।मैने उनसे केई बार कहा है कि मेरे हल्के के काम करवाए लकिन आज तक कोई काम नही हुआ है।

श्री उपाध्यक्षः वित्त मंत्री जी यहां पर बैठे है।

श्रीमती जानकी देवीः उपाध्यक्ष महोदय, मेरे हल्के के अन्दर न स्कूल है, न कालेज है। मेरे हल्के के अन्दर लड़कियों के पढ़ने के लिए 10+2 का कोई स्कूल नही है, साथ ही लड़कियों को स्कूल ले जाने के लिए कोई बस सविस का भी प्रबन्ध नही है। मेरा मुख्य मंत्री जी से निवेदन है कि वे मेरे हल्के के अन्दर 10+2 का स्कूल औ कालेज खुलवाएं ताकि लड़किया पढ़ कसे। ये तो खुद कहते है कि वे स्त्रियों के लिए बहुत कछ कर रहे है पर हो कुछ भी नही रहा है। इनकी सब बातें कहने की ही है। उपाध्यक्ष महोय, जब तक दे और प्रदे ज्ञ के अन्दर लड़कियों की पढ़ाई लिखाई नही होगी, तब तक इनका भविश्य ठीक नही हो सकता। अगर मां पढ़ी लिखी होगी, तभी वह घर का काम काज ठीक ढंग से कर सकेगी। इसलिए मुख्यम ंत्री जी को मेरे हल्के के अन्दर

स्कूल और कालेज खुलवाने चाहिए। इसके अलावा स्कूल में टीचर्ज भी नही है, कई स्कूल ऐसे है जिनमें जैं0 बी0 टी0 टीचर या अन्य टीचन नही है, इसलिए आपको नेय बच्चों की भर्ती करके टीचर्ज लगाने चाहिए। इसके अलावा, मेरे हल्के में स्कूलों की छतें भी टूटी पड़ी हैं सरकार को बरसात से पहले छतें ठीक करवानी चाहिए ताकि मासूम बच्चे करने से बच जाए। मेरे हल्के की सड़कें भी टूटी पड़ी है। ओर एक धनौरा जागरी का पुल टूटा पड़ा हैं जिसकी वजह से किसानो ंको अपनी फसलें ले जाने में बड़ी दिक्कत होती है। इसलिए सरकार को जल्दी ही सड़के ओर पुलों की मरम्तक रवानी चाहिए। उपाध्यक्ष महोदय, इन्द्री हल्के के साथ साथ बहुत से गांव जमुना से लगते है। जब बरसात में पानी आता है तो जमुना के बहाव से गरीब किसानों की जमीन कट जाती है। इसलिए मेरा सरकार से कहना है कि बरसात आने से पहले ही वहां पर ठोकरें लगाएं ताकि गरीब किसानों की जमीन बच सकें। इसीत हरह से बिजली की भी प्रदे ा के अन्दर बहुत जरूरत है। इसके साथ ही साथ मै नेहरा साहब से भी विदन करूंगी कि वे लहरों की गाद निकलवाए। पिछले तीन साल से नहरों परकाम नही हो रहा है, पता नही क्या बात है? जब इनको सच बात कहते है तो येकहते है कि यह बात क्यो कही है। इन्ही भाब्दों के साथ मै आपना स्थान लेती हूं। धन्यवाद।

श्री सतबीर सिंह कादयान (नौलथा): उपाध्यक्ष्ज्ञ महोदय, आपने मुझे बोलने का समय दिया इसके लिए आपका बहुत बहुत

धन्यवाद। माननीय वित्त मंत्री जी ने जो बजट पे ा किया है.....
.....

श्री उपाध्यक्षः समय के मामले में जो मिसाल बहिन जी ने कायम की है, मुझे उम्मीद है कि आप सभी सदस्य उसे कायम रखेगें।

श्री सतबीर सिंह कादयानः उपाध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ने जो डिमांड बढ़ा चढ़ाकर सदन मे पे ा की है, उसमें जो खर्चे है, वे वास्तविकता से दूर है, ज्यादा खर्चे तो एडमिन्स्ट्रे ान के ऊपर है और फिक्सड ऐक्सपैडीचर है। विकास के लिए बजट में उतना प्रावधान नही किया जितना होना चाहिए। राश्ट्रीय मुद्रा स्फीति के हिसाब से ही बजट में दो तनी साल से वृद्धि हो रही है। ऐक्साइज से ओर सेल्ज टैक्स से जो आमदनी बताई है,वह दस परसैंट होगी। कुछ वृद्धि तो इसलिए कम रहे जाती है कि वित्त मत्री जी हर महकमें को सही डयरैक ान नही दे पाते। एग्रीकल्चर प्रोडयूस प्रकृति पर निर्भर करती है। फसल अगर ज्यादा हो जाती है तो सेल्ज टैक्स ज्यादा आ जाता है ओर जो टैक्स उगाहे जाते है, जिनसे ंप्रदे ा का विकास हो सकता है, उस पर सरकार का पूरा ध्यान नही रहता। 1977 में चौधरी देवी जाल जी ने मैचिग ग्रांट्स स्कीम चलाई थी जिसक तहत स्कूल, कालेज, हरिजन चौपाल और गां की गलियों के लिए दुगुना पैसा किया करती थी ओर लड़कियों की ि ाक्षा के लिए तिगुना किया करती थी। मै मंत्री जी के ध्यान में लाना चाहूंगा कि 27.03.91 को इन्होने इसरान में एक

कालेज बनाने का फैसला लिया था। गांव के लोगों ने 5 लाख 40 हजार रूपए जका कर रखे थे लेकिन हमारी सरकार आठ दिन के बाद नही रही थी, उसक बाद गुप्ता जी की सरकार आ गई। विकास के नाम से लोगों के पैसे जो बैकों में जका है, उन संस्थाओं को ने उसका ब्याज मिलता है न मैचिग ग्रांट देकर दुगुना मिलताहै। जब किसानों की जमीन एक्वायर करती है। न तो किसान को उनकी जमीन का पैसा देती है और न ही विकास काकाम हो रहा है। ऐसी योजनाएं बनाई जाए कि छह महीने के अन्दर अन्दर एक्वायर जमीनकी पेमैंट किसान को की जाए। सरकार जिन किसानों की जमीन एक्वायर करती है, उनकी नौकरी दी जाए, क्योकि उनके पास आजीविका के दूसरे साधन नही होते।

मै डिमांड नं0 16, 17, 9, 22, 2, 6 और 2 के ऊपर बोलना चाहूंगा। डिमांड नं0 16 इंडस्ट्री के बारे में है। सरकार बलंगबांग दावे करके हरियाणा की जनता को गुमराह करती है कि एक परिवार के एक व्यक्ति को रोजगार देगे। कारखाने इतने ज्यादा लगाएंगे कि कोई बेरोजगार नही रहेगा। इन दावों से जनता झांसे में आ गई। हमारी सरकार 50 रूपये और 100 रूपये महीना बेराजगार को बेरोजगारी भत्ता देती थे। इसके अलवा इनको मुक्त बस सात्रा की सुविधा भी देती थी। मै प्रदे ा के मुख्य मंत्री को यह बताना चाहूंगा कि प्रदे ा के अन्दर जो आजकल उद्योग लग रहे है, वे चाहे एन0 आर0 आई0 स्कीम के तहत लग रहे है, चाहे प्रदे ा से बाहर के आदमी लगा रहे है या

हमारे प्रदे ा के अन्दर रहने वाले लगा रहे है। वह बाहर के आदमी ही रखते हैं हमारे पानीपत में एक नैसले की फैक्ट्री लगी है। इसी तरह से एक पैपसी कोला वालों ने फैक्ट्री लगाई हैं वहां पर क्लास–थ्री और क्लास–फोर के सभ कर्मचारी बाहर के लिए है। प्रदूशण तो हरियाणा में हो, धुआ फैक्ट्रीज को हम खययें, लेकिन हमारे प्रदे ज्ञ के आदमी भी इनमें नौकरी में ने लिए जाए, यह देखने योग्यत बात है। इस तरह की इंडस्ट्रीज हमारे प्रदे ज्ञ में कार्यान्वित हो रही हैं इसके अलावा, मै यह कहना चाहता हूं कि हरियाणा प्रदे ज्ञ में उद्योग का सुचारू रूप से चलाने के लिए इंडस्ट्रीज डिपार्टमैंट द्वारा एच0 एफ0 सी0 द्वारा ओर दूसरे आदयरी द्वारा जो धन दिया जाना है, उसको एक्सीडाईट करना चाहिए। इसके अलावा, जैसे कि आपके पता ही है किस तरह से खानों की बात हो रही है। हरियाणा का एक माईन्ज एण्ड मिनरल्ज का महकमा है। 1986 में जब चौधरी भजन लाल मुख्य मंत्री थे तक उन्होने एक निर्णय लिया था कि जो इनके नजदीकी है या करीब है, उनको आर्थिक तौर पर मजबूत करने के लिए सरकार की जो चट्टाने है या खाने है, जैसे स्लेट की खोनं है या और कोई चीज निकलती है, वह उनको दे दीज ाये। इनका यह फैसला था ताकि ये खाने इनके अपने चहेतों को दी जा सके। उसके बाद चौधरी बंसी लाल 1986 में मुख्य मेंत्री बने। इन्होने इस काम के लिए एक कारपारे ान बनाई जिसका नाम एच0 एम0 एल0। यह कारपोरे ान काम करती रही। बाद में जब हमारी पार्टी की सरकार बनी ओर चौधरी देवी लाल जी आये तो हमने यह किया

कि पहले इस एच0 एम0 एल0 से नो–आब्जैक ान सटिफिकेट दिया जाऐगा, तब किसी दूसरे की लीज पर देगे। लेकिन जब 1991 में दोबारा चौधरी भजन लाल जी सता में आये तो इन्होने अपने चहेतों को और अपने परिवार के लोगों को यह जमीन लीज पर देनी भुरू कद दी।

चौधरी जगदी ा नेहराः आन ए प्यायंट आफ आर्डर सर। डिप्टी स्पीकर सर, इस ढंग से ये जो वेग एलीगे ान्ज लगा हरे है, यह पालियामैंट्री परम्परा के मुताबिक बिल्कुल न लगाऐ, इनका इन डिमांडज से कोई संबधं नही हैं ययह जो खाने दी जा रही है, उनके लिए बाकायदा एक प्रोसीजन बना हुआ है। उस प्रोसीजर के तहत खानें दी जा रही है ंऐसे नही कि ऐसे ही मन मर्जी से जिस को चाही दे दी जाए। इसके लिए केन्द्र सरकार की कनकरैंस भी लेनी पड़ती है। इसलिए इस ढंग से ऐसे हाी एलीगे ान्ज लगाना कि यह अपनी परिवारों को दी जा रही है, यह ठीक नही हैं इनके राज में जो कार्यवाही इस बारे में इन्होने की थी, वह भी लोगों को पता है। आप लोगों ने जो खाने दी थी, उनका क्या हाल था, क्या वह ये भूल गये? सारी जगहो ंपर, इन्होने भी तो अपने ही रि तेदारों के अलावा, किसी ओर को खाने नही दी थी। किस तरीके से कानून की धज्जियों उडाई गयी, यह सब को पता है।

श्री सतबीर सिंह कादयानः डिप्टी स्पीकर साहब, मै आपको लीज के बारे में बता रहा था कि इन्होने अपने चहेतो को

लीज पर दी है। रोजका–गुजर में, सिलिका–सैड की लीज, हरियाणा मिनरल्ज से सरैडर करवाकर, ि ावजीत सिंह व उग्रेसैन को दी गयी हैं उग्रसैन मुख्य मंत्री जी के साले का लड़का है। इसके साथ ही अनंगपुर–कटन व सराया ख्वाजा की सिलिका–सैड की लीज, कैला ा आहूजा को दे दी गयी हैं

चौधरी जगदी ा नेहराः आन ए प्वायंट आफ आर्डर, सर। डिप्टी स्पीकर साहब, ये मिस्टर आहूजा का नाम ले रहे है, क्या यह भी रि तेदार है? (व्यवधान व भाोर) इस ढंग से एलीगे ान लगाना और नाम लेना क्या ठीक है?

श्री सतबीर सिंह कादयानः मै यह कह रहा था कि इसी तरह से अनंगपरु कटन व सराय ख्याजा की सिलिका–सैंड की लीज कैला ा आहूजा को दी गयी हैं एक पाली, जिला फरीदाबाद की सिलिका सैड की दो खानें, भाी ापाल सिंह सुपुत्र श्री कर्मवरी सिंह वगैरह को दी गयी है। एक गंगानी, जिला गुड़गांव की सिललिका–सैड की लीज एस0 ए0 मिनरल्ज, करोलबाग, नई दिल्ली को दी गयी। इसमें कैला ा आहूजा के अलावा दूसरे व्यक्तियों को सांझेदारी भी हैं एक रविन्द्र कुमार पुत्र श्री अमीर चन्द्र मक्कड, एम0 एल0 ए0 हांस को, खरक–सोहना (गुडगांव) की सिलिका सैड की लीज दी गयी है।

चौधरी जगदी ा नेहराः आन ए प्वायंट आफ आर्डर, सर। इस ढंग से ऐलीगे ान लगनाया जिस तरह से यह कह रहे

है, उचित नही हैं एम0 एल0 ए0 का नाम लेकर यह एलीगे ान न लगाए तो ठीक रहेगा। जैसे कर्ण सिंह दलला जी ने धनिक लाल मंडल जी का नाम लेकर एलीगे ान लगया, वह भी ठीक नही था। क्या यह सब इनके रि तेदार है या इनके कहने से रि तेदार बन जाते है?

श्री उपाध्यक्षः कादियान साहब, आप बैठ जाइए। आप एक मिनट मेरी बात सुन ले। आप किसी ऐसे आदमी का नाम न ले जो अपने आपको हाउस मैं डिफेन्ड र कर सकता हो। (ाोर एवं व्यवधान) चीफ मिनिस्टर साहब, कुछ कहना चाहते है, आप बैठिए।

चौधरी भजन लालः उपाध्यक्ष महोदय, आन ए प्वायंट आफ आर्डर। उपाध्यक्ष महोदय, इनका मकसद तो कभी ठीक बात कहने का नही है। कोई एम0 एल0 ए0 हो, कोई एम0 पी0 हो और उसका कोई रि तेदार हो काम कर सकताहैं काम करना कोई गुनाह तो नही है? चौरी करना, डकैती करना और हेराफेरी करना तो बुरी बात है लकिन अगर कोईआदमी कानून के हिसाब से सही काम करता है, मर्यादा मं रहकर काम करताहै तो इसमें क्या हर्ज है? पहले इन माइन्ज से नौ करोड़ की इन्कम थी ओर आज के दिन सोलह करोड़ की इन्कम हैं बाकायदा ऐप्लीके ानज मांगी जाती है, इंटरव्यू हेाता है, तब माइन्ज दी जाती है। अगर मक्कड़ के लड़के ने ले ली है तो उसमें गुनाह की क्या बात है? कोई गल्त तरीके से ली हो ताह यह कह सकते है ंउपाध्यक्ष महोदय, मै

कहना चाहता हूं कि इनके खिलाफ सी0 बाई0 आई0 ने करप् ान का केस दर्ज किया हुआ है और इंक्वायरी भी हुई हैं अगर मै आपका चिट्ठा खोलने लगूं तो आपको सारी बातों का पता लग जाएगा।

श्री सतबीर सिंह कादयानः उपाध्यक्ष महोदय, इफको का एक पैसा भी बकाया नही है, सारा पैसा वापिस आ गया है। मै सउन को बताना चाहता हू कि जब आप सेन्टर में कृशि मंत्री थे तो उस वक्त के मेरे पास ऐसे सबूत है। एक–एक ट्रक में आठ–आठ, नो–नो किलो वजन था अै पूरे ट्रक के वज का क्लेम किया गया था। उपाध्यक्ष महोदय, मवन्डी (बम्बई) से आंवला इफको प्लांट बरेली में था और इकोनोमिक टांसपोर्ट कंस्ट्रक ान कम्पनी, ट्रासपोर्टे ान की ठेकेदार थी। इस केस में सी0 बी0 आई0 की इंक्वायरी भी चल रही थी। उन ट्रकों में आठ–आठ ओर नौ–नौ किलो वजन होता था लकिन पूरे ट्रक का किराया लिया गया था।

चौधरी भजन लालः उपाध्यक्ष महोदय, अगर कोई आदमी कोई प्लांट लगता है ओर वह प्राईवेजट आदमी है तोयहं पर इस बात को कहने का क्या ताल्लुक है? उपाध्यक्ष महोदय, मेरे बाद चौधरी देवी लाल आए, बंसी लाल आए, अगर इनको कोई कमी नजरआई थी तोये ऐक ान ले सकते थे ओर मेरे खिलाफ चौधरी देवी लाल को केस दायर करनाचाहिए था। हम कोई फिजूल की बात नही कतरे, मर्यादा में रहकर काम करते है। (ाोर एवं व्यधान)

श्री धीरपाल सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, मेरे साथी श्री सतबरी सिंह कादियान ने कहा कि हाउस के नेता जब दिल्ली की सरकार में कृशि मंत्री थे तो उस समय ऐसे ट्रक आए जिनमें नौ किलो वजन डाला गयाऔर पूरे ट्रक का किराया लिया गया। आप उस समय कृशि मंत्री थे ओर उाकप नाम इसमें आ सकता हैं उपाध्यक्ष महोदय, चौधरी भजन लाल ने कहा है कि जब श्री कादियान इफ्को के चेयरमैन थे, तो उस वक्त काफी गल्त काम हुए लेकिन श्री कादियान ने कहा है कि मेर खिलाफ कही कोई लेनदेन का मामला नही है। मुख्य मंत्री के ऊपर एक दोशारोपण लगाया जा रहा है। तो आप आपने आपकों उस बात से अलग कर सकते है ओर कह सकते है कि कोई माल नही आया और अगर आया है तो आप बात को साफ करें।

श्री धीरपाल सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, बकायदा सी0 बी0 आई0 की इंक्वायरी हुई थी ओर इनके खिलाफ केस दर्ज हुआ था। (ाोर एवं व्यवधान)

चौधरी जगदी ा नेहराः स्पीकर साहब, ये तो फिजूल की बात करते है? इनकी बात में कोई सदाकत नही हैं

श्री सतबरी सिंह कादयानः अगर आप चाहे तो मै आपको ट्रक नम्बर दे सकता हूं जिनमें आठ–नौ किलो वजन आया ओर पूरे ट्रक का किरयाणा चार्ज किय गया।

चौधरी जगदी ा नेहराः आप नम्बर दे दीजिए। हमर भागने वाले नही है। ट्रक का नम्बर देने से क्या होता है? हम भी ट्रक के नम्बर दे सकते है। उपाध्यक्ष्ज्ञ महोदय, मै प्रार्थना करता हूं कि मैम्ब्र साहब डिमांड पर बोले, हम बिल्कुल भी दख्लअन्दाजी नही करेगे। आप इस तरह से बात करे जिससे हाउस की गरिमा को कोई आंच न आए।

श्री सतबरी सिंह कादयानः उपाध्यक्ष महोदय, मै इंडस्ट्रीज को सुचारू रूप से चलाया जा सकता है। जब तक प्रदे ा के जो साधन है उनको सही ढंग से यूटीलाईज न किया तब तक हमारे प्रदे ा के अन्दर इंडस्ट्रीज नही पनप सकती। मै आपको इस सरकार के कारनामें के बारे में बताना चाहता हूं कि किस तरह से यह सरकार अपना कार्य कर रही है जो बड़ा ही आपत्तिजनक है? इन्होने अब्दुल रजाक पुत्र गुलाम रसूल गांव पडाणी जिला गुडगांव को सौन्ध की चाईन–क्ले की लीज चौधरी तैयब हुसैन के दामाद को फायदा पहंचाने के लिए दे दी। (ाोर) इसी तरह से सुरेन्द्र पुत्र राम रत्न एम0 एल0 ए0 को स्लेट की लीज कौड़ियों के भाव दे दी। 700 एकड़ भूमि उसको केवल 10 रूपये के प्रति एकड़ के हिसाब से दे दी गई। (ाोर एवं व्यवधान) किस तरह से इस सरकार ने लोगों के साथ भेदभाव किया है। (ाोर) अच्छा, उपाध्यक्ष महोदय, अब मै ज्यादा इंडस्ट्रीज पर न कहता हुआ, ऐजूके ान पर बोलूगा क्योंकि अगर मै ओर कुछ बातें इंडस्ट्रीज के बारे में कह दूंगा तो इस सरकार को तकलीफ होगी।

उपाध्यक्ष महोदय, जहां तक ऐजूके ान का संबंध है, इसके लिए वित्त मंत्री ने अपने बजट में बहुत कम पैसा रखा है। जब हमारी सरकार थी, उस वक्त सिर्फ एक साल के अन्दर ही 350 स्कूलों को अपग्रेड किया गया था और इस मौजूदा सरकार ने चार सालों में केवल 313 स्कूलों को ही अपग्रेड किया है। (ाोर)

श्री अमीर चन्द मक्कड़: उपाध्यक्ष महोदय, इनके जमाने में तो केवल घोशणाएं ही घोशाणाएं थी, स्कूल एक भी अपग्रेड नही किया गया था। (ाोर)

श्री उपाध्यक्ष: कादयान साहब, अब आप समाप्त करे। (ाोर)

श्री सतबरी सिंह कादयान: उपाध्यक्ष महोदय, मै जल्दी ही समाप्त करता हूं। अभी मक्कड साहब ने बोलते हुए कहा कि केवल घोशणाएं ही घोशणाएं हमारे वक्त में थी, काम कोई नही किया। हमारे वक्त में ऐसी बात नही थी। जहां पर कोई नार्मज को पूरा करता था तो उस जगह पर स्कूल खोल दिया जाता था। आपकी सरकार की तरह हामर ीसकरार किसी इलाके के साथ भेदभाव की नीति नही बरतती थी। आज स्कूलों की क्या हालत है कही बिल्डिग नही, कही बिल्डिग है तो टीचर्ज नही,कोई भी काम आपकी सरकार का नार्मज के अनुसार नही हो रहा है। (ाोर) आज की यह मौजूदा सरकार नार्मज के लिहाज से स्कूलों की अप ग्रेडे ान नही कर रही है, यह कोई अच्छी प्रथा नही है। मै मुख्य

मंत्री महोदय से कहूंगा कि वे इस ओर ध्यान दे। उपाध्यक्ष महोदय, मै यह बताना चाहता हूं ओर इस सरकार का ध्यान दिलाना चाहता हूं कि राई स्पोर्टस स्कूल में नक्ल करवई गयी। वहां का स्टाफ नकल करवाता रहा और बाद में लड़कों को कह दिया कि अभी नही लिए जाएगे। बाद में दोबारा टैस्ट होगा। (ाोर) और जो वहां के प्रिसीपल है, वे कहते है कि पहले मुझे मुख्य मंत्री महोदय ने नौकरी दे दी ओर बाद में अर्जी ली। ऐसी एसी बातें इस राज में हो रही है। (ाोर)

चौधरी भजन लालः उपाध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। मै इनको बताना चाहता हूं कि वैद्य डाक्टर, पढ़ाने वाला जो होता है, वह काबिल आदमियों में से लगाया जाता है लेकन आपकी तरह * * *

श्री सतबीर कादयानः उपाध्यक्ष महोदय यह भाब्द कायर्रूवाही में से निकाल दिए जाने चाहिए।

श्री उपाध्यक्षः ठीक है, ये भाब्द कार्यवाही में से निकाल दिए जाए।

श्री सतबीर सिंह कादयानः राई स्पोर्टस स्कूल के अन्दर पिछले दिनों कुछ लड़कों ने गुंडागर्दी की। चार लड़कों को स्कूल से निकाला गया, फिर उन्हें दोबारा स्कूल में लिया गया। उन्होने वहां के वाइस प्रिसिपल की पिटाई की थी लेकिन किसी के खिलाफ कोई एफ0 आई0 आर0 या पर्चा दर्ज नही हुआ। जब ऐसा

हो तो पढ़ने वाले बच्चों के दिल में क्या भावना पैदा होगी? यह बड़े सोचने की विशय है। इसी तरीके से हमरे प्रदे ा के अन्दर लैंड ग्रैबि के तहत एक संस्था बनी है, जिसका नाम 'भजन ि ाक्ष संस्थान' है। उसने बारह सौ एकड़ जमीन पर कब्जा कर रखा है। 415 एकड़ जमीन के तो पंचायतों से प्रस्ताव ले लिए। उसमें बहुत बड़े–बड़े लोग भाामिल है।

चौधरी भजन लालः उपाध्यक्ष महोदय, मेरा प्यायंट आफ आर्डर हैं मैने एक पेपर में पढ़ा था कि फरीदाबाद में एक संस्था बनी है। उसे पढ़कर कर मुझे बहुत तकलीफ हुई कि यह पेपर में कैसे आ गई। मैने उसी वक्त पता किया। उस बारें में किसी पंचातय ने प्रस्ताव नही किया ओर यह सब बेसलैस बात है। ये लोग जैसे खुद थे, इनकों वैसा सब को नही समझना चाहिए। हमारे पर थोड़ी सी कृपा करों हर एक को अपने जैसा इन्सान नही समझाना चाहिए।

श्री सतबरी सिंह कादयानः उपाध्यक्ष महोदय, मुख्य मंत्री जी ने स्पश्टीकरण देने की कोि ा ा की परन्तु मै यह बात दावे के साथ कह सकता हूं कि 'भजन ि ाक्षा संस्थान' बाकायदा रजिस्टर्ड है। उस ि ाक्षा संस्थान को उपहार देने के लिए 415 एकड़ जमीन के लिए प्रस्ताव पंचायतों से करवाए गए। जैसे नंगल गुजरान पंचायत से 170 एकड़, कुरै ीपुर से 40 एकड़, गढ़ी गुजरान से 70 एकड़ पाखच से 50 एकड़ मादलपुर से 40 एकड़

नेकपुर से 30 एकड़ और सरूरपुरा पंचायत से 15 एकड़ जमीन का प्रस्ताव है।

श्री उपाध्यक्षः अगर आपको वास यह प्रस्ताव है, तो आप इनको टेबल आफ दि हाउस पर रख दें।

चौधरी भजन लालः उपाध्यक्ष महोदय, मै कहता हूं कि एक भी पंचायत का प्रस्ताव नही है। जब प्रस्ताव ही नही है तो ये टेबल पर क्या रखेगें।

श्री सतबीर सिंह कादयानः चलो, हम इसकी और क्लैरिफिके ान ले लेगे। वैसे हम कोई झूठ बात यहां पर नही कहना चाहते है, यह बात सच्ची हैं इसक बाद मैं कोआप्रे ान विभाग के बारें में दो–चार सुझाव देनाचाहता हूं। (घंटी) उपाध्यक्ष महोदय, यह महकमा ऐसा है जो ज्यादा से ज्यादा आदमियों को रोजगार देने में मदद कर सकता है। परन्तु जिस तरीके से हमारे संस्थान चल रहे है, वे प्रदे ा के लिए हितकर नही हैं सिकी भी ऐसी संस्था की एनुअल जररल मीटिग हर साल होनी चाहिए लकिन यहां पर कोई मीटिग नही होती। अगर इनकी एनुअल जनरल मीटिग बुलाई जाए तो उसमें चुने प्रतिनिध यानी डायरैक्टर्ज आएंगे और जिन लोगों ने उस संस्था में अपनी पूंजी लगाई हुई हैं, उनकों अपने सुझाव उस मीटिग मे ंदेने का मौका मिलेगा। लेकिन उनको वह मौका नही दिया जाता। मै कनफैड के बारे में क्या कहूं। वहां परएक ऐसा एम0 डी0 लगा दिया जो एक जेब में

तों टमीनि ान के आर्डर रखता है ओर दूसरी जेब में नौकरी देने के आर्डर रखता है। वारे * * * * तेरे ठाट क्लर्क दो चड़ासी आठ। (ाोर)

श्री उपाध्यक्षः यह नाम रिकार्ड न किया जाये।

श्री सतबीर सिंह कादयानः उपाध्यक्ष महोदय, वह ऐसा एम0 डी0 है जिसकों सभी जानते है, कोई डिनाई नही कर सकता। उस एम0 डी0 के 70–70 हजार रूपए के हर महीने के बिल आते है। (ाोर)

श्री धीरपाल सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, यदि उसका नाम नही आएगा तो इस तरह से कह देते है कि वाह रे एम0 डी0 तेरे ठाट क्लर्क दो चपड़ाी आठ।

श्री उपाध्यक्षः कादियान साहब, आप आप बैठ जाएं। श्री पीर चन्द जी बोलेगे।

श्री सतबीर सिंह कादयानः उपाध्यक्ष महोदय, मुझे आप केवल पांच मिनट और बोलने दें।

श्री उपाध्यक्षः अब आप बैठ जाए।

श्री पीर चन्द (रतिया): उपाध्यक्ष महोदय, मै डिमांड नं0 8, 9, 10, 11, 21 और 23 पर अपने विचार प्रकट करूंगा। उपाध्यक्ष महोदय मेरे रतिया हल्के में पिछले 12 साल से कोई भी विकास का काम नही हुआ। जो पिछली सरकार आई थी, उसने

बहुत हिम्मत के साथ रतिया में एक बस–स्टैड का पत्थर रखा था। आज उस पत्थर का पता नही कहां पर है। उसी सकार के आदमी उस पत्थर को वहां से उठा कर ले गए। आज चार साल हो गए, उस समय माननीय चौधरी ओम प्रका ा चौटाल मुख्य मंत्री हाते थे। उनहोने बस स्टैड के लिए पत्थर रखा था ओर उन्ही के आदमियों ने उस पत्थर का उठा कर पता नही कहा पर फैंक दिया, उसका आज तक पता नही लगा।

प्रो0 सम्पत सिंहः डिप्टी स्पीकर साहब, मेरा प्यावंट आफ आर्डर है। वहां पर बस स्टैड बनाने के लिए पत्थर जरूर लगाया गया था, इसमें ाकेई दो राय नही लेकिन बाद में यह सरकार आ गई और यह सरकार उस पत्थर और पीर चन्द दोनों को ले गई। (हंसी)

श्री पीर चन्दः उपाध्यक्ष महोदय, माननीय सम्पत सिंह जी खु ा मिमाज आदमी और वे अपनी गलती को मानते है, इसमें भी कोइ दो राय नही हैं इन्होने अपने चार साल के समय में हरियाणा के अन्दर विकास नाम की एक भी ईंट नही लगाई, इसमें भी कोई दो राय नही हैं उपाध्यक्ष महोदय, मेरे हल्के में इस वक्त न कोई अस्पताल है और न कोई बस स्टैड है। इसके अलवा मेरे हल्के में स्कूलों की भी बहुत कमी है। हमारे माननीय मुख्य मंत्री जी ने 21 जनवरी को वहां पर एक जलसा रखा था। उस समय हमने इनके सामने हल्के की डिमांडज रखी थी और कहा था कि पिछले 12 साल से हमारे यहां कोई विकास नही हुआ है। हमारे

माननीय मुख्य मंत्री जी ने उस समय बड़े सम्मान के साथ वहां पर 30 बैड का अस्पताल मंजूर किया और बस स्टैड के बारे में यह फरमाया कि जिस सरकार ने उसको बानाने का पत्थर रखा था, उस पत्थर को हम बदलना नही चाहते। इन्होने कहा कि किसी भी सरकार ने पत्थर रखा हो, हम वह बनाएंगे। उपाध्यक्ष महोदय, इतना ही नही, मेरे हल्के में मुख्य मंत्री महोदय ने रतिया हल्के में एक 33 के0 वी0 पावर स्टे ान मंजूर किया हैं इसके लिए भी मै मुख्य मंत्री महोदय का धन्यवाद करता हूं। जब ये 1979 के अन्दर मुख्य मंत्री थे, उस समय रतिया को सिर्फ एक थाना और एक ब्लाक के नाते से जाना जाता था। लेकिन जब ये आदरणीय भजन लाल जी, मुख्य मंत्री बने तो 1979–80 में वह पूरा भाहर बन गया। इन्होने ही उसको तहसील बनया नीं बसें लगाई। इतना ही नही बहुत बढ़िया अनाज मंडी भी बनाई। उस समय मै हेफैड का चेयरमैन होता था। वहां पर 30 करोड़ रूपये की लागत से एक कम्पलैक्स बनया गया हैं अब फतेहाबार से रतिया की तरफ जाते है तो दूर से ही पता लग जाता है। कि यह रतिया भाहर है। चौधरी भजन लाल जी ने उस समय जितने काम किए, उनके लिए मै इनको दाद देता हूं। माननीय उपाध्यक्ष महोदय, इन्होने अपने मुख्य मंत्री काल में सन 1980 में मेरे हल्के रीतिया में एक मिसाल कायम कीथी कि एक प्राईमरी स्कूल को सीधा हाई स्कू अपग्रेड कियाथा। उस समय ये स्कूल के लिए 2 लाख रूपय देकर आए थे। अब जब दोबारा गए थे उसको ंये 10+2 का कर आए है। इसी प्राकर से जाखल गांव का स्कूल अब इनकी घोशणा के मुताबिक 10+2 का

हो जाएगा। इस स्कूल के 25 कमरें बहुत बढ़िया बन कर तैयार हैं मेरे हिसाब से तो वह 10 जमा दो का स्कूल आज से चार पांच साल पहले बन जाना चाहिए था।

उपाध्यक्ष महोदय, हमारे हल्के मं एक रंगोई नाला है। इस नाले की खुदाई चौधरी सम्पत सिंह जी के राज में नही हो पाई जिस के कारण बाढ़ से नुक्सान होता रहता है। मै हाउस की जानकारी के लिए बताना चाहता हू कि इन्होने अपने समय में इस नाले की खुदाई के लिए 1 करोड़ 20 लाख रूपए खर्च किए लकिन एक तीन किलोमीटर का टुकडत्रा छोड़ दिया। इस टुकड़े के पूरा न होने से जाखल स रतिया और फतेहाबाद से टोहाना के काफी गांव बाढ़ में डूब गए थे। अब गांवों के लागों ने आपस में मिलकर इस तीन किलोमीटर के टुकड़े के पूरा किया है। अब इस नाले पर सब ने मिलकर एक 3 किलोमीटर लम्बा, 10 फुट चौड़ा और 6 फुट ऊंचा बांध बांध दिया हैं इस काम को गांवों वालों ने अपने ट्रैक्अर ट्रालियां से पूरा किया। इस काम में वहां के डी0 सी0 साहब, एस0 डी0 एम0 साहब, तहसीलदार साहब, बी0 डी0 ओ0 साहब ने भी अपना अपना योगदान दिया है। यह बांध 10 फुट और चौड़ा कर दिया जाए तो यह बहुत ही अच्छी बात होगी। (विध्न) इसके साथ ही उपाध्यक्ष महोदय, मै यह दिवेदन करतना चाहता हूं कि टोहाना रोड और रतनगढ़ तक पुल को अगर बना दिया जाए तो पंजाब को जाने के लिए रास्ता सीधा हो जाएगा और लोगो ंको सुविधा हो जाएगी। इसके साथ ही मै यह भी

कहना चाहता हूं कि वहां के जमीदार बहुत ही मेहनती है। और उस जमीन का पानी भी मीठा है लकिन बिजली की भाोर्टेज हैं वहां पर 33 के0 वी0 का पावर हाउस बन रहा है। और उम्मीद है कि इसके पूरा हो जाने से बिजली की कमी नही रहेगी। उपाध्यक्ष महोदय, मेरे हल्के रतिया में मास्टरों की बहुत कमी है, खासकर पंजाबी टीचरज की ज्यादा कमी है। यह इलाका पंजाब के साथ लगता है इसलिए पंजाबी पढ़ने वालों की संख्या ज्यादा है। इसलिए मै एजुके ान मिनिस्टर से निवेदन करूंगा कि वहां पर ज्यादा पंजाबी मास्टरज भेजने की कोि ा ा करें। (विध्न) उपाध्यक्ष महोदय, मै और भी कुछ बातें कहना चाहता था लकिन बोलने वाले और भी बहुत से साथी होगे, उन्होने भी अपने विचार रखने है। मुख्य मंत्री जी से मेरा नम्र रिवेदन है कि जैसे पहले इन्होने अपने भाासनकाल में रतिया का चमकाया था, सारे काम पूरे कयेथे, इसी तरह अब भी वे इस हल्के का पूरा ख्याल रखेगे। उपाध्यक्ष महोदय, इन भाब्दों के साथ मै अपनी बात को यही समाप्त करते हुए समय देने के लिए आपका धन्यवाद करता हूं तथा अपना स्थान ग्रहरण करता हूं।

श्री राम भजन अग्रवाल (भिवानी): उपाध्यक्ष महोदय, मै डिमांड नं0 3 5 7 11 और 16 पर बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं। जहां तक डिमांड नं0 3 का संबंध है, यह होम डिपार्टमैट से संबंधित है। आज सारी स्टेट के अन्दर कानून और व्यवस्था नाम की कोई चीज नही हैं कानून का पालन पुलिस करवाती है परन्तु

इस प्रांत के अन्दर पुलिस का ऐसा हाल है कि लोगों की नाजायत पुलिए हिरासत में रखा जाता है, ताड़ना दी जाती है, डर और आतंक का बोलबाला है, यहां पर पुलिस लोगों को मारती–पीटती है और उत्तेजित हो कर लोग पुलिस वालों को पीट डालते है। जहां पुलिस और जनता में तालमेल न हो कही पुलिस जनता को मारती पीटती है तो कही जनता पुलिएको मारती पीटती हे, वहं पर कानून और व्यवस्था की क्या हालत होगी? उपाध्यक्ष महोदय, डिमांड नम्बर 5 एक्साईज एण्ड टैक्से ान डिपार्टमैंट की है। इस विशय में मैने पहले भी कहा है कि प्रदे ा से व्यापार दिन प्रतिदिन खत्म होता जा रहा है। मार्कीट फीस 3 प्रति ात है लेकिन नजदीक की दूसरी स्टेट्स दिल्ली और राजस्थान में मार्कीज फीस कम है इसलिए इस स्टेट का व्यापार दूसरी स्टेट्स में जा रहा है। उपाध्यक्ष महोदय, जहां तक सेल्ज टैकस के सरलीकरण का सवाल है, वह नही हुआ है। जो सैल्ज टैक्स सिस्टम है, वह तर्कसंगत नही है और टैक्स बहुत ज्यादा है। अगर सेल्ज टैक्स का रेट कम रि दिया जाए तो टैक्स की रिकवरी ज्यादा होगी और स्टेट रैवेन्यू में बढ़ौतरी हो सकती है। उपाध्यक्ष महोदय, आपके माध्यम से मै एक बात सरकार के नोटिस में लाना चाहता हूं। हमारे भाहरों के अन्दर बाजार होते है। और इन बाजारों में छोटे दुकानदार होते है, वे अपने तख्त लगाते है और म्यूनिसिपिल कमेटी उनसे टैक्स लेती है। अभी मुझे पता चला है कि 1991–92 में उनसे दस पैसे परस्केयर फुट टैक्स लिया जाता था और 1993–94 मं बढ़ाकर 40 पैसे कर स्केयर फुट चार्ज किया

जाने लगा हैं अब इस महीने मार्च के अन्दर म्यूनिसिपल कमेटी ने जो अनाउन्स किया है, वह पिछले साल के टैक्स से 50 गुणा ज्यादा है ओर 1992–93 से दो सौ गुणा ज्यादा टैक्स लेगी। उपाध्यक्ष महोदय, इसका सुधार किया जाना चाहिए औरसरकार की तरफ से म्यूनिसिपल कमेटी को आदे ा दिए जाने चाहिए कि यह टैक्स 25 प्रति ात तक बढ़ाया जा सकताहै, न कि 50 गुणा बढ़ाया जाए। क्या सरकार इसके लिए म्यूनिसिपल कमेटी को हिदायत जारी करेगी? भिवानी में यह भी कहा गया है कि 25 मार्च तक इस टैक्स की रिकवरी होनी है ओर यह आदे ा रिकवरी कमेटी के हैं यह भी कहा गया है कि जो व्यापरी इस अवधि तक यह टैक्स नही देगा, उसके खिलाफ कानूनी कार्यवाही होगी। यह ठीक नही है और न ही यह गरीब आदमी के लिए सहने योग्य हैं

अब मै डिमांड नं0 9 एजुके ान के बारे में कहना चाहता हूं। आज स्कूलों को अपग्रेड किया जाता है, उसके क्या नामर्ज है। पिछले साल भी यह बात आई थी कि हिसार में सबसे ज्यादास्कूल अपग्रेड किए गए थे। ठीक है लकिन इसके लिए कुछ नियम तो होने चाहिए। जो भी उन नियमों ंको पूरा करता है, उनको अपग्रेड किया जाए। वि ोश तौर पर से जो लड़कियों के स्कूल है, उनको अपग्रेड किया जाना चाहिए ताकि लड़कियों को पढ़ने के लिए दूर न जाना पडत्रे। इस बारे में तो मुख्य मंत्री जी ने भी कहा था कि वे इसको ध्यान मे ंरखेगें।

दूसरे उपाध्यक्ष महोदय, कई स्कूलों मं अध्यापक न होने की वजह से बच्चों को ठीक से पढ़ाई नही होती है। इसलिए यह नकल जो होती है। इसका कारण भी अध्यापकों की व्यवस्था भी करनी चाहिए मेरे हल्के में तीन कालज है। अध्यापक की बात तो छोड़ो वहां पर प्रिसीपल ही नही है। उपाध्यक्ष महोदय, जहां पर प्रिसीपल भी न हों, वहां पर ि ाक्षा का विस्तार कैसे हो सकता है। इस तरफ भी सरकार को ध्यान देना चाहिए।

उपाध्यक्ष महोदय, डिमांड नं0 11 हुड्डा के बारे में है हाउसगि कालेनिया हुड्डा डिवैल्प करती है लकिन वहां पर न तो कालोनिया बनाई गई है ओर न ही सड़के बनाई गई है। ये लोगों से बराबर किस्तें लेते रहते है लेकिन अगर कोई व्यक्ति किस्त देने में लेट हो जाए तो उससे भारी इन्ट्रैस्ट चार्ज किया जाता है। मेरा आपसे निवेदन है कि जो कालोनिया अभी तक नही बनाई गई है, उन लोगों से जो किस्तें ली जाती है। वह ठीक हिसाब से नही ली जाती है। अगर वहां पर सड़के बनाई जाती है तब तो किस्तें ले, अगर नही बनाई जाती है तो किस्ते न लें। उपाध्यक्ष महोदय, वहां पर सड़क नाम की कोई चीज नही हैं सड़कों को पता नही कौन सा डिपार्टमैंट देखता है। सड़के बनानी तो दूर रही, उनकी रिपेयर का काम भी नही हो रहा हैं उपाध्यक्ष महोदय, उनकी मुरम्मत होनी चाहिए, साथ ही जो सीवरेज है वह भी ठीक होने चाहिए।

अब सवाल इन्टस्ट्री का है। आज उद्योग लगाने क लिए बिजली की बहुत आ यकता हैं बिजली को टाप प्रायरटी देनी

चाहिए। उपाध्यक्ष महोदय, बिजली पर जमीदारों को सबसीडी दी जाती है लेकिन बिजली मिल ही नही रही, इसलिए सबसिडी का क्या फायदा? इसलिए सरकार जमींदारों को बिजली दें। इसके अतिरिक्त लोगों को अपने जैनरेटर सैट लगाने दे ताकि वे अपने उ़द्योग को ठीक से चला सके। (घंटी) उपाध्यक्ष महोदय, मैनत तो अभी कुछ भी नही कहा है उपाध्यक्ष महोदय, उद्योगों को स्टेट की बहुत जरूरत है लेकिन उद्योगों को बढ़ाया देने क`लिए एक तरफ तो बिजली नही है और दूसरी तरफ उद्योग विभाग के अधिकारी भी ठीक तरह से एजेकेटिड नही है, इसलिए इंडस्ट्री के अधिकारियों को एजेकेटिड किया जाए ताकि जो लोग उद्योग लगाना चाहे, वे अधिकारी उन लोगों को ठीक ढंग से ि ाक्षा दे सकें ठीक तरह से उनकों गाईड लाईन दे सकें। ऐसा करने से उद्योगपतियों को हौसला बढ़ेगा। न केवल बाहर के आदमियों को यहां बुलाकर उद्योग लगाने के लिए प्रोत्साहन देना चाहिए और सरकार की तरफ से सुविधाएं देनी चाहिए ताकि उद्योग को बढ़ावा मिल सकें। आज प्रांत के अन्दर अर्थव्यवस्था खराब हुई पड़ी है, अगर ठीक तरह से इन सब बातों को पालना हो तो अव य ही स्टेट का वातावरण ठीक हो सकता हैं उपाध्यक्ष महोदय, इन्ही भाब्दों के साथ मै अपनी बात खत्म करता हूं।

श्री अमर सिंह (गुहला): डिप्टी स्पीकर साहब, आपका बहुत धन्यवाद जो आपने मुझे बोलने का मौका दिया। सर, बाकी डिमांड पर तो सभी साथी बोले है लेकिन डिमांड नं0 13 पर कोई

साथी नही बोला। मै इसी डिमाड पर कहना चाहूंगा कि जो समाज कल्याण विभाग संबंधित है। सर, समाज कल्याण के लिए जो रा ि ा रखी जाती है, उसका बहुत ही मिसयूज हो रहा है। सरकार इस रा ि ा को हरिजनों का नाम दे दिया जाता है कि हम इतना पैसा हरिजनों पर खर्च करने जा रहे है लेकिन वास्तव में वह पैसा उन पर खर्च नही होता। सरकार कहती है कि वह हरिजनों के लिए बहुत अच्छा काम कर रही हैं लेकिन हरिजनों की भलाई का कोई काम नही होता, हरिजनों को कोई सुविधा नही दी जाती, हरिजनो ंके साथ भेदभाव बरता जाता हैं उपाध्यक्ष महोदय, मै आपके सामने कुछ उदाहरण रखना चाहता हूं। सी0 एम0 साहब ने विधान सभा में चर्चा करते हुए एक बात कही थी कि सरकार 30 एच0 सी0 एस0 नौमिनेट करने जा रही है लेकिन सरकार ने इन तीस एच0 सी0 एस0 की भर्ती में हरिजनों के लिए कोई कोटा नही रखा यह बड़े खेद की बात हैं उपाध्यक्ष्ज्ञ महोदय, मै आपकों बताना चाहूंगा कि 1981 में जुडी ि ज्ञयल मैजिस्ट्रेट की पोस्टस एच0 पी0 एस0 सी0 के परिव्यू से निकालकर डायरैक्टर जुडी ि ज्ञयल मैजिस्ट्रेट लिए गए थे, उस समय भी भजन लाल जी ही मुख्य मंत्री थे। मुझे पता नही कि क्यो मुख्य मंत्री जी हरिजनों से नाराज है, क्यो इन्होने एच सी एस में हरिजनों को कोटा काट दिया? उनमे एक भी हरिजन नही लिया गया। उपाध्यक्ष महोदय, चौधरी देवी लाल जी के राज्य में अच्छी अच्छी पोस्टों पर हरिजन लगाए जो थे चाहे वह डी0 जी0 पी0 को पोस्ट थी। लेकन इस सरकार में कोई भी हरिजन किसी अच्छी पोस्ट पर नही लगाया

जाता। सरकार उनके साथ बड़ा भेदभाव कर रही है। प्रमो ान की जो पौलिसी है, सरकार उसको भी पूरी तरह से लागू नही कर रही, मुझे विधान सभा का एस0 सी0 एवं एस0 टी0 कमेटी का मैम्बर बनाया गया है। मेम्बर होने के नाते से मैने देखा है कि सरकार ने किसी भी महकमें में हरिजनों को पूरी रिजर्वे ान नही दी। जब कोई टैस्ट होताहै तो हरिजनों को छोड़ दिया जाता है। मैने पिछले सै ान में सवाल भी दिया थाकि बी0–1 की पोस्टों में हमारे हरिजन लड़कों को जान–बूझकर क्यों छोड दिया गया है, कारण यही हकि सरकार नही चाहती कि हरिजनों के लड़के आगे आए उनको कुछ फायदा हो। मैने यह भी पूछा था कि हमारे हरियाणा के अन्दर जे0 बी0 टी0 अध्यापक कितने है और उनमें हरिजन कितने है जे0 बी0 टी0 की ट्रेनिग स्कूल खोलकर दे ताकि जे0 बी0 टी0 की भर्ती में हरिजनों का पिछला बैकलाग पूरा किया जाए। जो हरिजन सरकार को बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देते है उनके लिए भी सरकार चितित हो, उनके विकास के लिएभी सरकार कुछ न कुछ करे। जो हैड आफ दी डिपार्टमैंट्स रिजर्वे ान के कोटे को पूरी तरह से लागू नही करते, उनके खिलाफ कानूनी कार्यवाही हो। ऐसा बिल सरकार विधान सभा में लाए, हम उसका समर्थन करेगे। जब तक आप ऐसा नही करेगे तब तक हरिजनों को न्याय नही मिलेगा। उपाध्यक्ष महोदय, हमारी विधान सभा की एस0 सी0, एस0 टी0 कमेटी के सामने ऐसे मसले भी आए कि अम्बाला में म्यूनिसपैलिटी में स्पीपर के पांच पदों पर

सामान्य जाति के उम्मीदवारों को लगा दिया गया इससे बढ़कर सरकार हरिजनों के साथ और क्या भेदभाव करेगी?

श्री उपाध्यक्षः अमर सिंह जी, अम्बाला की जो बात आपने कही है, उससे मेरा भी ताल्लुक है। आप पटिकुलरर्जज बात दें।

श्री अमर सिंह ढांडेः उपाध्यक्ष महोदय, मै आपको पटिकुलर्ज भी दे दूंगा पाचं पोस्टे जो भरी गई है, वह स्वीपर की पोस्टे है ओरउन पर दूसरे लोग लगे हुए है। (विध्न)

श्री अमीर चन्द मक्कड़ः उपाध्यक्ष महोदय, मेरा प्यायंट आफ आर्डर हैं अभी अभी अमर सिंह जी न बोलते हुए कहा कि अम्बाला की म्यूनिसिपैलिटी में स्पीपर की पोस्ट पर दूसरे लोगों को लगाया है, यह अच्दी बात नही है। मै कहना चाहता हूं कि अगर दूसरे भाई इस काम के में आना चाहते हैं तो यह अच्छी बात है। मध्यम प्रदे ज्ञ सरकार ने भी कहा है क अगर कोई दूसराभाई सफाई का काम करना चाहे तो उसे भी उस काम में लगाया जाना चाहिए।

श्री अमर सिंह ढांडेः डिप्टी स्पीकर साहब, मै हरिजनों की प्रोमो ान के बारे में कह रहा था। (व्यवधान एवं भाोर) सर, मै डिमांड नं0 13, जो समाज कल्याण विभाग के बारे में है, पर बोल रहा हूं। डिप्टी स्पीकर सर, सरकार कहने को तो कहती है कि हम हरिजनों के लिए बहुत कुछ कर रहे है लकिन जहां ताक

प्रोमो ान पालिसी की बात है, मै एक बात कहना चाहता हूं कि हमारे चौधरी देवी लाल जी की जब पहली बार सरकार आयी तो 09.02.179 को, इन्होने हरिजनोंके लिए प्रोमो ान पालिसी बनायी थी। कहने को तो यह श्रेय कांग्रेसी नेते है लेकिन आप देखै कि यह पालिसी पहली बार किस सरकार ने बनायी थी? जब दोबार 1987–88 में चौधरी देवी लाल की सरकार आयी तो उसने सीनियोरिटी–कम–फिटनैस, प्रोमो ान की पालिसी हरिजनों के लिए लागू की। डिप्टी स्पीकर साहब, आप यह देखे क हरिजनों के लिए किसने काम किया है और किसने नही किया है? यह अब आप ही बाता दें डिप्टी स्पीकर साहब, अब यह पालिसी लागू है और हरिजनहों के लिए प्रोमो ान में भीा रिजर्वे ान लागू हैं अभी पिछलें दिनों रैवेन्यू डिपार्टमैंट में 104 आदमियों की जो डिप्टी सुप्रिन्टैंडैट्स की प्रोमी ान हुई है, उसमं केवल 10 या 12 हरिजन व्यक्तियों को यह प्रोमो ान दी गयी है आप खुद अन्दाजा लगाइए, न इसमें बैकवर्ड क्लासिज के लोगों को पूरी रिजर्वे ान दी गयी है और न ही हरिजनां केा पूरी रिजर्वे ान दी गयी है। कहने को तो यह बहुत कुछ कहते रहत`है लेकिन जहां तक रिजर्वे ान दी गयी है। कहने को तो यह बहुत कुछ कहते हरते है लेकिन जहां तक रिजर्वे ान–इन–प्रोमो ान का ताल्लुक है, उसको भी पूरी तरह से यह लागू नही कर सकते है। हरिजनों के साथ कितना भेदभाव यह सरकार कर रही है, यह आप खुद ही अन्दाजा लगा लें?

अब मै अपने हल्के के बारे में भी कुछ कहना चाहूंगा। मेरे साथियों ने अपने अपने हल्कों की दिक्कतों के बारे में बताया है। जो लेाग सरकार में बैठे है, जब उनके हल्कों में ही बड़ी भारी कमियां है तो विपक्ष के आदमियों के हल्कों में तो बिल्कुल ही काम नही होते होगे। मै तो विपक्ष का अदमी हूं, इसलिए मेरे हल्के में किसी काम के होने का तो सवाल ही नही उठता। इससे कितने दिक्कतें वहां के लोगों को होती होगी, इसका आप भली भाति अंदाजा लगा सकते है? मेरा हल्का गुहला–चीका है। वहां पर पिछली बार जब फल्ड आया था तो सबसे ज्यादा इसको मार पड़ी थी। फसलें तबाह हो गयी, सड़कें भी काफी टूट–फूट गयी। लेकिन उन टूटी हुई सड़कां की तरफ कोई ध्यान देना चाहिए था। मै दावे के साथ कह सकता हूं कि कैथल जिला के गुहला चीका हल्के के अन्दर एक नया पैसा भी सड़कों की मुरम्मत पर खर्च नही किया गया और न ही इसके लिए कोई पैसा दिया गया। आज उन सड़कों की इतनी बुरी हालत है कि पैदल चलना भी मु ाकल है मै, चूंकि अपोजी ान में हूं। इसलिए वहां पर कोई काम नही हो रहे हैं जबकि बिना भेदभाव के सब जगह पर काम होने चाहिए।

जहां तक ि ाक्षा की बात है, मेरे हल्के में ि ाक्षा का बुरा हाल है। वहां पर चीका और भागल में 10 जमा दो के स्कूल खोले गए थे जिनकी मंजूरी चौधरी देवी लाल जी की सरकार ने दी थी। उन दोनों स्कूलों को तोड़ कर, एक छोटे से गांव के

स्कूल को अपग्रेड कर दियागया। वह गांव चूंकि वहां के पूर्व विधायक का है, जिसका नाम कागथली। उस गांव के स्कूल को 10 जमा 2 तक अपग्रेड कर दिया गया। एजूके ान का इतना बुरा हाल है जिसकी कोई हद नही। हमारा हल्का पंजाब के साथ लगता है। उस एरिया में जितनी भी स्कूल्ज है, उनमें अध्यापक ही नही है और जहां है, वहां बहुत ही कम है। सारे स्कूल अध्यापकों ही है और मिडल स्कूल में तो काई एक या दो अध्यापक होते है। आज हमारे हल्के के साथ भेदभाव किया जा रहा है, ऐसा नही होना चाहिए। केवल इस बिना पर भेदभाव नही किया जाना चाहिए कि वह एक विपक्ष के विधायक का हल्का हैं हम भाुरू से ही चोधरी देवी लाल जी के साथ रहे है। मै सरकार से कहना चाहता हूं कि जो ठीक बात है, वह इसे करनी चाहिए। ऐजुके ान के मामले में चीका व भगल में क्या कमी है, उसकसे 10 जमा 2 तक क्यो अपग्रेड नही किया जा सकता? वह आपकी हर भार्त पूरी करताहैं वहां पर बिल्डिग पूरी है, जमीन पूरी है, फिर सरकार 10 जमा 2 को स्कूल क्यो नही खोलती? मेरा कहना यह है कि इसके अन्दर करीब एक महीना पहले गड़बड़ हुई थी, भाायद उसकस आप सबों पता होगा। वहां के पूर्व कांग्रेसी विधायक के भतीजे और लड़के ने, कालेज के एक लड़के के साथ इतनी मार–पीट की और पेट में चाकू मारा। वह लड़का आज भी हास्पिटल में पड़ा हैं कालेज के प्रिसिपल ने उन लड़कों को कालेज से एक्सपैल कर दिया। वहां का पूर्व विधायक आज भी इस इ ू पर कालेज के

प्रिसिपल पर प्रै ार डाल रहा है कि उन लड़कों को, जिनको एक्सपैल कर दिया गया था, दोबारा एडमिट किया जाए।

जहां तक नहरों ओर माईनजों का संबंध है।, मेरे हल्के में दो माईनर्ज पड़ती है। आज तक उनके अन्दर कोई काम नही हुआ है। उनकी कभी भी गांद वगैरह नही निकाली गई। उपाध्यक्ष महोदय, पानी की हालतय यह है क आज तक टेल पर पानी नही पहुंचा है। मेरे एरिया जीरी काएरिया है। अगर वहां पर पूरा पानी न मिले तो जीरी की फसल को काफी नुकसान होता है। मेरे हल्के में बिजली की भी काफी कमी है बिजली की हालत यह है कि दो घंटे बिजली मिलती है। कनक की फसल तैयार है ओर उसे पानी की जरूरत है लेकिन बिजली की कमी की वजह से लोग अपने टयूबवैल्ज नही चला सकते। आगे जीरी की फसल आन`वाली है, उसका सीजन कुछसमय बाद आ रहा है। अगर वहां पर पूरी बिजली नही दी गई तो जीरी की फैसल की बुआई काफी नुकसान हो जाएगा।

उपाध्यक्ष महोदय, अब मै पंचायती के बारे में कहना चाहता हू कि मेरे हल्के मे पंचायत की जमीन का एक बहुत बड़ा घपला हुआ था और उसके बारे में आपने अखबारों में भी पढ़ा होगा। पंचायत की जमीन पर एक पूर्व सरपंच ने कब्जा कर लिया है। यह कब्जा उसने अफसरों की मिलीभगत से किया था। वह चालीस एकड़ जमीन थी लेकन सरकार ने उसकस कब्जा छुड़ाने के लिए कुछ भी नही किया। जो अब पंचायत बनी, उसने उस

जमीन से उस सरपंच को बेदखल करने का केस तैयार किया लेकिन कुछ भी नही हो रहाहै। जिस अफसरों की मिलीभगत से उस पूर्व सरपंज नं पंचायत की जमीन पर कब्जा किय, उन अफसरों के खिलाफ भी सरकार ने कोई ऐक ान नही लिया है।

उपाध्यक्ष महोदय, अब मै जंगलात क बारे में कहना चाहता हूं कि बिलासपुर में जंगलात को नाजायज तौर पर काट लिय गया। आदरणीय ओम प्रका ा चौटाला के एक प्र न के उत्तर में मुख्य मंत्री जी ने कहां कि वे सरकारी पेड़ नही थे। उपाध्यक्ष महोदय, मै सदन को बताना चाहता हूं कि सोलह हजार सरकारी पेड़ नही थे। जिनको काटा गया थ। एक प्र न के उततर में बताया गया कि वे सरकारी पेड़ नही थे। उपाध्यक्ष महोदय, हितने ताज्जुब की बात है कि पच्चीस सौ पेड़ काटने का ठेका दिया गया। लकिन उस ठेके दार ने सरकार की मिली भगत से 25 हजार पेड़ काट लिए। उसके खिलाफ कोई ऐक ान नही लिया गय। एक तरफ तो सरकार वन लगा रही है और दूसरी तरफ सरकार के मंत्री घपला कर रह `है। लकिन काई ऐक ान नही लिया जा रहा है। डिप्टी स्पीकर साहब, मै आपनी बात का दुबारा दोहराना चाहता हूं कि यह सरकार हरिजनों और बैकवर्ड क्लास के लोगों के सहारे चल रही है लेकिन उनकी भलाई का कोई काम नही कर रही है। अगर सरकार उनकी भलाई के लिए कोई पग नही उठाएगी तो उन लोगों कोकैसे भला हा सकता है?

श्री उपाध्यक्षः अमर सिंह जी, अब आप खत्म करें।

श्री अमर सिंह ढांडेः सर, सरकार को चाहिए कि हरिजनों को जो हक है, चाहे वह मुलाजमत में है या आम आदमी है, वह उनको मिलना चाहिए। अच्छा जी, अब मै खत्म करता हूं। धन्यवाद।

श्री उपाध्यक्षः अब श्रीमती चन्द्रावती जी बोलेगी।

चौधरी ओम प्रका ा बेरीः उपाध्यक्ष महोदय, मुझे न तो गवर्नर ऐड्रैस पर टाईम दिया गया और न ही बजट पर दिया जा रहा है। मैने एक कट मो ान भी दिया हुआ है। ऐसी क्या बात हो गई तजो मुझे टाईम ही नही दिया जा रहा है? मुझे टाईम मिलना ही चाहिए। बोलने का मेरेा कांस्टीटयू ानल राईट हैं यहां पर एक एक आदमी को आधा–आधा घंटा टाईम दिया जा रहा है लेकिन मुझे नही दिया जा रहा है। ऐसी क्या बात है?

चौधरी जगदी ा नेहराः उपाध्यक्ष महोदय, इन डिमाण्डज पर बोलने के लिए जो टोटल टाई स्पीकर साहब, ने अलाट किया है, उसके हिसाबर से जितना जिसके हिस्से में आता है, आप उतना समय दे दे। ओम प्रका ा जी के हिस्से में अगर एक मिनट आता है तो एक मिनट दे दें और अगर नही आता है तो न दें। आप जानते है कि हमारे पैसठ मैम्बर है और इनमें से केवली दो मैम्बर बोले है। मेरी आपसे प्रार्थना है कि हमारे मैम्बर्ज को पूरा समय दिया जाए।

श्रीमती चन्द्रावती (लोहारू): डिप्टी स्पीकर साहब, समय देने के लिए आपका धन्यवाद। मैं डिमांड पर बोलना चाहती हूं। इन डिमांड में इरिगे ान की डिमांड तो है लेकिन पावर की डिमांड नही है। क्या पावर का अलग से बजट है? मेरे ख्याल से पावर की डिमांड भी होनी चाहिए थी।

डिप्टी स्पीकर साहब, अब मै कोआप्रेटिव की डिमांड के बारे में कहना चाहती हूं। मै इस बारे में कुछ सुझाव भी देना चाहूंगी। उपाध्यक्ष महोदय, जो कोआप्रेटिव सोसायटीज है, अगर ये डिफाल्टर हो जात ीहै तो कुछ लोग उन पर कब्जा कर लेत है। कुछ न उन पर कब्जा कर भी रखा है ओर वे उसी के हिसाब से रल मिल कर ठीक कर लेते है। और दूसरे किसी व्यक्ति को उसमें घुसने नही देते। ऐसे लोगों की सोसायटीज में मैम्बरि ाप नही होनी चाहिए। जिन लोगो ंने जबरदस्ती कब्जा कर रखा हैं, उनको हटाये जाने के लिए सरकार को कोई उचित कदम उठाने चाहिए।

डिप्टी स्पीकर साहब, इसके बाद मै हुड्डा के बारे में कुछ कहना चाहूंगी। हुड्डा कछेक किसानों की जमीनों को ले लेाहै लेकिन उनको उसका सही मुआवजा व आल्टरनेटिव नही दिया जाता हैं किसानों के पास उस जमीन के सिवाये खाने पीने का कोई दूसरा साधन नही होता ओरकोई दूसरा काम धन्धा भी उनके पास नही होता जिसके सहारे लोग अपना जीवन निर्वाह कर सकें। इसलिए मै आपके द्वारा सरकार से कहूंगी कि जिन लोगो की सरकार जमीन लेती है, उन को सरकार को नौकरिया देनी

चाहिए या कोई दूसरा आल्टरनेटिव सरकार को देना चाहिए ताकि वे लोग, जिनकी जमीन हुड्डा ले लेता है, उसके पास जीवन निर्वाह करने के पक्के साधन हो। पैसा जो सरकार देती है, वह तो एक किस्म का कंपन्से ान हेाता है और वह पैसा खत्म भी हो सकता है। अगर सरकार कोई ऐसा साधन ऐसे लोगों को जुटाये जिससे उनका परिवार का गुजारा परमानैंट होता हरे, तो बड़ी अच्छी बात हैं उपाध्यक्ष महोदय, अपनी रोजी रोटी कमाना, उनके फण्डामैन्टल राईट्स में आता है। इसलिए सरकार इस तरफ ध्यान दें। यह नही होना चहिए कि लोगों कोसारी की सारी जमीन ले ली जाए ओर उनलको उसका कोई आल्टरनेटिव न दिया जाए। इसमें कुछ अफसरों का इंटैस्ट भी होता है। इसलिए सरकार ऐसे किसानों को, जिनकी जमीनें ले ली जाती है, उनको आल्टरनेटिव जौब प्रदान करें।

दूसरी बात मै सिविल सप्लाई के बारे में कहना चाहती हूं। इस बार तो भगवान की कृपा से सभी जगहों पर बारि ा के कारण फसल काफी अच्छी हो गई हैं पिछली दफा फसल अच्छी नही थी। उपाध्यक्ष महोदय, हमारी सरकारी डिपोज पर रा ान का 20 किलो गेहूं एक परिवार को दिया जाता है। वह सफी ीऐन्ट नही हैं इससे एक परिवार का काम नही चल सकतौ सरकार को ज्यादा मिकदार में गेहूं मुहैया कराना चाएि। इसी तरह से दूसरी चीजों की सप्लाई जैसे चीनी, चावल वगैरह व दूसर जितनी जरूरी चीजें डिपोज में मिलनी चहिए, उनकी सप्लाई में वृद्धि होनी चाहिए

और सभी को सारी चीजें सरकारी डिपोज पर अवेलेबल होनी चााहिए।

इससे आगे मै पैट्रोल पम्पो ंक गारे में कहूंगी। मैने हपले भी एक बार इस बात का जिकर किया था कि पैट्रोल पम्पों के ऊपर डीजल में मिट्टी का तेल मिलाकर बेचा जाता है। जिससे किसानों के ट्रैक्टर्ज, सरकारी जीपों को, व बसों को काफी नुक्सान होता हैं मिट्टी का तेल मिलाअगर अगर तेल बेचा जाएगा तो इंजनो ंका भट्ठा बैठ जाएगा। डीजल और मिट्टी के तेल की कीमतों में काफी फर्क है। जिस कारण से भाायद यह हेरा फेरी होती है। या तो सरकार इनकी कीमतों को एक कर दे ताकि अडल्ट्रे ान कम हो सके। नही तो इस ओर सरकार वि ोश ध्यान दे। इससे गरीब किसानों के ट्रैक्टर्ज को काफी नुक्सान पहुंच सकता है। जो लोग ऐसे कामों में सलग्न है, उनको अपराधियों श्रेणी में गिना जाना चाहिए। इसका सरकार को जल्दी ही कोठ॒न कोई इलाज करना चाहिए। मेरे नोटिस देने के बाद कई जगहों पर छापे भी पड़े है लेकिन यह सफी ीएेन्ट नही है। डीजल मे मिलावट करके जो पैट्रोल पम्प वाले बेचते है, उससे जनता को काफी नुक्सान होता है। किसान इससे काफी दुखी है। मै तो यह कहूंगी कि जो विभागीय अधिकारी होते है, उनसे मिलकर ही यह सब कुद होता है। मै सुझाव दूंगी कि जो ईमादार अफसर हे, उनको ऐसे लोगों को ऊपर चैक होनी चहिए ताकि वे इस तरह का गल्त काम न करे सके।

उपाध्यक्ष महोदय, उससे अपली बात मै बिजली से सम्बन्धित कहना चाहती हूं। मैने पहले भी अर्ज किया था कि लौहारू के अन्दर 33 के0 वी0 का सब स्टे ान लगा हुआ है, उसकसे 66 के0 वी0 कर दिया जाना चाहिए। इसी तरह से बहल का, डिकोवा का है। नकी पुर का एक दफा फाउंडे ान स्टोन सरकार की तरफ से रखा गया है। मेरी प्रार्थना है कि सरकार वहां का काम जल्दी करवाये। इसी तरह से भोवड़ा व बादड़ा जो मेरे हल्के में आते है। मेरी कांस्टीचुऐन्सी तीन जिलों से मिली हुई हैं ओर भादडत्रा महेन्द्रगढ़ जिला में पड़ता है। मेरी गुजारि ा है कि इन सभी सब स्टे ान पर जल्दी ही काम पूरा करवा दिया जाए ताकि लोगों को सही मिकदार में बिजली मिल कसे ओर बिजील का सही डिस्ट्रीब्यू ान हो सके। दूसरे डिप्टी स्पीकर साहब, बिजली के मामले में कुछ सुधार जरूर हुआ है, इतना ही सुधार ओर होना चाहिए। यह सुधार तभी हो सकता है जब ज्यादा थर्मल या हाइडल पावर प्लांटस लगाए जाएंगे। आपको पता है कि रोजाना नई नई इंडस्ट्रीज लगती है। बिजली के बिना उनको भी मु ाकल होती हैं आज मुझ जगाधरी के कुछ लोग मिले थे जगाधरी, फरीदाबाद या सोनीपत जेसे जगहों में छोटी छोटी इंडस्ट्रीज लगी हुई हैं वे लोगों को भी रोजगार देती है ओर अपना रोजगार भी चलाती है। आपको पता है कि जमीन अब इतनी नही रही है। कुछ जमीन पर लोग बस जाएंगे, कुछ सड़के वगैरह बनाने में आ गई इसलिए लोगों को काम देने के लिए केवल इंडस्ट्री ही है।, इसके लिए सरकार को ज्यादा से ज्यादा

मौका देना चाहिए। हमारी लोहारू के लोगों की काफी समय से मांग है कि वहं पर एक पोलेटैकनिक हेाना चाहिए। इसी तरह से दादरी की एजूके न सोसाइटी ने रिप्रजैटे ान दिया है कि उनको फारमेसी कालेज खोलने की इजाजत मिलनी चहिए। इसी तरह से हस्पतालों की हालत है। लोहारू और दादरी के हस्पतालों को मुझे पता है, उनकी बहुत अच्दी हालत नही हैं वहां पर ज्यादा डाक्टर्ज की जरूरत है ओर दवाईयों तो न के बराबर है। मेरी आपके द्वारा सरकार से अपील है कि जो जरूरी दवाईया गरीब आदमी के लिए चाहिए, कम से कम वे तो होंनी चाहिए। आपको मालूम है कि गांवा के हस्पतालों में तो गरीब आदमी ही जाते हैं इसलिए वहां पर ज्यादा डाक्टर भी भेजे जाएं और दवाईयों भी दी जाए।। कई डाक्टर ऐसे है जो गांव मे ंनही जाना चाहते, इसलिए सरकार को इस बारे में भी ध्यान देना चाहिए। यही हालत स्कूलों की है। जो स्कूल भाहरों में है, वे तो स्टाफ के साथ ओवर क्राउडिड हो जाते हैं और गांवों में पोस्टे खाली पड़ी रहती हैं हामरे यहां बिसलवास में कई सालों से हैडमास्टर नही है। यही हाल खरखड़ी ओर मंडोलजी कला का हैं बच्चे स्कूलों में नकल क्यों करते है क्योंकि अध्यापका उनको नही पढ़ाते? यह तो वह बात हुई कि लौहा खोटा लोहार भी खोटा। लोहारू में एक डाक्टर है जो ड्रगिस्त है। मैने विभाग वालों को कहा कि इसको ऐसी जगह लगाओं जहां जिम्मेदारी नह हो, वरना इसका पैन ान देकर घर भेज दो। ऐसे आदमियों को ऐसी जगह पर लगाया जाए जहां डक्टरों की तादाद ज्यादा हो। जहां पर डाक्टर की एक ही पोस्ट हो, ऐसी जगह पर

ऐसे लोगों को न लगाया जाए। डिप्टी स्पीकर साहब, मै आपकी बहुत बहुत भाुक्रगुजार हूं जो आपने मुझे टाईम दिया।

चौधरी औम प्रका ा (बेरी): उपाध्यक्ष होदय, आपका बहुत बहुत धन्यवाद कि आपने मुझे आखिर टाईम दे ही दिया। मै डिमांड नं0 11, 15 और 17 पर बोलूंगा। मै सबसे पहले इरीगे ान के बारे में कहना चाहूंगा। आज हरियाणा प्रदे ा की 70 प्रति ात जनता कृशि पर आधारित है ओर कृशि के लिए इरीगे ान वाटर की जरूरत है नहरी पानी के बारे में मै कहना चाहता हूं कि पिछले 17 साल से हरियाणा प्रदे ा के अन्दर.....

श्री उपाध्यक्षः बेरी साहब, आप एक मिनट के लिए बैठे। जिन मैंबर साहेबान ने बोलने के लिए अपने नाम दिए हुए है, मेहरबानी करके अनीज सीट पर रहे वरना उनका नाम कट जाएगा।

चौधरी ओम प्रका ा बेरीः उपाध्यक्ष महोदय, हरियाणा प्रदे ा में जहां तक सिचाई के लिए पानी का ताल्लुक है, उसमें बहुत बडा भेदभाव जमुना सिस्टम के एरिया के साथ किया जा रहा है। उस एरिया के साथ ज्यादा भेदभाव हो रहा हैं एस्टिमेंट्स कमेटी का चेयरमैन होने के नतो मैने पिछले साल 1992–93 में उन कमेटी की 25वी रिपोर्ट हाउस के सामने पे ाकी थी। उस रिपोर्ट में यह साफ तौर पर द र्ाया गया था कि हरियाणा प्रदे ा में रावी ब्यास का 18 लाख एकड फीट पानी आ रहा हैं

गुडगांव और भिवानी जिलों का हक है ंलेकिन वह पानी उन जिलों को न देते हुए वह पानी हिसार जिले के हांसी उपमण्डल को छोड़ कर, बाकी सभी उपमंडलों को, पूरस सिरसा जिला, कैथल जिला ओर जींद जिले के नरवाना क्षेत्र को अनअथोराइज्ड–वे से दिया जा रहा हैं यह पानी पिछले 17 साल से भाखड़ा मुख्य नहर में डाल कर हरियाणा प्रदे ा में लाया जा रहा है। जब इस बारे में सवाल उठाया गया तो कह दिया गया कि नरवाना ब्रांच की इतनी कैपेसिटी नही है जिससे इस पानी को लाया जा सके। इस बारे में मै सरकार को सुझाव दूंगा जिससे इस पानी को लाया जा सके। इस बारे में मै सरकार को सुझाव दूंगा जिसके एरिए जमना सिस्टम में पानी पहुंचाया जाए ताकि जिन इलाकों को वह पानी है, उनको वह पानी दिया जा सकें। एक तो नरवाना ब्रांच के किनारों को तीन तीन फुट ऊंचा किया जाए ओर नरधाना ब्रांच की छटाई करवाई जाए। यह काम केवल 50 किलोमीटर पंजाब के क्षेत्र में केवल 3 महीने में किया जा सकता है। नरवाना ब्रांच की आज तक डीसिल्टिं नही करवाई गई, वह बिल्कुल अंटी पडत्री है। नरवाना ब्रांच की 4029 क्यूसिक्स की कैपेसिटी थी, वह आज घट गई है। उसकी तरफ आत तक ध्यान नही दियागया। मै साफ तौर से कहना चाहता हूं कि हरियाणा प्रदे ा में पोलीटिकल आधार पर दक्षिणी हरियाणा के साथ पिछले 17 साल से सिंचाई पानी के बारे में भेदभाव होता रहा है। जिस जिले का मुख्य मंत्री बना, उसने उसी जिले के बारे में सोचा, दूसरे जिलों के बारे मे ंनही सोचा। (ाोर)

सिचाई मंत्री (चौधरी जगदी ा नेहरा): डिप्टी स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है। डिप्टी स्पीकर साहब, यह बात बार–बार चौधरी ओम प्रका ा बेरी ने प्रैस में भी कही है। मै इनको बताना चाहता हूं कि दक्षिणी हरियाणा के साथ सिंचाई के पानी के बारे में कतई भेदभाव नही है और वह क्यों नही है? वह इसलिए नही है क्योंकि जो सिस्टम पिछला चला आ रहा है वह इनके जो बड़े भाई श्री भोर सिह इरीगे ान मिनिस्टर थे, के समय से ही चला आरहा है। वे ज्वायंट पंजाब में भी रहे, उन्होने जो पानी तकसीम किया, उसे हिसाब से सभी जगहों पर पानी दिया जा रहा है। उस सिस्टम को बनाने में चौधरी रिजक राम और लहरी सिंह भी रहे हैं जो भाखड़ा और जमना नपदी के पानी को सिस्टम है, वह उसी हिसब से चल रहा है। उस सिस्टम को किसी भी सरकार ने नही बदला। मै उस सिस्टम को चौधरी भजनल लाल की सरकार ने बदला, किसी भी सरकार ने नही बदला। इन्होनें तो इस तरह से बात क करके यह मुद्दा उठाना है। डिप्टी स्पीकर साहब, डब्ल्यू0 जे0 सी0 की जो कैपेसिटी है, उसमें पानी कम आत है। उसका रीजन है और वह यह है कि भाखड़ा नहर में जो पानी है, वह स्टोर कर लिया जता है ओर लीन सीजन में, सदियों के टाईम में वह पानी लिता रहताहै। जो भाखड़ा का पानी है वह स्टोर हुआ हुआ है और उसकसे जब पानी की कमी होती है, तब उसकसे छोड़ा जाता है ओर लीन सीजन में यह पानी भाखड़ा के एरिया में सप्लाई हाता है इसलिए यह कहना कि दक्षिणी हरियाणा के साथ भेद भाद होता है, यह गल्त बात हैं

इसके अलावा जब तक जमना के बारे में कोई समझौता नही हाता, तब तक उसकस पानी स्ओर नही होगा। माननीय सदस्य द्वारा ऐसी बातें केवल पोलिटिकल गेन लेने के लिए कही जाती है, और इनका कोई मकसद नही है।

चौधरी ओम प्रका ा बेरीः उपाध्यक्ष महोदय, यह कोई प्वायंट आफ आर्डर नही हैं ये अपनी बात अपने जवाग में कह सकते है। मंत्री जी ने जो बात कही है उससे मै डिमोरेलाइज होने वाला नही हूं। दक्षिणी हरियाणा के साि जो सिंचाई पानी के बारे में भेदभाव हुआ है, चाहे वह किसी कारण से हुआ, वह दूर होना चाहिए। वह भोर सिंह की वजह से हुआ, चाहे रिजक राम ओर लहरी सिह कीवजह से हुआ, आज आप सत्ता में है आपको यह डिस्क्रिमिने ान दूर करनी चाहिए। मंत्री जी जान बूझकर हाउस को गुमराहकर रहे है।पोलिटिकल आधार पर दक्षिणी हरियाणा सरकार के साथ सिचंाई के पानी के बारे में पिछले 17 साल से भेदभाव किया जा रहाहै। ओर इस भेदभाव में चौधरी भोर सिंह, चौधरी लहरी सिंह आदि का कोई हाथ नही है। उपाध्यक्ष महोदय मै सुझाव दे रहा था थ्का एक तो नरवाना ब्रांच की छंटाई करवाई जाए। उसके किनारों को तीन तीन फुट ऊंचा किय जाए। दूसरा इनका यह कहना कि इसमें 18 लाख एकड़ फुट पानी नही समा सकता तो इस बारे में मरी परपोजलन यह है कि बरवाला लिक कैनाल को, जिसमे ंभाखड़ा का पानी लगता है, उसकसे पेटवाड़ डिस्ट्रीब्यूटरी से अगर जोड़ दे, जिस की लम्बाई 30 कि0 मी0 है,

इससे सिवायनी कैनाल का कमांड एरिया ओर हांसी सब डिवीजन में भाखड़ा का पानी मिल सकता है। और इस तरह से पूरा 18 लाख एकड़ फुट पानी जो हमारा हक है, वह इन इलाकों को दिया जा सयकता हैं इसके अलावा, मै सदन की जानकारी के लिए बताना चाहता हूं कि पानी की वजह से इनकी 22 दिन नहरें महीने से चलती है। यानी हिसार सिरसा जो इनके इलाके में तो एक महीने में 22 दिन लहरें चलती हजबकि रोहतक और सोनीपत में ऐ महीने में एक सप्ताह नहरें चलती है ओर भिवानी में एक माह में साढ़े तीन दिन नहरी पानी वहां के लोगों ो मिलता है। इसके अलावा, गुडगांव फरीदाबाद में तो इस पानी को ले जाने के लिए नहरों के निर्माण की बात तो छोड़िए नहरों के निर्माण के बारे में सोचा तक नही गया। इता ब्रेजन डिस्क्रिमिने ान है। इसके अलावा, मै आंकड़े देकर बताना चाहता हूं कि हमारे यहां नहरी पानी पहुंचाने के लिए हरियाणा प्रदे ा में दो मुख्य सिस्टम हैं एक तो यमुना सिस्टम और दूसरा भाखड़ा सिस्टम है। एक तो यमुना सिस्टम और दूसरा भाखड़ा सिस्टम। यमुना सिस्टम के बारे में बताना चाहता हूं कि यमुना का कमांड एरिया 40 लाख एकड़ है, पानी उसके लिए 38 लाख एकड़ फुट, भाखड़ा सिस्टम में 29 लाख एकड रकबा ओर 58 लाख्स एकड़ फुट पानी इतना ब्रेजन डिसक्रिमिने ान है। इसके अलावा यमुना सिस्टम की आबादी 80 परसैअ, एयिा 70 परसैट और पानी 40 परसैट। भाखड़ा की 20 परसैट पापुले ान, 30 परसैट एरिया और 60 परसैट हरियाणा का पानी मिलता है। ए योर्ड वाटर एक साल में जो भाखड़ा सिस्टम

से मिलता है, वह है 264 दिन और यमुना सिस्टम को मिलताहै। एक साल में 96 दिन चानी 3 गुना पानी इनको अधिक मिलता है। यह हालत उन लोगों ने पानी के बारे में कर रखी है। इसके साथ साथ मै बताना चाहता हूं कि.....

चौधरी जगदी ा नेहराः यह हाउस को गुमराह कर रहे हैं यह जो आंकड़े दे रहे हैं वह गल्त हैं यह जो भाखड़ा सिस्टम है, वह 1954 का बना हुआ है और डब्ल्यू0 जे0 सी0 सैकड़ों सालों से है। मै बताना चाहता हूंकि जब भाखड़ा नही बनी थी तो उस समय उस एरिया की क्या हालत थी ओर जब भाखड़ा बन गयातो उस समय बटेज करने में क्या इनके बड़े भाई भोर सिंह का हाथ नही है?

चौधरी ओम प्रका ा बेरीः वे तो 1956 में मंत्री बने थे जबकि भाखड़ा 1954 में बनी।

चौधरी जगदी ा नेहराः ये जो आंकड़े दे रहे है, वे सही दें। डिप्टी स्पीकर साहब, मेरा आपसे अनुरोध है कि ये आंकडत्रे वह दें जो सही हों ओर सारे हाउस को गुमराह करने के लिए वही बातें दुबारा न कहें कि दक्षिणी हरियाणा के साथ अन्याया हो रहा है। दक्षिण हरियाणा की नहरे कोई नयी नही है बल्कि 40–50 साल पहले की बनी हुई है, न कि आज की। ऐसी कोई बात नही है। ये सिर्फ पोलिटिकल गेन लेने के लिए बाते कर रहे है, इनका और कोई मकसद नही है।

चौधरी ओम प्रका ा बेरीः डिप्टी स्पीकर साहब, मै हाउस की जानकारी के लिए बताना चाहता हूं कि हरियाणा में कुल पानी, जिसमे ंटयूबवैल्ज का पानी भी भामिल है, वह है 16 एम0 ए0 एफ0, जबकि हमें इससे कम से कम 2 गुना पानी चाहिए। यह पानी कहां से आयेगा, इस पानी को लाने के लिए क्या रिसोसिज हो इस बारें में हरियाणा सरकार ने सोचने की जरूरत नही समझी, क्योंकि इनके इलाके में आज हो हकूमत कर रहे है। 17—18 साल से, वही पानी के बारे में गड़बड़ कर रहे हे। इन के इलाके में पानी बहुतायत में है, इसलिए इस बारे में इन्होने नही सोच कि हमें भी पानी की जरूरत है, चाहे हमारा इलका प्सासा मर जाये, जमीन प्सायी मर जोय लेकिन इस बात की इनको कोई चिता नही हैं इस बारे में सरकार को डिस्क्रिमिने ान दूर करना चाहिए ओर पूरे हरियाणा प्रदे ा के किसानों को बराबर पानी मिलना चाहिए। इसे लिए रिसोसिज कौन से हैं कैसे इनको पानी मिल सकताहै? इसके बारे में में जो मै सुझाव दूं। अगर उन पर सरकार अमल करे तो यह समस्या दूर हो सकती है ओर सारे इलाकों का पानी मिल कसता हैं मेरा सुझाव है कि आगरा कैनाल को कंट्रोल हरियाणा सरकार को अपने हाथ में ले लेना चाहिए ओर यदि हरियाणा सरकार यह कंट्रोल अपने हाथ में नही ले सकती तो बैनिफि ारी स्टेट होने के नाते हरियाणा सरकार को चाहिए कि सैन्ट्रल सरकार के साथ मिलकर इसका कंट्रोल अपने हाथ में ले ले ताकि जितना हिस्सा गुड़गांव और फरीदाबाद जिलों को है, वह पानी उनको मिल सके। दूसरे, दादूरपुर नलवी नहर की

स्कीम काफी दिनों से धूल चाट रही है यह 1985 में मंजूर हुई थी। जैसा कि मंत्री महोदय, ने बताया कि जब यह मंजूर हुई थी तो उस वक्त से इसका खर्च बढ़कर 5 गुना हो गयाहै मै चाहता हूं कि इस नहर को बनाने पर अमल किया जाए ताकि कम से कम 3–4 जिलों को फायदाहो सके ओर उनको नहीरी पानी सिंचाई के िलए मिल सके। उपाध्यक्ष महोदय, इसके अलावा मै बातना चाहता हूं कि यमुना पर किसाऊ डैम के बारेम ें एक स्कीम थी। सैट्रल गवर्नमैंट से बात करके जल्दी से जल्दी यह बांध बने, रिजरवायर हो ताकि पानी किसान को मिल सके और खेतों की प्यास बुझ सके। उपाध्यक्ष महोदय, इसी तरह से हम दिल्ली को पीने का पानी दे रहे है। क्या दिल्ली को पीने का पानी उपलब्ध करवाने की जिम्मेदारी केवल हरियाणा सरकार की है? यह बात ठीक है कि दिल्ली को पीने का पानी उपलब्ध करवाना सबका फर्ज बनता है लकिन इसका यह मतलब नही कि हरियाणा जैसी छोटी सी स्टेट अकेले ही उसको पानी की जरूरत को पूरा करें। यमुना के पानी में दिल्ली का कोई भोयर नही है। रावी ब्यास में से 2 लाख एकड़ फुट पानी उसके हिस्से का है। इस बारे में केन्द्र सरकार से बात करके दूसीर स्टेट्स को भी दिल्ली को पानी उपलबध करवाने के लिए हिस्सेदार बनाया जाए। यू0 पी0 भी दिल्ली की एडज्वायनिग स्टेट है ओर काफी मिकदार में उसके पास पानी अवेलेबर है। इसलिए वह भी दिल्ली को पीने का पानी उपलब्ध करवाने में हिस्सा दें। उपाध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही मै यह कहना चाहता हूं ताजेवाला हैड वर्क्स 100 साल से ज्यादा

पुरान हो चुका है हथनी कुण्ड बैराज की स्कीम के बारे केन्द्र सरकार से जल्दी से जल्दी बात करके इस स्कीम को अमली जामा पहनाया जाना चाहिए ताकि सारी स्टेट को हम ठीक ढंग से सिचाई के लिए पानी दे सके।। हरिके–हैडवर्क्स के बारे में मै एक कहना चाहता हूं। फिरोजपुर में सतलुल के बेड़े से पानी यूज करता है। यह पानी पंजाब से हाता हुआ, पाकिस्तान से हाता हुआ समुद्र में जा गिरताहै आरे वेस्ट जा रहा हैं इस बारेमें में मेरी परपोजल है। इस बारे इस स्कीम भी भाायद बनी थी। इस पानी हो हम राजस्थान कैनाल में डल दें ओर यह पानी राजस्थान को दे दिया जाए। जितना पानी राजस्थान को दें उतना पानी हम हरियाणा के लिए ले लें तो हरियाणा को उस पानी से लाभ हो सकता है। (विध्न)

श्री उपाध्यक्षः बेरी साहब, आप वाइंड आप करिए। आपको टाईम आप हो चुका है। (विध्न) आप अपनी बात सिर्फ 2 मिनट में समाप्त करें। (विध्न)

चौधरी ओम प्रका ा बेरीः उपाध्यक्ष महोदय, मै जयादा टाईम नही लूंगा सिर्फ 5–7 मिनट में अपनी बात समाप्त कर दूंगा। मै तो 5–7 मिनट ही बोला हूं, ज्यादा टाईम तो इरिगे ान मिनिस्टर साहब नपे ही ले लिया। (विध्न) उपाध्यक्ष महोदय, नहरों की हालत बहुत बुरी हैं अब तै डी–सिल्टिंग के बारे मैं कहना चाहता हूं। हमारे इलाके में झज्जर सब–ब्रांच बहुत बड़ी नही है, उसकी कैपेसिटी 900 क्यूसिक पानी की है परन्तु इस समय उस

की क्षमता केवल 450 क्यूसिक पानी की रह गयी है ंवहां पर मंत्री जी भी एग थे ओर देख कर आए थे। मेरा सुझाव है कि भीघ्र इस नहर की छटाई करवाई जाए ओर लाईनिग करवाई जाए ताकि पानी टेल तक पहुंच सकें। उपाध्यक्ष महोदय, एक और प्रॉब्लम भी है। जे0एल0एन0 के साथ साथ जे0एस0वी0 भी पैरलल चलती हैं सीपेज की प्रॉब्लम बहुत भारी प्रॉब्लम है। जे0 एल0एन0 के साथ डिच ड्रैन की स्कीम मंजूर की गई थी। उपाध्यक्ष महोदय, केवल स्कीम मंजूर करने का कोई फायदा नही है बजट एलोके ान होनी चाहिएताकि काम हो सके। जे0 एल0 एन0 के साथ जे0 एस0 वी0 भी पैरलल बहती है। दोनों तरफ से डिच ड्रैम बनेगी, तब जा कर वाटर लैगिग की प्रॉब्लम हमल हो सकेगी। हमारे अकेले जिले का 40 हजार एकड़ का रकबा सीपेज की वजह से खराब हो चुका है। इसकी तरफ भी ध्यान दिया जाना चाहिए। उपाध्यक्ष महोदय, गजब की बात यह है कि जिन लोगों के खेत 15–16 साल वाटर लौगिग की वजह से खराब हो गए है ओर एक दाना भी पैदा नही होता, उनसे आबियाना वसूल किया जा रहा है। अगर यह बात गलत हो तो बे ाक हाउस की कमेटी बना दी जाए जो इस बात का पता करे लें। उन किसानों से आबियाना वसूल नही होना चाहिए बल्कि उनको मुआवजा दिया जाना चाहिए। उपाध्यक्ष महोदय, इसी ढंग से मै एक बात एस0 वाई0 एल0 नहर के बारे में कहनाचाहता हूं। पिछले ढाई–तीन साल से जब से मुख्य मंत्री जी प्रदे ा के मुख्य मंत्री बने है, रोज ब्यान दे देते है कि एस0 वाई0 एल0 कैनाल एक वर्श में बन जाएगी। मै जानना चाहता हूं कि वह साल किस

तारीख से भाुरू होगा ओर कौनसी तारीका को खत्म होगा और उस साल के कितने दिन होगे? ताकि हरियाणा की जनता इस गुमराही से तो बच जाए। उपाध्यक्ष महोदय, कभी मुख्य मंत्री जी को कुछ ब्यान आ जाताहै ओर कभी कुछ और, रोज ये तरह तरह के ब्यान दे देते है ओर बेअन्त सिंह का कुछ और ब्यान आ जाता है। (घण्टी) उपाध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि इस बारे में हरियाणा भवेत–पत्र जारी करे ताकि हरियाणा की जनता को पता लग जाए कि यह नहर बनाने की हरियाणा सरकार की मं ाा भी है या नही। एस0 वाई0 एल0 कैनाल की कन्स्ट्रक ान के बारे में हरियाणा सरकार को इन–डिफरैट एटीच्यूड हैं अगर यह नहर बन गई तो फिर रावी–व्यास का पानी भाखड़ा कैनाल में डालने की जरूरत नही होगी, वहां से सीधे उसमें डा कर यमुना से जा मिलेगा और उस पानी की ये लोग चोरी नही सकेगे। यह नहर बनाने का हरियाणा सरकार को कोई इन्ट्रैस्ट नही हैं (विध्न)

श्री उपाध्यक्षः बेरी साहब, आपका समय खत्म हो गया है, अब आप बैठे।

चौधरी ओम प्रका ा बेरीः डिप्टी स्पीकर साहब, मै दो मिनिट एग्रीकल्चर के बारे में लेना चाहता हूं। एग्रीकल्चर के बारे मे मेनैन कट मो ान भी दिया था वाटर की परोपर मैनेजमैंट के लिए सरकार काफी जोर देती है। है सप्रिकल सैट्स के द्वारा सिंचाई करने से पानी को काफी बचत होती है। हमारे प्रदे ज्ञ के

अन्दर सप्रिकलर सैट्स पर सेल्ज टैक्स है, जबकि एडज्वायनिग स्टेट्स में कोई सेल्ज टैक्स नही है उपाध्यक्ष महोदय, खासकर दक्षिणी हरियाणा में आबपा ाी के लिए यह सबसे बेहतरीन साधन हैं मै सरकारसे निवेदन करना चाहूंगा कि जिस प्रकार एग्रीकल्चरल इम्पलिमैट्स को सेल्ज टैक्स से एग्जैम्पट किया जाए। उपाध्यक्ष महोदय, करनाल के अन्दर एक दुकान सरकार ने खोल रखी है वहां पर अप्रोच द्वारा पांच हजार रूपए सैम्पल ठीक रकने के लिए लिए जाते है। यह बहुत ही घटिया बात है। मै पूछता हूं कि जिलों में डिप्टी डायरैक्टर कृशि विभाग किस लिए बैठा हुआ है? किसानों को मार्केट में कृशि अधिकारियों को मिली भगत से घटिया इन्सैक्टीसाईडस तथा पैस्टीसाईडज बेचा जा रहा है।

श्री उपाध्यक्षः बेरी साहब, आपका बहुत–बहुत धन्यवाद। अब अमर सिंह धानक बोलेगे।

श्री अमर सिंह धानक (बवानी खेड़ा): उपाध्यक्ष्ज्ञ महोदय, आपने मुझे बोलने का समय दिया, इसके लिए मै आपका धन्यवाद करता हूं। मै डिमांड नं0 17 एग्रीकल्चर, डिमांड नं0 15 इरीगे ान, डिमांड नं 16 इंडस्ट्रीज, डिमांड नं0 23 ट्रांसपोर्ट, डिमांड नं0 13 सो ाल वैलफेयर, डिमांड नं0 9 एजुके ान आदि पर बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं। उपाध्यक्ष महोदय, मुख्य मंत्री जी ने और आररेबल वित्त मंत्री जी ने जो बजट सदन में रखा है, वह टैक्स रहित है। यह किसान को समृद्ध और बैकवर्ड क्लासिज ओर भाडलकास्ट को आगे लाने के लिए हैं उपाध्यक्ष महोदय, हमारा

दे ा कृशि प्रध्याान देश है। आज हगर किसान की हालत सुधर जाएगी तो यह बहुत ही अच्छा होगा। अगर किसान सुखी है तो दे ा सुखी है। ओर अगर किसान दुखी है तो सारा दे ा दुखी है। जब भी किसान की हालत खराब हुई, तो कही पर बाढ़ की वजह से, कही पर सूखे की वजह से। सरकार ने ऐसी हालत में किसानों को कई तरह की सहायता देकर बचाया। उपाध्यक्ष महोदय, मेंरी मुख्यंत्री जी ओर वित्त मंत्री से दरख्वास्त है कि अगर एग्रीकलचर, इरीगे ान और इलैक्ट्रीसीटी को बजट में ज्यादा पैसा दे दिया जाए तो हमारी स्टेट के हालत ओर अच्दे हो सकते है। वित्तमंत्री जी ने तीनों मदों पर जोर दिया है। एग्रीकल्चरका मतलब मै यह समझता हूं कि अगर किसान को जयश्रत के मुताबिक पानी मिल जाए तो वह काफी तरककी कर सकताहैं हरियाणा का किसान बहुत मेहनती है। वह कड़ाके की सदी ओर धू की परवह भी नही करता। इसलिए उसे पानी जरूरत के मुताबिक मिलना चाहिए। उपाध्यक्ष महोदउय, इस तरह से बहुत सारी बातें आती हैं इधर के विरोधीर भाई बोलकर नुक्ताचीनी तो करते है लेकिन सही सुझाव देने के लिए तैयार नही। ये लोग जब कुर्सी पर हेाते है तो एस0 वाई0 एल0 का भूल जाते है ओर कुर्सी से हटते ही उसको याद करने लगते है, आलोचना करते हैं यह एस0 वाई0 एल0 का मामला कई सालों से लटका हुआ है। आज ताऊ मुख्यमंत्री था, तब उसने भी कोई बहुत कोि ा ा नही की। अगर वे कोि ा ा करते तो बहुत पहले ही हरियाणा के खेतो में एस0 वाई0 एल0 का`पानी अया हुआ होता है क्योंकि जब वे उप

प्रधानमंत्री थे ओर उनको बेटा चीफ मिनिस्टर था, उस समय पंजाब मं उनका पगड़ी गदल भाई मुख्यमंत्री था। अगर यह प्रयास करते तो बहुत जल्दी ही हरियाणा में इसका पानी आ सकता था। डिप्टी स्पीकर सहाब, अब मै ऑन दी फलोर ऑफ दी हाउस यह कहता हूं कि मुख्यमंत्री चौधरी भजन लाल ही रावी व्यास का पानी एस0 वाई0 एल0 में ला सकते है बाकी सब देख लिए है। (विध्न)

श्री सतबीर सिंह कादयानः सर, मेराप प्वायंट ऑफ आर्डर है। उपाध्यक्ष महोदय, जब चौधरी देवी लाल जी उपप्रधानमंत्री थे, जत तो पंजाब में गवर्नर राज था जबकि ये पगड़ी बदल भाई का राज बता रहे है। चोधरी देवी लाल जी ने ही 80 प्रति ात काम एस0 वाई0 एल0 का कराया था जबकि आज कुछ भी इस नहर का काम नही हो रहा है।

श्री अमर सिंह धानकः डिप्टी स्पीकर साहब, 1977 में कौन था? 1977 में तो देवी लाल जी ही थे। मै 1977 की ही बात कर रहा हूं ये तो अच्दी बात कहने पर इंटरफियर ही करते है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री जसविन्द्र सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, अगर ये 1977 की ही बात कर रहे है। तो उस समय उनका बेटा सी0 एम0 हां से आ गयात्र? चौटाला साहब तो उस समय सी0 एम0 थे ही नही।

श्री अमर सिंह धानकः उपाध्यक्ष महोदय, मै ताऊ के बारे में कह रहा थ ाकि वे पानी ला सकते थे। लेकिन वे पानी नही

लाए। इसके अलावा, पिछली बार हरियाणा में रिकार्ड तोड़ फसल का भाव मिला है जिसकी वजह से किसान खु ाहाल हुए हैं किसानों को बहुत अच्छा भाव मिला, जबकि ताऊ के राज में ऐसे भाव किसानों को नही मिले। उपाध्यक्ष महोदय, अगर परमे वर की कृपा हो गयी तो इसबार भी रिकार्ड तोड़ फसल होगी ओर इसको रखने के लिए भी जगह नही मिलेगी। इस साल हमारी रिकार्ड तोड़ पैदावार होगी। (विध्न) मै इरीगे ान के बारे में बता रहा था कि पिछली बार ताऊ की सरकार में इरीगे ान एंड पावर मिनिस्टर चौधरी भाम ेर सिंह सुरजेवाला थे। उस समयर्म 1987 में, ताल्लु सिवाड़ा लिक माईनर का एक फाउंडे ान स्टोन रखा गया था। (इस समय श्री अध्यक्ष पदासीन हुए) इसके लिए पैसा भी निकाल दिया गया था जो 49.45 लाख रूपया था ओर काम भी भाुय हो गया था लेकिन ताऊ की सरकार अनने के बाद उस पत्थरको तोड़कर नहर में डाल दिया गया। यह माईनर नही बनायी गयी अगर बनी जाती तो चार गांव सिवाजपुर, मंढावा ओर लोहासीजाटू का पानी मिल जाता। इसक अलावा ताऊ के चार सालों के राज में भूरे माईनर, खानक माईनपर, गेंडावास माईनर के जो पत्थर रखे ग्रये थे इन पत्थरों को तोड़कर नहर में डाल दिया। ये अगर कोई मोईनर बना दते तो किसाना सुखी हो जाते, पैदावार बढऋती ओर वे लोग इनका गुणगान करते लकिन इन्होने इनको बनवाने के बजाए उल्टा काम किया। अध्यक्ष महोदय, मेरी सरकार से प्रार्ीन है कि जो पत्थर इन्होने तोड़े है कम से कम अब उन्हें लगाकर उन लहरेां का काम भाुरू करवा कर पानी चालू करवाया जाए।

श्री अध्यक्षः गुप्ता साहब, आप बोलने के लिए कितना समय लेगें।

वित्त मंत्री (श्री मांगे राम गुप्ता): सर, मै बोलने के लिए दस मिनट लूंगा।

श्री अध्यक्ष ठीक है। अगर सिंह जी, आप जल्दी ही खत्म करें क्योंकि आपका टाईम भी हो गया है।

श्री अमर सिंह धानकः स्पीकर सर, ऐजूके ान के बारे में मै कहना चाहूंगा कि मेरे हल्के में कंवारी और जमालपुर में 1986–87 में बारह लाख इकतालसी हजार प्रति बिल्डिंग के हिसाब से 24.82 लाख रूपये खर्च करके सरकार ने यह दोनों बिल्डिगं बनाइ थी अगर वह 10 जमा 2 बिल्डिग बनकर तैयार है तो उनकों 10 जमा 2 बनाया जाए। इसी प्रकर से ट्रांसपोर्ट के मामले में बससों के बारे में कहना चाहूंगा कि यह ठीक है कि सहूलियत बढत्री है लकिन बसों को पूरी तरह से इंतजाम नही है। बसे बढ़ाई जाएं और भिवानी डिपों में और अधिक बसें दी जाएं ताकि लोगों को सहूलियत मिल सकें भिवानी जिले में सभी माईनर की टेल है खास तौर पर बवानी खेड़ा टेलों को हल्काहैं मेर सुझाव है कि इरीगे ान मिनिस्टर साहब इसको नोट करें। 121 बुरजी सुन्दर ब्रांच से 179 बुरजी तक हिसार डिवीजन में हैं टेल और हैड एक डिवीजन में रखे जाएं ताकी पानी की डिस्ट्रीच्यू ान ठीक ढंग से होसके। इससे 150 क्यूसिक जो टेलों का पानी है वह हैड वाले ले

जाते है वह बवानी खेड़ा के हल्के का पानी है इलैकिट्रसिटी के बारे में मै कहना चाहूंगा कि जब से पांवर मिनिस्टर साहब ने यह महकमा संभाला हैै। काफी यत्न किया गया है काफी कोि ा ा की है। यदि बारि ा न होती तो वे बिल्कुल विफल हो जाते, बारि ा ने उनको बचाया। उनकी मेहतनत ओर भगवान की कृपा से किसान को काफी राहत मिली हैं मेरी गुजारि ा है कि गांवों के छीये की तरफ से टिमटिमाते हुई बिजली है थ्री फेज की लाई सब जगह दी जाए जिससे चक्की चल सके। सिगल फेज की लाईट तो दीये के बाराबरहैं जितनी देर हरियाणा में बिजली रहे तीन फेस की होनी चाहिए। गांव ओर भाहर में ाकेई डिसक्रिने ान नही होना चाहए। पिदले दिनों मै सिवानी के गांवों में गया था। खाना खाने के वक्त बिजली चली जाए तो बड़ी परे ाानी होती हैं। मै पॉवर मिनिस्टर साहब से गुजारि ा कुरूंगा कि बिजली का डिस्ट्रीव्यू ान ठीक ढंग से हो ताकि सभी को बिजली मिल सकें। इन भाब्दों के साथ मै इस डिमांड्ज को अपनी तरफ से समथ्रन करता हूं। धन्यवाद।

चौधरी जिले सिंह जाखड़ (साल्हावास): अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने का समय दिया, इसके लिए आपका बहुत बहुत धन्यवाद। अध्यक्ष महोदय, बजट में प्रावधान किए जात `है, रूल बनाए जाते है फिर बजट ककी सदन में पे ा किया जाता है। मै जानना चाहूंगा कि जब हम बजट को पास करते है, क्या उसको चैक करते है कि हहां मिसयूटीलाइजे ान हुआ है, ठीक तरह से

खर्च हुआ या नही हुआ? वित्त मंत्री जी ने अपने बजट इकोनोमिक सर्वे आफ हरियाणा में माना है कि टोटल 46.33 लाख मैनडेज होगे लेकिन 31 दिसम्बर तक केवल 12.05 लाख मैनडैज ही कर पउए। मै गुप्ता जी से पूछना चाहूंगा कि 31 दिसम्बर तक 12.05 लाख मैनडेज कवर कर पाए है, बाकी तीन महीनों में 34 लाख मैनडेज कैसे क्रिएट करेगे? अगर 34 लाख क्रिएट कर भी दिये तो इस तरह से करने का क्या यूज होगा? ट्रैक्अर के द्वारा मैनडेज खोदे जा रहे है, उसकसे चैक करना चाहिए। ट्रैक्अर से खोद कर मैनडेज बना देगे। इसी तरी से फंड की एलौटमैंट गर क्वार्टरली हो जात `उसका यूटीलाइजे ान हो सकता है। डिपार्टमैंटस को निदे ा दिए जात है कि 31 मार्च से पहले–पहले यह पैसा खर्च हो जाना चाहिए। इसका परिणाम यह होता है कि अफरा–तफरी में पैसा खर्च किया जाता है, पैसा फूंक दिया जाता है ताकि किसी तरह से पैसा खत्म हो जाए। इस तरह का प्रोविजन करने का क्या फायदा होगा? क्वार्टरली, फंड डिपार्टमैंट वाइज पैसा दिया जाए ताकि पैसे का दुरूपयोग न हो।

डिमांड नं0 3 होम के बारे में है। पुलिए का जौ रवैया हमारे प्रति है या हमारा पुलिए के प्रति है, वह अच्छा नही हैं पुलिस को गाली न सिखाकर अच्छी बातें सिखानी चाहिए ताकि वे पब्लिक की सुरक्षा करें, समाज में अच्छा वातावरण पैदा करें। आज अगर मंत्री जी के लड़के सेफ नही है तो आम आदती का क्या हाल होगा? पुलिस का आदमी भी सेफ नही है तो ऐडमिनिस्ट्रे ान

बरकारर कैसे रखा जा सकता है? पुलिए को जो ट्रेनिग दी जाती है, उस ट्रेनिग के दौरान उनका अच्छा आचरण बनाया जाए ताकि समजा की सुरक्षा मेनटेन्ड रह सकें।

स्पीकर साहब, आगे डिमांड नं0 8 पर कहना चाहता हूं। यह डिमांड बिल्डिंग्ज एंड रोडज की है। रोड्ज का यह हाल है कि हमारे यहां पर कोई भी रोड टीक नही हैं सारी सड़कों में गढ्दे पड़े हुए है सारी सड़के बरबाद है और सारी टूटी–फूटी पड़ी है। मै सरकार से अनुरोध करूंगा कि जितना पैसा ऐजिग के लिए खर्च किया जा रहा है, उस को बजाये सड़कों को चौडा करने पर खर्च किया जाये तो ठीक रहेगा। आज यह हो रहा है जो 8, 10 या 12 फुट की सड़कों को थोड़ा वाइडन कर दिया जाये तो ठीक रहेगा। सड़कों के टूटने का एक ही कारण है। हर गांव मैं, हर टाउन में या हर भाहर में जहां जहां पानी खड़ा रहता है, वहां से रोड्ज टूट जाती है। हमारे यहां पर कोसली में भी खड़े पानी की दिक्कत हैं हो सकता है दूसरी जगहो ंपर भी ऐसी ही दिक्कत होगी। रोड के साथ–साथ पानी के लिए चैनल्ज बननी जरूरी है ताकि पानी रोड्ज पर जाने की बजाये, उन चैलल्ज मं से गुजर सके। इस समय सिस्टम यह है कि गांव की सड़कें तो पंचायत बनायेगी ताथ भाहर की सड़के म्यूनिस्पिल कमेटी बनायेगी ओर दूसरा डिपार्टमैंट चैनल्ज बनायेगा यानी पी डब्ल्यू0 डी0 (पब्लिक हैल्थ) का को चैनल्ज बनाने काक काम दिया हुआ है। मेरा कहना यह है क वह एक ही किस्म का काम हैं रोड्ज को बनाने ओर उनकों बरबाद

होने से बचाने के लिए इस काम को एक ही डिमार्टमैंट को देना चाहिए।

अब डिमांड नं 10 के बारे में कुछ कहना चाहूंगा। यह डिमांड मैडीकल एंड पब्लिक हैल्थ के बारे में है। आप किसी भी होस्पिटल में चले जाइए, वहां पर दवाईया नही है, डाक्टर्ज नही हैं पिछले दिनों मेरे हल्के के गांव जमलपुर में, मुख्य मंत्री, सी0 एव0 सी0 की ओपनिग सैरेमनी के लिए गये थे। वहां पर केवल एक डाक्टर एक कम्पाउडर ओर 16 चपड़ासी हैं आप ही देखे, क्लास–फोर के 16 आदमी है और डाक्टर केवल एक हे। मेरा कहना यह है कि वहां पर आप डाक्टर्ज की संख्या को बढ़ाये। इस तरह से से न करें कि चपड़ासी तो 16 लगा दे ओर डाक्टर केवल एक ही हो। वहां पर आप दवाईयों ज्यादा दें और अच्दी क्वालिटी की दवाईया भेजे। इतने ज्यादा चपड़ासी भर्ती करने का कोई फायदा नही है। आज भी उस सी0 एच0 सवी0 के अन्दर कोई डाक्टर नही हैं तरख्वाह तो उस डाक्टर की जमालपुर के बजट से ली जाती है लेकिन वह काम कही ओर जगह करता है। मेरा सरकार से अनरोध है कि एक तो आप अच्छी दवाईयां दे, और दूसरे जो वहां का डाक्टर आन डैपुटे ान वही दूसरी जगह पर काम कर रहा है, उससे वही पर रखा जाए। किसी दूसरी जगह नही जाना चहाए। पब्लिक हैल्थ कि जहां तक ताल्लुक है, मै एक बात दावे के साथ कह सकता हूं। आज सरकार दावा तो करती है कि उसने 6739 गांवों को पीने का पानी दे दिया है, मगर इन

गांवों में से केवल 10 फीसदी लोग ही ऐसे होगे जहां पर वाटर सपलाई के हैड है और वहां के लोग ही आपका पानी पीते होगे। 10–20 फीसदी गांवों में ही पानी ठीक जाता होगा, लेकिन सब जगह नही। इल्लीगल कुनैक ान्ज बहुत ज्यादा है जिनके कारण पानी टेल तक जाता ही नही हैं हमारे यहां पर 1960–1962 से वाटर सप्लाई की स्कीम बनी हुई। आज आबादी 15000 के करीब पहुंच चुकी है ओर वाटर पाईप लाइन्ज बड़ी पुरानी पड़ी हुई थी। उन पाईप्स को बदला गया है ओर जो पुरानी पाईप्स निकाली गयी है, वह बेकार पड़ी हुई हैं पानी को कैपेसिटी बढ़ाने के कारण जो पाईप लाईन्ज उखाडी गयी है ओर बेकार पड़ी हुई है, उसका किसी दूसरी जगह पर प्रयोग किया जा सकता हैं वह लोहे की पाईप्स है, मेरा विचार यह है कि उनको दोबारा प्रयोग किया जा सकता है। इस तरह से जो पाईप्स उखाड़ी गयी है उनको बरबाद न करके कुनै ान देने के लिए या कैपेसिटी बढाने के लिए इस्तेमल किया जाये। अगर ओर कुछ नही कर सकते तो इन पाईप्स को नीलाम कर दिया जाए। जो पैसा वसूल होगा, उसके उस जगह की बहूबदी के लिए लगाया जाए।

एक आवाजः कहां की पाईप्ज की बात कर रहे हो?

चौधरी जिले सिंह जाखड़ाः मेरे इलाके कोसली में एक नंगल खेड़ा की स्कीम है, वह कम से कम 85 गांव की स्कीम है। उसमें से, कम से कम 20 गांवों की स्कीम में से, लोहे की पाईप उखाड़ी गयी है जो बेकार पडत्री हुई है। उन लोहे की पाईप्स को

किसी दूसरी जगह प इस्तेमाल किया जा सकता हैं यह मेरा सुझाव है। इसके अलावा, सरकार की एक और स्कीम है जिन गांवों में मीठा पानी नही है, उन गांवों के जोहड़ों की खुदाई के लि एसरकार 80000 रूपया देती है ताकि पीने का पानी मिल सके। मेरे हल्के में एक खीरड़ा गांव है। वहां पर 5 एकड़ का जोहड़ है वह तो बरसात के दिनोंमें भरता नही है लेकिन तीन जोहडद्य और खोदने के लिए 80000 रूपये के हिसाब से दिए गए हैं मातनहेल ब्लौक मे ंपैसे का बहुत ज्यादा मिसरूटीलाइजे ान हुआ है। अस्सी अस्सी हजार के इतने जोहड़ खोद दिए ओर वह सारा रूपया बरबाद होगया। मै सरकार से अनुरोघ करूंगा कि वह हाउस की एक कमेटी बनाए ओर वह केटी वहा जकार देखे कि वे जोहड़ वहां जरूरी भी थे या नही थे। अगर उस पैसे को ठीक ढंग से ययूटीलाइज करते तो वह पैसा किसी ओर काम ा सकाता था। जोडहड खोदने की क्या जयश्रत थीत्र? जब पांच एकड़ का एक जोहड़ बरसात क`पानी सेनही भरता तो तीन और जोहड़ खोदने का क्या फायदा है ओर वे क्यों खोदे गए? तब पानी का कोई साधन नही है बरसात का पानी वहां बढ़ जाएगा ओर प ुओं को दो महीने पीने का पानी नही मिलेगा इसलिए इस तरह की फिजूलखर्ची का रोका जाए।

स्पीकर साहब, इन डिमाण्डज में एजूके ान के लिए पैसा रखा गया है मुख्य मंत्री जी कहते है कि हमारे यहां ि ाक्षा का बहुत विस्तार हुआ है। हमारे यहां 55.85 परसैन्ट लोग पढ़े

लिखे है ओर पंजाब के अन्दर 58 परसैन्ट समथिग पढ़े लिखे लोग है। स्पीकर साहब, ऐजूके ान का बजट बढ़ाकर हम टीचर्ज ट्रेनिग स्कूलों की संख्या बढ़ाई जा सकती है स्पीकर साहब, आज टीचर्ज की जो ट्रांसफर पोलिसी एक समस्या बनी हुई हैं भाहर के जे0 बी0 टी0 टीचर्ज आज किसी दूसरे जगह नही रहना चाहते। उनका कही और ट्रांसफर हो जाता है तो वे वहां नही जाते। एक महीने मे ंएक दिन हाजिरी लगा देते है ओर तरख्वाह ले लेते हैं और हजारेां लोग सैक्रिटेरिएट में चक्कर काटते रहते है। ि ाक्षा का स्तर सुधारने के लिए बेहतरीन तरीका यह है कि हम ट्रांसफर पौलिसी बना लें उसी पौलिसी के तहत हम उनका ट्रांस्फर करें हम ट्रांसफर पोलिसी ऐसी बना ले कि पांच साल तक ट्रांसफर नही होगा। ऐसा करने से हमरी सरदर्दी काफी कम हो जाएगी। आज भाहर के आसपास के जो टीचर्ज है वे दूर गांवों से जाना नही चाहते। अगर उनका ट्रांसफर हो जाता है तो वे वहां नही जाते, इससे बच्चों की ि ाक्षा पर असर पड़ता है। सरकार हर टीचर से पूछ ले कि वह कहा रहना चाहता हे। ओर उसकी मर्जी के मुताबिक उसका ट्रांसफर कर दिया जाए लेकिन उसके पांच साल क बाद तक कोई ट्रांसफर न किया जाए। ि ाक्षा स्तर सुधारने का इससे बेहतर ओर कोई तरीका नही हो सकता। इससे टीचर्ज भी संतुश्ट रहेगे। स्पीकर साहब, डिमांड नं0 13 सो ाल वैलफेयर की है। सो ाल वैलफेयर के अन्दर समाज कल्याण आता है। समाज कल्याण का मतलब है कि हम अपने समाज का कलयाण करे। स्पीकर साहब, आज हम अपने समाज का कल्याण नही रहे है।

आज आंगनवाड़ी में लाखों बच्चों को खिचड़ी खिलाने के लिए, दलिया खिलाने के लिए छोटे–छोटे बच्चों से अपने–अपने घरों से कटोरे मंगवाए जाते है। स्पीकर साहब, उनको खिचड़ी देना, भूगड़े देना, दलिया देना, और गुड देना क्या यह कोई समाज कल्याण की स्कीम है?

समाज कल्याण राज्य मंत्री (कैप्टन अजय सिंह यादव): स्पीकर सहाब, यह कह रहे है कि आंगनवाडी में खिचड़ी बनती है। हमरे अब आंगनवाड़ियों के लिए नई पौलिसी निकाली है। हमने अुकेर नाम की कि किताब निकाली है। यह किताब नर्सरी ट्रेनिग के बारे में है बच्चों को हम ट्रेनिग दै है। यह गल्त कह रहे है कि आंगनवाड़ी में कोई काम नही होता।

चौधरी जिले सिंह जाखड़: मै तो यह कहना चाहता हूं कि हाउस की एक कमेटी बनाकर उनका काम देख लिया जउए। हमारी पी0 ए0 सी0 कमेट ीने इनको देखने का प्रोग्राम बनया था लेकिन वह सिरे नही चढत्रा। स्पीकर साहब, मेरा कहना यह है कि आप कुछ फैमिलीज फिक्स कर ले, कुछ मैफिलीज आइडैन्टीफाई कर लें, जिल फैमिलीज की ओर जिन बच्चों को अपने देना है, उनको आईडैन्टीफाई करें ओर उनको दे। मै यह नही कहता कि आप न खिलाओं। सैंट्रल गवर्नमैंअ का न्यूट्री ान का प्रोग्रम है। उसेा आप यूटीलाइज करों। लकिन अब हालत यह है कि उस मैटीरयल को कही भैस खा रही है या कोई कट्टी खा रही है। बच्चों को नही मिल रहा हैं कितना आताहै और कितना जाताहै,

इसका कोई हिसाब किताब नही है, आप फिक्स कदो दें कि एक परिवार के बच्चे को पास ग्राम मिलेगा, सौ ग्राम मिलेगा या दो सै ग्राम किलेगा या दस ग्राम किलेगा जिससे कि उनका कुछ भला हो सके।

स्पीकर साहब, अब मैं डिमाड नं 15 जो इरीगे ान की है, के बारे में कहना चाहता हूं। इरीगे ान के लिए मै गुप्ता जी को कहूंगा कि इस मद में बहुत ज्यादा पैस दिया जाए। यहां पर एस0 वाई0 एल0 के पानी के बारे में झगड़ा है कि 3800 लाख एकड़ फीट पानी नही मिल या 3500 लाख एकड़ फीट पानी नही मिला। मै तो यह कहूंगा कि 3800 की बजाए अगर 3600 मिल जाए तक भी ले लो। पचास साल हो गए ओर हम पानी की वजह से बर्बाद हो रहे है। अगर अगले बीस साल भी पानी नही मिला तो वह भी सारा चला जाएगा। झगड़ा करने के क्या फायदा है? फिजूल में लटठम लट्ठा हो रहा है। हमारे पास डब्ल्यू जे0 सी0 क जमुना का दो तिहाई पानी हैं हम उसको यूटीलाइज नही कर रहे है। और एस0 वाई0 एल0 पर लट्ठ बजा रहे है। उसका क्या फायदा है? हथनी कुंउ बैराज बनाओं ताकि ताजेवाला हैड का पानी मिल सके। दक्षिणी हरियाणा में बरसात में एक लाख एकड़ फीट पानी होता है ओर उससे से पचास हजार या अस्सी हजार एकड फीट पानी बेस्ट चला जाता है। यह बात मंत्री जी ने मानी है। उस पानी का यूज करने के लिए नहरों को डिसिलिटंग कराकर दक्षिणी हरियाणा के जिलों को भेज दिया जाए ता कम से

कम वाटर रिचार्ज होकर पानी तो आ जाएगा। हमारे टयूबवैल्ज तो चल पड़ेगे। अगर सरकार इन स्कीमों में भी पैसा नही लगाएगी तो कहां लगाएगी? जब बरसात के दिनों में आपके पास पानी स्पेयर होगा तो जरूरत के दिनों में आप उस पानी को दे सकते है। स्पीकर सहाब, एस0 आई0 टी0 सी0 और काढ़ा के अन्दर जो आप वाटर कोसिज बनाते है, मै दावे के साथ कह सकता हूं कि आज हमारे वाटर कोसिज जितने भी है वे बकार पडत्रे है उनके बनने क बाद से आत क एक घूंट भी पानी उसमें नही चला है। बीस–बीस किलोमीटर लम्बे वाटर कोसिज बने पड़े है जिनसें एक घूंट भी नही चल रहा है। आप सर्वे करकार देख ले कि इन वाटर कोकिसज में पानी पहुंच है या नही पहुंचा है अगर कोई वाटर कोर्स पांच किलोमीटर लम्बा है तथा वह टूट गया ओर सरकार के पास उस पर लगाने के लिए पैसा नही है तो उसका क्या फायदा है? इसलिए रिपेयर के लिए भी सरकार पैसा दे। रिपेयर के लिए कौन बैनीफि ायरी पैसा देगा ओर कौन पैसा इक्ट्ठा करेगा ओर कौन उसको बनाएगा। कौन उसकी रिपेयर करेगा? इसलिए बजट में इसकी रिपेयर के लिए पैसे का प्रावधान किया जाना चाहिए।

इससे आगे मै इरीगे ान विभाग का भी कुछ जिकर करना चाहूंगा, इस में ड्रेनेज डिवीजन भी आता है। उसमें डीजर ट्रेक्टर क्रेनज वगैरह ओर दूसरी तरह की बहुत सारी मं ीनरी होती है जो यो ही पड़ी बरबाद हो रही है। 10–15 साल पहले हमारी साहलावास की ड्रेन बनी थी, पता नही वहां पर कितना

लोहा यंही बेकार पड़ा हुआ है। कोई उसकी सुध बुध नही लेता। मै सरकार से कहूंगा कि अगर वह वेस्ट मैटीरिय, उससे कोई यूटीलाईजे ान नही है, उनको अगर कंडमंड कराब दे दिया गया है तो उसकी जल्दी से जल्दी नीलामी करवा दी जाए। औक ान से जो पैसा सरकार को मिले, उसको दूसरे कामों पर लगाये। पी0 ए0 सी0 कमेटी का मैम्बर होते हुए हमने इस मुद्दे को एग्जामिन किया था लकिन यह बात नही बनी। हमें बताया गया कि इसके लिए काफी समय लगा जाता है। हमें समझ नही आता कि कोई चीज जो किसी काम की काम नही है, उसकी डिवोजल में दो–दो, तीन–तीन महीने का समय कैसे लग जाता है?

श्री अध्यक्षः आपका समय समाप्त हो गया है। जिले सिंह जी। अब आप बैठै।

चौधरी जिले सिंह जांखड़ः सर, मै एक दो मिनट में अपनी बातें कह कर समाप्त करूंगा। मै कह रहा था कि जो सामान वेस्ट हाता है, यूटीलाईज नही हो पाता, कंडम होता है, चाहे जीपे हो, ट्रैक्टर्ज हो, उनकी जल्दी ही आक ान करवा दी जानी चाहिए ताकि उन से जो पैसा आए, उसका कही ओर सदुपयोग किया जा सकते। अगर उन चीजों को समय पर कंडम करके आक ान कर देगे तो सही कीमत मिलेगी और अगर देर से आक ान की जाएगी तो पैसा कम मिलेगा। इसलिए सरकार इस ओर वि ोश ध्यान देवे।

इससे आगे में डिमांड नं0 17 के बारे में बोलना चाहूंगा। इरीगे ान में जो हमारी जमीन खराब हो रही है, उसकसी ओर सरकार ध्यान दे। जैसे जेहलम, डब्ल्यू0 जे0 सी0 और जे0 एस0 पी0 के साथ जो पैरेलल जमीन पड़ी है, वह बर्बाद हो हरी है ंऐसी जमीन लगभग 50–60 हजार एकड़ के करीब होगी,सरकार को ऐी जमीन को जल्दी ही ीठकक रवानाचाहिएं इससे किसानों को नुक्सान हो रहा है। और सरकारका भी हो रहा है। रोहतक, रिवाड़ी और महेन्द्रगढ़ की जो जमीन है, टीले पडत्रे हुए है, उनकी सरकार को लैवलिग करनी चाहिए जहां पर न बरसात का पानी है और न ही टयूवबैल्ज का पानी है, उसकी लैवलिग करवायी जाए ताकि किसानों को और ज्यादा जमीन जोतने के लिए मिल सकें।

इसके साथ साथ अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से एक बात ओ कहूंगा जहां तक स्टाफ का संबंध है। जैसे एस0 डी0 ओज0 है, सर्किल आफिसर्ज हे, इंस्पैक्टर्ज है उनको साल के 265 दिनों मे ंएक घण्आ भी काम नही है ये सारे कोइ कही बैठता है, कोई गांव में बैठता है, कोई हैड क्वाट्र में बैठताहैं अगर ये कोई काम करते है हो, किसी किसान के खेत में कभी गयी हो, उनको कुछ बताय हो, या किसी को कुछ नालिज हो तो सरकार बताए ऐसी बात नही हैं बस महीन में एक दिन आए, टिकट लगाई और तनख्वाह ले गये। इनकी कुछ चैकिग सरकार द्वारा होनी चहिए। अगर ये किसानों के पास जात`हो तो उनको पता हो सकता है

कि खेती क्या होती है इनको किसानों को पूरी तरह से मदद देनी चाहिए कि फला खेती किस तरह से हो सकती हैं अगर फलां खेत में बीमारी पड़ ाजए तो इसके लिए क्या करना होगा लकिन जब स्वयं को ही कुछ पनता नह हो तो ये किसानों को क्या बतायंगा। इसलिए सरकार कारे इस ओर पूरा ध्यान देना चाहिए।

सरकार को इस तरफ का स्टाफ यूंही बैठक तनख्वाह ले रहा है इसलिए मेरी सरकार से गुजारि ा है कि इस सरप्लस स्टाफ को कही ओर जगह पर इस्तेमाल करें।

इससे आगे में माकिटींग बोर्ड का जिक्र करूंगा। इसमे ंमंडिया भी आत ीहैं सरकार नई मंडियों बनाने जा रही है मेरा सरकार से अनुरोध ाहै कि वे नई मंडिया बनाने की बजाए जो पहले ही पुरानी मंड़िया अधूरी पडत्री हुई है, पहले उनका काम खत्म किया जाए, उनको पूरा किया जए, फिर नई मंडियों को ओर धयन दिया जाए। इस तरह नई मंडियों की घोशणाए करने को कोई लाभ नही होगा, जब तक पुरानी मंडियों इंक्पलीट पड़ी हो। मेरे कोसली हल्के में एक मंड़ी पिछले 10—15 सालों से अधूरी पड़ी है ओर उसके नजदीक आस पास कोई दूसरी मंडी भी नही है, वह बिल्कुल बेकार पड़ा हैं इसलिए सरकार जो नई मंडिया बना रही है उनकी तरफ ध्यान न देकर पहले पुरानी मंडियों को पूरा करने पर ध्यान दें।

अध्यक्ष महोदय, यहां पर कम्यूनिटी डिवैल्पमैंट विभाग का भी जिकर आया। मै यकह कहूंगा कि सामूहिक विकास का जो पैसा सरकार लगा रही है, उसकस ठीक ढंग से यूटीलाईजे ान नही हो रहा है। उस पैसे का फिजूल में बरबाद नही किया जाना चाहिए।

पहले मैने यह जिकर किया था यूंही फिजूल में जोहड़ खोदे जा रहे है ओर वे ट्रैक्टर्ज के द्वारा खोदे जा रहे है, फिर उनके मेनडोज बना दिए जाएंगे। सब से पहली उस इलाके की यह डिमांड है कि वहां पर हमारी बहन, बहू–बेटियों के लिएबुजुगों के लिए लैट्रीन बनाई जाएं इसलिए सरकार को मेरा सुझाव है कि सरकार इसके लिए एक या आधा एकड भूमि अर्जित करके, चार दीवारी बना दे, यहां सफी ाीऐन्ट रहेगा ताकि लोगों को लैट्रीन वगैरह जाने के लिए कोई दिक्कत का सामना न करना पड़े। यूंही फिजूल कम्यूनिटी डिवैल्पमैंट के लिए पैसा लगाया जाए, यह कोई अच्छी बात नही हैं इसमें हम कामयाब नही है वाटर सप्लाई भी कोई नही है जिससे इन लैट्रीनज को पानी के साथ कनैक्ट कर दें। इसलिए सरकार गांव में रहने वाली हामरी बहन, बहू–बेटियों व बुजुगों की दिक्कतों को ध्यान में रखते हुए चारदीवारी करवा दे ताकि लोगों को सुख–सुविधा हो सके। ऐसा काम सरकार को तुरन्त ही करना चाहिए। (धन्यवाद)

श्री कर्ण सिंह दलाल (पलवल): स्पीकर साहब, मै डिमांड नं0 2, 3, 8, 15, 17 और 22 पर बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं।

स्पीकर साहब, सदन में इरीगे ान की डिमांड पर चर्चा की गई। मै उस जगह स संबंध रखता हूं, कई बार सदन में चर्चा हुई कि जिला फरीदाबाद को नहीर पानी देने के बारें में सरकार को बिल्कुल इरादा नही है। बार–बार हमारे उस जिले के दूसरे माननी सदस्यों नपे भी सदन में चर्चा की है। जिला फरीदाबाद मे ंजो आगरा नहर है, उसमें से हरियाणा को अपने हिस्से के तौर पर पानी मिलता है। आज उस नहर मे ंपहले से ज्यादा पानी आता है। अगर हरियाणा सरकार उत्तर प्रदे ा सरकार से उसका कन्ट्रोल लेने के बारे में फिलहाज बात नही कर सकती है तो उस पानी का हिस्सा बढ़ाने की बात तो कर सकती है। अगर ऐसा हो जाए तो जो पानी बढ़ेगा, उसको गुडगांव कैनाल में डाल कर हमने सिर्फ फरीदाबाद जिले को बल्कि गुड़गावं के मेवात के इलाके में भी पानी दे सकते है। जिला फरीदाबाद के जितने उद्योग और दिल्ली के उद्योग है तथा दिल्ली का जितना सीवरेज का गंद है, वह सारा आगरा और गुडगांवा नहरों में चला जाता है। उस पानी से बहुत ज्यादा बदबू आती है। जहां जां से ये नहरे गुजरती है वहां पर बदबू के मारे लोगां को जीना दूभर हो जगया है। उस गन्दे पानी की वजह से लोगों का जीना दूभर हो गया है। उस गन्दे पानी की वजअ से लोगों की सेहत पर असर पड़ा है। मै चाहता हूं कि इनका पर्यावरण महकमा उस गन्दे पानी को रोके। आज पचर्यावरण के नाम पर सब से बड़ा मजाक हैं फरीदाबाद को केवल हरियाणा कह नही बल्कि नौथे इंडिया का उद्योग सैन्टर कहा जाता है ंहरियाणा सराकर ने चर्यावरण अदालते बनाने का जिक किया यह

आदालाते एक हिसार मे, एक अम्बालजा में तथा एक और किसी जगह बनेगी। जबकि उस अदालत का हकदार फरीदाबाद जिाल था क्योंकि उद्योगों की सब से ज्यादा गन्दगी फरीदबाद में है। इसके अलावा हमारे पलवल के इलाके में सड़कें की बहुति बरुी हालत है। हम जहां भी बोलते है तो हमरे मंत्री ओर आदरणीय मुख्य मंत्री हमार साथ इस तरह से पे ा आते है जैसे हरियाणा प्रदे ा में इनका ही हक है, सदन में भी केवल इन्ही का हक है, हमारा कोई हक नही है। हमैं झूठा साबित करने कैी कोि ा ा की जाती है। चौधरी भजन लाल ने फरीदाबाद से एम0 पी0 इलैक ान लड़ा था। इन्होनें लोगों को कहा था कि अगर मैं सांसद बन गया तो मै जिला फरीदाबाद को इंग्लैड बना दूंगा। (विध्न) आज हालत यह है कि प्रदे ा में 110 ए0 एस0 आईज0 की भर्ती हुई। स्पीकर सहाब, हमारे फरीदाबाद जिले के भाायद ही किसी बच्चे कानाम उस लिस्टा में हो। प्रदे ा में कोई भी नौकरी निकलती है तो उसके लिए या तो हिसार के लडत्रके लिए जाते है या कालका के लिए जाते है स्पीकर साहब, कोई भी स्कीम या तो कालका के लिए बनती है या हिसार के लिए बनती है। फरीदाबाद के लिए कुछ नही हेाता। हमारे मुख्य मंत्री जी को फरीदाबा से 50 लाख रूपए महीने की कमाई है.....

चौधरी भजन लालः क्या कहा अपने यह दोबारा बता दें।

श्री कर्ण सिंह दलालः फरीदाबार मे जो ट्रक यूनियन है, उसको मुख्य मंत्री ने अपनी कमाई का जरिया बनया हुआ है। वहां के डी0 सी0 और एस0 पी0 को इन्होने आदे ा दे रखे है। कि चाहे जिला प्र ाासन चले य न चले, मुख्य मंत्री को उस यूनियन से 50 लाख रूपये पहुंच जाने चाहिए। (ाोर)

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। अध्यक्ष महोदय, इन्होने जो बात कहीहै उससे धटिया बात कोई आदमी कह नही सकता सदन के मैम्बर को ठीक बात करनी याहिए। अध्यक्ष महोदय, अगर ये इस बात को साबित कर देगे, तो मै इस्तीफा दे दूंगा या फिर ये अस्तिफा दे दे। जैसा इन्सान होता है वह वैसी ही बात करेगा। इनको इस तरह के बेहूदा एलीगे ान लगाने का कोई लाईसैंस नही मिला हुआ ** * * * यह कोई तरीका है। ऐसी गलत बात कहने को इनको कोई लाईसैस नही मिला हुआ है। (ाोर)

चौधरी बंसी लालः स्पीकर साहब, मुख्य मंत्री जी ने जो भाब्द कहे है वे रिकार्ड पर नही आने चाहिए। (ाोर)

श्री अध्यक्षः ठीक है वे भाब्द रिकार्ड पर न आएं। (ाोर)

प्रो0 छतर सिंह चौहानः स्पीकर साहब, मुख्य मंत्री जी ने जिन भाबदों का इस्तेमाल किया है, वे भाब्द मुख्य मंत्री जी को वापिस लेने चाहिए। (ाोर)

श्री अध्यक्षः उन भाब्दों को रिकार्ड से निकाल दियागया है।

चौधरी जगदी ा नेहराः स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। विधान सभा के माननीय सदस्यों को सदन में प्रवे ा करते ही मसाने खम्बे पर बात लिखी हुई है उसकसे पढ़ लेना चाहिए। माननीय सदस्य दलाल साहिब बार–बार सदन में गलत बात कहते है। इनका यह कोई तरीका नही है। (ाोर)

श्री अध्यक्षः दलाल साहब, आप बैठ जाए। (ाोर)

चौधरी जगदी ा नेहराः स्पीकर साहब, माननीय सदस्य श्री कर्ण सिंह दलाल ने जो राज्यपाल महोदय के बारे में कोई बात हुई थी, उस के बारे में आल सुबह मुख्य मंत्री जी से खिलाफ आपकों एक प्रिविलेज मो ान दिया था जबकि गवर्नर साहब के कंडक्ट के बारे में असैम्बली के अन्दर कोई डिस्क ान नही हो सकती। जब उसब रे में दलाल साहब से एफेडेविट देने के लिए कहा गयातो मुकर गए। अगर ये सच्चे होते तो एफेडेविट देते। आप समझदार आदमी हो, विधायक हो और जिम्मेदार आदमी हो आप एफेडेविट देते। अगर आप सच्चे है तो एफेडेविट देते। आप अब भी एफेडेविट दे हम अब भी तैयार है। इसतरह से गलत बोलने से क्या फायदा। यह आपका कोई तरीका नही है कि हर टाईम गलत एलीगे ान लगा दों। (ाोर)

श्री अध्यक्षः आपको भी बोलने के लिए पांच मिनट का टाईम दिया जाएगा।

श्री कर्ण सिंह दलालः स्पीकर साहब, हमारे जिले के लोगों के हाथ हर मामले में यह सरकार भद्दा मजाक कर रही है। हमारे वहां पलवल, बल्लभगढ़, होडल के लिए जो पहले आई0 एस0 बी0 टी0 से बसें चलती थी, वे अब बन्द कर दी गई हैं अब कोई कालेखा अड्डा बनाया गया है वहां से ये बसे चलती है, जो आई0 एस0 बी0 टी0 से 12 कि0 मी0 दूरी पर पड़ता है। जो सवारियों चण्डीगढ़, रोहतक या प्रदे ा के दूसरे हिस्सों में जाना चाहती है, उनकों आई0 एस0 बी0 टी0 से बसें पकड़ने के लिए काफी परे ाानी होती है। मेरी सरकार से मांग है कि हमारे एरिया में जो बसें पहले आई0 एस0 बी0 टी0 के लिए चीती थी, अब भी वही से चलनी चाहिए।

अध्यक्ष महोदय, मेरी दूसरी मांग है कि हमारे एरिया में बिजली के खम्भों की काफी कमी है। खम्भे न होने की वजह से बांस के डण्डों पर तारे नंगी लगी हुई है, उनके गिरने से काईबार जानवर ओरइन्सान के जीवन को खतरा बना रहता है। मेरा मंगा है कि सरकार जल्दी से जल्दी बिजली के खम्भों को भिजवाने का प्रबन्ध करें।

श्री अध्यक्षः दलाल साहब, अब आप बैठे। आपको पहले ही काफी समय मिल गया है। अब श्री राम रतन जी बोलेगे।

श्री राम रतन (हसनपुर एस0सी0): स्पीकर सहाब, मै आपके ध्यान में औरसदन के ध्यान मे ंलानाचाहता हूं कि दलाल साहब इस्तीफै की बात कर रहे है मै कहना चाहू कि पिछले सै ान मै। भी मैने इस्तीफा दिया थ। ये दलाल साहब जी है, ये पहले इस्तीफा दें। (ाोर)

श्री अध्यक्षः आप डिमांड पर बोलें।

श्री राम रतनः अध्यक्ष महोदय, मै आपकी सेवा में अर्ज करना चाहता हूं कि जब मै हरियाणा में कांग्रेस पार्टी की सरकार बनी है, तब से हरियाणा में काफी विकास का काम हुआ है। (विध्न) अध्यक्ष महोदय, मै डिमांड नं0 1 से 7 पर बालना चाहता हूं। अध्यक्ष महोदय, मै कह रहा था कि जब से हरियाणा प्रदे ा में कांग्रेस सरकार बनी है, तबसे हरियाणा में विकास के काम हुए है। मै आपकी इजाजत से कहना चाहता हूं कि हमारे जिलाकाफी पिछड़ा हुआ है।

बैठक का समय बढ़ाना

श्री अध्यक्षः यदि हाउस की सहमति हो तो हाउस का टाईम 10 मिनट के लिए बढा दिया जाए।

आवाजें: टीक है जी।

श्री अध्यक्षः हाउस का समय 10 मिनट के लिए बढ़ाया जाता है।

वर्श 1994–95 के बजट अनुदानों की मांगों पर चर्च तथा मतदान (पुररारम्भ)

श्री राम रतनः अध्यक्ष महोदय दलाल साहब की दुकान मार्किट कमेटी, पलवल में हैं इनकी दुकान के बाहर दो पेड़ भी ाम के खड़े थे जिनकी कीमत कम से कम 20 हजार रूपये होगी। उन दोनों पेड़ों को यह लोग काट कर ले गए थे औरअब वहां भी ाम के पेड़ नही है। (ाोर एवं विध्न) स्पीकर साहब, अगर यह बात झूठी होतो मै सदन से इस्तीरफा देने` लिए तैयार हूं। चौधरी कर्ण सिंह जी भी इस्तीफा दे दें ओर मै भी अपना इस्तीरफ लिख कर आपको दे देता हूं। अगर मेरी बात झूठ हो तो मेरा इस्तीरफ मन्जूर कर लिया जाए। (विध्न एवं भाोर) अगर मेरी बात सच साबित हो जाए तो इनका इस्तीफा मंजूर कर लेना चाहिए। (विध्न एवं भाोर)

श्री अध्यक्षः भी ाम के ये पेड़ कितना टाईम पहले काटे गऐ है? (विध्न एवं भाोर)

श्री राम रतनः ये पेड़ करीब 2 महीने पहले ही कोट्ट एक है। पलवल में कालोनी के अन्दर इनकी कोठी बन रही है उन भी ाम के पेड़ों को कोट कर ले गए है और उनसे वहां पर किवाड़ बनाए जा रहे है। (विध्न एवं भाोर) अगर यह बात हो तो मै इस्तीफा देने के लिए तैयार हूं। (विध्न एवं भाोर)

श्री कर्ण सिंह दलालः स्पीकर साहब, मेरीा प्वायंट आफ आर्डर है। (व्यवधान)

श्री अध्यक्षः राम रतन जी, आप बैठिए। कर्ण सिंह जी, आपका प्वायंट आफ आर्डर क्या है?

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, जो बात श्री रात रतन जी ने सदन में कही है, वह बिल्कुल बेबुनियाद ओर गलत है, मेरी कोई दुकान पलवल मार्किट कमेटी में मेरे नाम से नही है और न ही मैने भाी ाम या कीकर का कोई पेड़ काटा हैं ये बेबुनियाद बात यहा पर कह रहे हे। (विध्न) अध्यक्ष महोदय, मै आपक माध्यम से श्रीमान जी से कहना चाहूंगा कि इस प्राकर का व्यवहार सदन की मर्यादा के खिलाफ है ंये श्रीमान जी सदन मे किसी मिनिस्टर के माध्यम से या राम रतन जी के माध्यम से चाहे जाजे भी कहलवा ले, लेकिन ये मुझे बोलने से नही रोक सकते है। मै अपनी बात कहूंगा और इनके इस प्रकार रोकने से नही रूकूंगा। (विध्न एवं भाोर)

श्री राम रतनः स्पीकर साहब, मैने भाी ाम के पेड़ का जिकर किया है, कीकर के पेड़ का मैने नाम नही लिया। हो सकता है ंइन्होने कोई कीकर का पेड़ भी काटा हो लकिन मैने सिर्फ भाी ाम के पेड़ की ही बात कही है। (विध्न एवं भाोर) भाी ाम के पेड़ इनके भाई ने काटे है, मार्किट कमेटी, पलवल के लोगों को

इस का पता है। स्पीकर साहब, आप हाउस की कमेटी बना कर सर्वे करवा लें। (विध्न)

चौधरी बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, आनर्बेल मैम्बर ने पर्सनल एक्सप्लेन ान के लिए काफी टाईम ले लिया है और टाईम काफी ज्यादा हो गया हैं हमने कट मो ान दिया हैं (ाोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष होदय, मै आपसे यह जानना चाहता हूं कि कट मो ान पर बोलने के लिए में समय मिलेगा या नही?

श्री अध्यक्षः डिमांड फार ग्रांट्स के लिए जितना टाईम ऐलोट होगा आपकी पार्टी के सदस्यों के हिसाब से आपको टाईम जरूर देगे। (विध्न) जितना टाईम रूलिग पार्टी को मिलना उतना उनको मिलेगा ओर पार्टी की रे ाों के मुताबिक आपकी पार्टी को टाईम मिलेगा। (ाोर एव व्यवधान)

श्री राम रतनः अध्यक्ष महोदय, मै तो डेढ़ लाख वोटो से चुन कर हाउस में आया हूं ओर मुझे अपने बात कहने का अधिकार है, क्या आप मेरी बात नही सुनेगे? (ाोर)

श्री अध्यक्षः आप अपनी बात कहिए परन्तु अपनी बात मो बार–बार रिपोर्ट न करे।

श्री राम रतनः अध्यक्ष महोदय, अब मै ि ाक्षा के बारें में कहना चाहता हूं आज की सरकार ने ि ाक्षा में नक्ल रोकने के लिए काफी प्रयास किए है। अध्यक्ष महोदय, मेरे हल्के में दस जमा

दो के स्कूल नही है और जो है भी वह 15 किलोमीटर दूर है.....
.....

श्री अध्यक्षः राम रतन जी, आपका टाईम हो गया है , अब आप बैठ जाए। बंसी लाल जी क्या आप बोलना चाहेगे?

चौधरी बंसी लालः जी हां।

वित्त मंत्री (श्री मांगे राम गुप्ता): अध्यक्ष महोदय, ये तो बोल चुके है।

श्री अध्यक्षः इन्होनें थोड़ा सा बोलना है आप पहले इनको बोलने दें।

चौधरी बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, मै डिमांड नं0 2, 3, 15, 17 और 24 पर बोलना चाहता हूं। अध्यक्ष महोदय, एक बात मै कहना चाहूंगा कि किसानों के लिए खेतों में जो दवाईया छिडकने के लिए मिलती है उन का कीड़ो पर कोई असर नही होता। पिछले दिनों मै सिरसा गयाथा, वहं पर मुझे लोगों ने बताया कि कपास पर छिड़कने के लिए जो दवाई दी गई है वह बेकार है, उसका कीड़ों पर कोई असर नही पड़ता। लोगों ने ककोरे में दवाई डाल करउसमें कीडत्रे डाल दिया लकिन वे कीड़े मरे नही, बल्कि ऊपर तैरने लग पड़े। यह दवाई पानी की तरह है।

अध्यक्ष महोदय, जो सड़के अलग से माकिटिक बोर्ड बनाता है, वह डुपलीकेट काम हो जात है। अध्यक्ष महोदय, पहले

भी यह होता था कि माकिटंग बोर्ड, पी0 डब्ल्यू0 डी0 डिपार्टमैंट को काम दे देता था। माकिटिग बोर्ड वाले जो सड़के बनात`है, उनकी क्वालिटी ठीक नही होती, उनके पास टैक्नीकल नौ–हाऊ नही होते। मेरी सरकार को सुझाव है कि माकिटिंग बोर्ड का पैसा पी0 डब्ल्यू0 डी0 को दे दिया जाए जाकि अच्छी सड़के बने।

अध्यक्ष महोदय, अब गर्मी आ रही है। खासकर मेरे जिले मे ंपानी की किल्लत होगी। इस तरह से रोहतक, सोनीपत, महेन्द्रगढ़, रिवाडी, फरीदाबाद ओर गुड़गांव में पीने के भी पानी की किल्लत आएगी। क्या सरकार इसके लिए पहले से ही प्रबन्ध करेगी क्योंकि एक महीने के अन्दर अन्दर गर्मी आ रही है?

अध्यक्ष महोदय, जिला हिसार में फर्जी खाद सप्लाई हो रही है। यह खुद मुख्य मंत्री जी का जिला है। यह गोरखपुर गांव और भूना के इलाके मोजी, गैमउनपुर, और चौबारा में कई जगह पर खाद के नमूने किए गए थे लेनिक वह खाद गलत निकली थी ओर ठीक नही थी अगर ऐसी खाद किसानों को दी जाएगी तो किसानों का बहुत नुक्सान होगां अध्यक्षम होदय, मेरी इत्लाह के मुताबिक एग्रीकल्चर मिनिस्टर ने अखबार में ब्यान दिया था कि दौ सौ से ज्यादा नमूने फेल हुए हैं

अध्यक्ष महोदय, इसके बाद मै जे0 एल0 एन0 के बारे में कहनाचाहूंगा। जे0 एल0 एन0 कैनाल पर डिच ड्रेन जल्दी से जल्दी बनाए जाए। अगर यह नही बनाई गई तो सोनीपत और रोहतक

जि के गांवों की हात बहुत खराब हो जाएगी क्योंकि इनके दोनों तरफ 4–5 एकडय जमीन में पटेरा खड़ा हो गया हैं ओर वह जमीन कल्लर बन गई है। इसलिए सरकार को डिच ड्रेन जल्दी से जल्दी बनानी चाहिए। जहां तक सिंचाई का ताल्लुक है, उइसके लिए किना पैसा खर्च करते है, इस बारे में कुछ पता नही है ओर न ही कुछ कहा जा सकता है। मै जगह जगह पर जाता हूं और पूछता हूं कि क्या नहरों की डी–सिल्टिग हुई है तो किसी न भी यह नही कहा कि हां डी–सिल्टिग हुई है। अध्यक्ष महोदय, नहरों की डीसिल्टिग होनी चाहिए। आज पहले ही पानी की दिक्कत है। अगर टेल पर पानी नही पहुंचेगा तो बहुत नुक्सान हो जाएगा।

बैठक का समय बढ़ाना

श्री अध्यक्षः अगर सदन की सहमति हो तो सदन का समस दस मिनट के लिए और बढ़ा दिया जाए।

आवाजें: ठीक है जी।

श्री अध्यक्षः सदन का समय दस मिनट और बढाया जाता है।

वर्श 1994–95 के बजट अनुदानों की मांगों पर चर्चा तथा मतदान (पुररारम्भ)

चौधरी बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, इसके अलावा मै यह भ कहना चाहूंगा कि जो राई के कम्पलैक्स के लिए पैसा रखा

गया है, वह बहुत ही कम है, ज्यादा पैसा रखना चाहिए ताकि इस कम्पलैक्स को जल्दी से जल्दी डिवैल्प कियाजा सकते। इसके साथ ही रोहतक क`पास तो तलयार लेक है, वहां पर हर संडे को दिल्ली से लोग घूमने के लिए ओ है, इसलिए इसको ऐक्सटैन्ड करना चाहिए। वहां पर मोटल भी बनाया जाए ताकि टूरिज्म को बढ़ावा मिल सके। ऐसा करने से सरकार को आमदनी भी होगी ओर स्टेट का नाम भी ऊंचा होगा। इकसे अलावा, धारूहेड़ा कम्पलेक्स मेंभी अममोडेश्ज्ञन की कमी आ गयी है क्योकि जयपुर आने जाने वालों का ट्रैफिक बहुत हौ इसलिए इस कम्पलैक्स को भी बढ़ाना चाहएि इसके अलावा डैपेचिक जो होडल के पास है, बहुत अच्छा नही है, वहां भी अकमोडे ान की कमी है, इसिलए अकमीडेश्ज्ञन बढायी जाए। रैस्टोरेंट की जगह पर पीने के पानी का प्रबन्ध बढ़िया किया जाए। आजकल लोग यू0 पी0 में चार पांच किलोमीटर की दूरी पर, कोसी में ठहर जाते है लेकिन हमारे यहां नही ठहकरते, इसलिए मसरकार को वहां पर भी अच्छा प्रबन्ध करना चाहिए। रिवाड़ी के टूरिस्ट कम्पलेक्स में भी पीने के पानी का अच्छा प्रबन्ध होना चाहिए और ठकहरन` लिएज्यादा से ज्यादा अकमोडे ान होनी चाहिए। इसके अलावा अध्यक्ष महोदय, दउूसरी चीज यह है कि वहां पर जो तकिये मैटरसिज बैड भीट्स, बैड कवर्ज है, वे पुरान हो गये हैं अगर उनको हटाकर देख्तो है तो वे बिखरने लगते है, इसलिए सकरार उनको रिप्लेस करें। मै यह भी कहना चाहूंगा कि टूरिज्म के लिए 32000000 रूपया रखा है, यह

बहुत कम है। सरकार को कम से कम 15 करोड रूपये रखने चाहिए थे।

अध्यक्ष महोदय, इसके अलावा मै एक बात जनरल ऐडमिनिस्ट्रे ान के बारे में कहना चाहूंगा। पुलिए को मोरल बहुत ही नीचा है क्योंकि डी0 जी0 पी0 नीचे वाले स्टाफ की तकलीफों को ध्यान नही करता। पुलिस का ढांचा अच्छी तरह नही चल रहा हैं ला एण्ड आर्डर में गड़बड़ है। ला एण्ड आर्डर में गड़बड क्या है यह तो बिल्कुल है ही नही। अध्यक्ष होदय, मै आपके जरिए कहूंगा कि जो डी0 जी0 पुलिए लगा हुआ है, वह कभी कभी पंचकुल रैस्ट हाउस में रहता है। लेकिन परमानेटली दिल्ली मे ंरहता है। कभी यह चण्डीगढ़ मे ंया पंचकुला में रहता है, कभी दिल्ली में। उससे कहे कि या तो वह यहां का काम कर ले या दिल्ली का काम कर ले। इनको उसकी जगह पर किसी और अफसर को लगा देना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, गवर्नमैंट के व्हीकल्ज का भी बहुत मिसयूज होता है। चाहे सब्जी लानी हो चाहे कही और ले जाना हो, चाहे मुख्य मंत्री जी को कही जाना हो तो काफी गाड़िया उनके साथ चलती है तो मै सरकार को इसके बारे में सलाह दूंगा कि ऐसी जगहो पर एक ही गाड़ी तीन चार अफसरों का लेकर जाए। ऐसा नही होना चाहिए कि एक गाड़ी एक ही अफसर को लेकर जाए। अध्यक्ष महोदय, इसके अलावा, जो गुडगांव जिले में 80–90 एकड़ जमीन की चर्चा आज सुबह हुई है, अगर उस जमीन पर टूरिज्म कम्पलैक्स बना दिया जाए, रेसर्कोस बना दिया जाए,

गोल्फ क्लब बना दिया जाए या टूरिज्म की कोई दूसरी चीज बना दी जाए तो मै समझता हूं यह बहुत ही अच्दा हेागा क्योंकि यह जगह दिल्ली के दरवाजे पर इन्दिरा गांधी ऐयरपोटे के साथ ही है। इससे सरकार को कम से कम बीस सा तीस करोड़ रूपये की कमाई हो सकती है। सरकार इस जमीन को चाहे ऐक्वायर करे या कुछ भी करे, लेकिन टूरिज्म डिपार्टमैंट से वापस न ले। अगर वह जमीन वापस ले ली है तो उनको वापस देकर वहां पर टूरिज्म का कम्पलैक्स डिवैल्प करें जिससे की स्टेट को फायदा हो सके ओर स्टेट का नाम ऊंचा हो सके। अध्यक्ष महोदय, गवर्नमैंट की म ानिरी को मिसयूज तो बेहद ही है। एक एफ0 आई0 आर0 नं0 307, दिनांक 11.11.93 संगरिया मंडी में दर्ज हुई है वहां पर इसके लोग बूथ कैपरिग करने गए थे लकिन वे खुद ही कैप्यरहो गये। अध्यक्ष महोदय, यह कोई अच्दी बा तनही है। इसके अलावा, मै यह भी कहना चाहूंगा कि जो फरीदाबाद की खानं है, अगर उन सबों ने ानेलाईज कर दें तो सरकार को ज्यादा फायदा होगा। आज उन खानों से नाजायज तौर पर पत्थर निकलाकर बेचा जाता है। जिसकी वजह से सकरार की आमदनी कम हुई है। और यह तो गुडगांव ओर फरीदाबार जिले में, पंचायतें की, गांवों की जितनी जमीन नीलाम हुई है। उन सबकी सुप्रीम कोर्ट के सिंटिब जज से इंक्वायरी कराई जाए ताकि पता लग सके कि वह सारी जमीने नीनाम हुई है, उन सबकी सुप्रीम कोर्ट सिटिग जज से इंक्वायरी कराइ जाए ताक पता लग सकें कि वह सारी जमीनें ठीक नीलाम हुई है या नही? नीलामी की खबर अखबार में महीने सा दो महीने

में एकबात छपती है, लेकिन इसकी आक ान नही होती, किसी आफिसर के घर के ऊपर नीलामी हो जाती है इस बारे में सुप्रीम कोर्ट के सिटिग जज से इंक्वायरी कराई जाए। आजकल बडत्री तेजी से एक धारा चल रही है, मुख्य मंत्री जी ने एक नयी प्रथा चलाई है कि मंत्रियों की कोरे भेज हो, एम0 एल0 ए0 को कारे भेज हो, तोहफे भेंद हो। यह तो इस तरह का धन्धा चल रहाहै यह टीक नही है धक्के से चंदा वसूल होता है। 15–15 लाख, 20–20 लाख रूपए इकटठे किए जाते है। मै उनके नाम नलेकर बदमगजी पैदा नही करना चाहता। मै चाहता हूं कि चंदा वसूल करने मे ंसरकारी म ाीनरी का सिसयूज न किया जाए लेकिन मिसयूट होता है। अध्यक्ष्हा महोदय, एक कमि ानर इन्होने रोहतक में लगा रखा है वह चार सौ या पौने चार सौ रूपये में वी0 डी0 ओ0 के थ्रू कैसिटऔर कितबे बेचा तहै उसकी आप कनाट प्लैस में कोई दुकान खुलवा दो। वहां बेच लेगा। अध्यक्ष महोदय, ऐसी चीजों पर प्रतिबन्ध होना चाहिए। सरकारी म ाीनरी का दुरूपयोग नही होना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, मैने पहले भी कहा था ओरअब भी खुलासा तौर से कह देता हूं कि मुख्य मंत्री जी के अपने भाहर में, 2 अक्टूबर, 93 को, महात्मा गाधी जी, की स्टैच्यू पर माला डालने गए भाराब बंदी आंदोलन के कार्यकर्ता भाांति से अपना आंदोलन चला रहे थे। मुख्य ंत्री जी ने हिसार तो दरकिनारा,रोहतक तक गिरफतारियों करवा दी। इससे उनकी हिसार की फैक्टरी को तो कोई खतरा नही था। भाराब के खिलाफ आंदोलन का तो आपको भी समर्थन करना चाहिए था

अध्यक्ष महोदय बातें तो औरभ बहुत सारी कहनी लेकिन समय काध्यान रखते हुए मै यही अपनी बात समाप्त करता हूं। (धन्यवाद)

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाला): अध्यक्ष महोदय, चौधरी बंसी ला ने डी0 जी0 पी0 के बारे में कहा कि डी0 जी0 पी0 रहते रैस्ट हाउस में है और घर दिल्ली में है। अध्यक्ष महोदय, दिल्ली में उनके बच्चे पढ़ते है, आफिसर को दिक्कत हो सकती है जितन काबिल, जिना भाानदार डी0 जी0 हरियाणा को है, उतना दे ा में किसी भी प्रदे ा का नही हैं ला एण्ड आर्डर जितना भाानदार हरियाणा में है, उतना किस भी प्रदे ा में नही मिलेगा। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है।

श्री अध्यक्षः दलाल साहब, आप बैठ जाइए। कोई प्वायंट आफ आर्डर नही।

चौधरी भजन लालः क्या आपके बारे में कुछ कहा है? डी0 जी0 पी0 के बारे में कहा है अध्यक्ष महोदय, डी0 जी0 पी0 के बारे में पिछली बार भी इन्होन कहलवाया, यह ठीक बात नही है अच्छे आफिसर की तारीफ करनी चाहिए। कोई गलत काम करते हो, बेईमान हो तो कहें, फिर हम भी मानेगे। (विध्न)।

चौधरी बंसी लालः मै तो कहूंगा कि वह इनकंपिटैंट है।

चौधरी भजन लालः आप के कहने न कहने से तो कोई फर्क पड़ने वाला नही है। अब आप चीफ मिनिस्टर थे तो आपका ओर मेरा एक ही जिला थां आपने छांटकर बढ़िया एस0 पी0 हिसार में लगाया हुआ था। ये वही डी0 जी0 पी0 हैं

चौधरी बंसी लालः ये जरूरी तो नही कि जो आदमी आज से 15 साल पहले अच्छा था वह आज भी अच्छा हो?

चौधरी भजन लालः एक अध्यक्ष महोदय, इन्होने कमि ानर का नाम लेकर यह कह दिया कि वह कैसेट बेचता हैं यह बिल्कुल सच्ची बात नही है वह कमि रन इनके जिले का श्री के0 सी0 भार्मा हैं वह बहुत ही बढ़िया ाानदार और ईमानदार अफसर है। कोई इन्हौन उसको गलत काम कह दिया होगा, उसने किया नही होगा। चौधरी बंसी लाल का एक सुख है कि भोर एक मिनट लगता है लड़ने में । एक मिनट की भी टाल नही करता। यह इनकी बहुत अच्दी क्वालिटी है। यह क्वालिटी भी किसी किसी आदमी में ही मिलेगी (हंसी) दूसीरबात अध्यक्ष महोदय, इन्होने यह कह दी कि गवर्नमैंट म ाीनरी का संगरिया में बहुत मिससूज कियागया। यह बात इन्होने पहले भी कही है पता नही, इनको क्या फोबिया हो जाता है। ऐसी बात कहने का गवर्नमैंअ म ाीनरी मिसयूज करने का तो सवाल ही पैदा नही होता।

बैठक का समय बढ़ाना

श्री अध्यक्षः अभी फाईनैंस मिनिस्टर साहब ने बोलना है इसलिए यदि हाउस की सहमति हो तो हाउस का समय 10 मिनट के लिए ओर बढत्रा दिया जाए।

आवाजेः जी हां

श्री अध्यक्षः बैठक का समय 10 मिनट के लिए और बढ़ाया जाता है।

वर्श 1994–95 के बजट अनुदानों की मांगों पर चर्चा तथा मतदान (पुनरारम्भ)

मुख्यम मंत्री (चौधरी भजन लाल): मै तो अध्यक्ष महोदय, केवल दो मिनट में ही खत्म कर दूंगा। बाकी तो गुप्ता जी ने 10 मिनट के बोलना है, वे आपसे बात करेगे। आप जानते है, कोई भी अधिकारी इलैक ान के दौरान छुट्टी ले कर जा कसता है। राजस्थान ओर हरियाणा के लोगों का आपस मेल जोल है रि तेदारिया है। हम उनकी मदद के लिए जाते है ओर वह हमारी मदद के लिए आते है। लेकिन सरकारी म ीनरी का मिसयूज कहना कोई मुनासिब बात नही हैं एक बात इन्होन फरीदाबाद की खानों के बोरमें कही है। पहले वहां से इन्कम 9 करोड़ रूपये की थी लकिन अब इन्कम 16 करोड़ से भी ऊपर हो रही है इसलिए कोई गड़बड़ का सवाल ही पैदा नही होता।

चौधरी बंसी लालः इनको नै ानेलाईज कर दों। नै ानेलाईज कर दोगे तो इन्कम 50 करोड़ होगी।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, हमने नै ानेलाईज करके भी देख लिया हैं एक बात इन्होने पंचायत की जमीन के बारे में कही है कि नीलामी ठीक नही हुई या उसमें कुछ कमी रही है। पंचायत प्रस्ताव पास करने के बाद ही बाकायदा औपन आक ान से जमीन को नीलाम करती हैं जब भ्ळाी कोइ्र आक ान पंचायत की जमीन की होती है तो सारी पंचायत से प्रस्ताव पास होता है तब वह नीलामी होती है। जब वह नीलामी छूटती है तो अगर अच्छा भाव होता है तो उस जमीन को पंचायत बेच सकती है, वरना वह टाल भी कर सकती है वरना वह टाल भी कर सकती है। कोई प्राइवैअ आदमी जब अपनी जमीन बेचता है ओर अगर उसका कोई दूसरा आमदी लेना चाहते ता सरकार उसमें क्या दखल दे सकती है? इसी तरह से पंचायत अगर कोई जमीन बेचनाचाहे तेा इसमें हम क्या कर सकते हैत्र इसी तरह से पंचायत अगर कोई जमीन बेचना चाहे तो इसमें हम क्या कर सकते है। अगर ओपन आक ान मे पंचायती जमीन आक ान न हुई हो ता बातये। हां, अगर कोई ि ाकायत हो तो ये लिख कर भेज दें, हम उसकी जांच करवा सकते है। एक बात इन्होने यह कही कि मत्रियों को एम0 एल0 एज0 को कारें दी जाती है। अगर किसी हल्के के लोग उनके भले काम के लिए ऐसा करते है, तो हम इसमें क्या कर सकते हैं? यह प्रथा तो चौधरी बंसी लाल न ही डाली हुई है। इनके खुद के जमाने में स्टेज पर एम0 एल0एज0 को कारें भेट की जाती थी इसके लिए सरकारी म ाीनरी चन्दा

इक्ट्ठा करती थी (व्यवधान भाोर) मैने यह कहा है कि आपके जमाने में तो एम0 एल0 ए0 को कार स्टेज पर भेंट होती थी।

चौधरी बसी लालः कब हुई है, यह भी जारा बात दो?

चौधरी भजन लालः वह भी हम आपका बता देगें। एक बात ओर हेाती थी सरकारी म ाीनरी की बाकयदा डियूटी लगती थी। जो जलसे होते थे, उनमें पटवारी से लेकर डिप्टी कमि ानर तक ओर एक सिपाही से लेकर एम0 पी0 तक की डियूटी लगती थी। लकिन हमने किसी भी आदमी हो डियूटी नही लगायी है। हमारे जलसों में तो आदमी अपने आप ट्रैक्टरों में, बसों में या पैदल चल कर आते है। इसलिए किसी भी सरकारी म ाीनरी का दुरूपयोग करने का तो कोई सवाल ही पैदा नही होता।

चौधरी बंसी लालः आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर। मुख्य मंत्री जी मेरे ऊपर एक इल्माज यह लगाया थी कि यू0 पी0 में सरकारी म ाीनरी लगाकर मैने जलसे किए थें यह आरोप निराधार और बेबुनियाद है।

चौधरी भजन लालः मेने तो यू0 पी का नाम नही लिया है, मैने तो हरियाणा का नाम लिया है। हरियाणा ही आपको लिए फालतू पड़ता है।

चौधरी बंसी लालः मैने कभी हरियाणा में भी सरकारी म ाीनरी का दुरूपयोग नही किया। यह तो अध्यक्ष महोदय, पिछले दो तीन दिनों से आप भी देख रहे होगो ओर आप ने अखबारो ंमें

पढ़ा होगा कि बसों में काली पैंट पहनकर जो जाते थे या काली चुन्निया ओड़ कर जाती थी या काली जुराबें पहन कर नही जाते थे, उनको बसों से उतरवा देते थे। कोई भी आदमी काला कपड़ा पहन कर नही चल सकता इनके जलसों में काला कपड़ा पहन कर कोई आज सकता हैं

चौधरी भजन लालः ये तो हम को ऐसा ही समझते है। ये आप करते थे, वैसा ही सोचते है कि भजन लाल भी करता होगा। लेकिन ऐसा कुछ नही है। मै आपकी तरह से नही करता। डाक्टर मेंग सैन जी की पार्टी का मैम्बर सहां पर बैठा नही है। वे बड़े ही सीनियर लीडर थे। लेकिन उस आदमी को इन्होने बोरी में बन्द करके पिटवाया था चौधरी बंसी लाल जी आप अपने पर्चे उखडवाना क्यो चाहते हो।

चौधरी बंसी लालः आन ए प्वायंट आफ पर्सनल एक्सीप्लेने ान सर। यह बेबुनियाद इल्जाम हैं मुख्य मंत्री को सच बोलना तो आता ही नही है। इनकी मजबूरी भी है, इनको सच बोलाना तो आता ही नही हैं

चौधरी भजन लालः चलो स्पीकर साहब, मै बात को यही खत्म करता हूं।

वैयक्तिक स्पटीकरण

श्री धर्मपाल द्वारा–

श्री धर्मपाल सिंहः आन ए प्वायंट आफ पर्सनल एक्सप्लेने ान। अध्यक्ष महोदय, मेरे माननीय साथी श्री छतर सिंह चौहान ने कहा कि दादरी में अधिकारियों ने जलसे के लिए चन्दा इकट्ठा करके दिया ओर गाड़ी दी, यह बिल्कुल बेबुनियाद बाते हैं और गलत बाते है किसी भी अधिकारी को मैने चन्दे के लिए लिए नही कहा और न ही किसी व्यापारी को कहा । यहां तक की मैने किसी को टेलीफोन पर भी किसी तरह के चन्दे के लिए नही कहा। मैने इस बारे में कोई बात तक नही की है। अगर कोई इस बात को साबित कर दे तो मै बड़ी से बड़ी सजा भुगतन के लिए तैयार हूं। अगर यह बात साहित हो जाए तो मै इस्तीफा देने के लिए तैयार हूं माननीय सदस्य ने जो इस तरह का ऐलीगे ान लगाया है। यह बिल्कुल बेबुनियाद ओर निराधार है। इनका यह कहना कि दादरी के जलसे में पुलिस ले लोगों को पीटा या काले कपड़े उतरवस। यह बिल्कुल गलत है। ऐसा कुछ नही हुआ। ये लोगे वह भी कहते थे कि विधायक धर्मपाल को गांव के लोग घुसने नही देते ओर जलसे में एक भी आदमी नही आएगा जबकि छः तारीख को जलसे में ये हालत थी कि मुख्य मंत्री के सम्मान में जनसभा में इने लोग आए। उस दिन इतने लोग जलसे में आए कि इनके पैरों क नीचे से जमीन खिसक गई मै इनके बारे में सारी बातें कहना नही चाहता क्योंकि लोग कहेगे कि तक इनका गुणगाण करता था और आज इनके खिलाफ बोलता है। स्पीकर साहब, हमने खुद चन्दा इकट्ठा करके इनको कारें भेंट की थी। करण सिंह ने चन्द्रा इक्ट्ठा करके इनको कार भेट की थी लेकिन

आज से यारी बातों के लिए इन्कार कहे रहे है। स्पीकर साहब, इन्हौने जो आरोप लगाए है वे बेबुनियाद और गलत है।

वर्श 1994 के बजट अनुदानों की मांगों पर चर्चा तथा मतदान (पुनरारम्भ)

वित्त मंत्री (श्री मांगे राम गुप्ता): अध्यक्ष महोदय, आपकी इजाजत से हमने आज हाउस मे ंवर्श 1994–95 की अनुदान मांगों का लेखा जोखा प्रस्तुत किया हैं माननीय सदस्यों ने चर्चा में भाग लेते हुए अपने अपने हल्के की दिक्कतों ओर ि ाकायतों के बारें में विस्तार से चर्चा की। अध्यक्षम होदय, हमारी सरकार बनते ही मुख्य मंत्री जी ने सबसे से पहले फैसला लिया कि प्रदे ा के भाान्ति के साथ विकास होगा। स्पीकर साहब, हमने यह सारा केवल कागज पर ही बुलन्द नही किया बल्कि इमकों वास्तविक रूप दिया। हमने हमे ाा ही मुख्यमंत्री जी के इस उदे य को पूरा करने के लिए बजट बनाते समय, इन बातों का ध्यान रखा हैं अध्यक्ष महोदय, आज आप देख रहे है कि जहां तक हरियाणा में भाान्ति का संबंध है।, कानून और व्यवस्था का जो माहौल है वह बहुत ही अच्दाहै। हरियाणा के हर एक आदमी का हमने पूरा ध्यान रखा है, चाहे वह भाहर का रहने वाला हौ चाहे गांव का रहने वाला है किसी भी जाति है चाहे किसी भी धर्म का है, हमने सब की सेफ्टी के लिए और ला एण्ड आर्डर को मैनटेन रखने के लिए बजट पैसा रखा हैं यही कारण है कि आज हरयिाणा में गुण्डागर्दी नही कर सकता। हमने ला एण्ड आर्डर को

पूरी तरह से और अच्छी तरह से मैनटेन करने के लिए आपनी पुलिस की जो साधन उपलब्ध कराए है। उसके कारण आज कोई भी बदमा ा आदमी बच नही सकता उसके खिलाफ सख्त कार्यवाही हो सकती हैं आज लोग हरियाणा के अन्दर अमन से रहते है। स्पीकर साहब, जहां तक विकास का ताल्लुक है। कि जिस प्रदे ा में कितना विकास होगा, उतने ही लोग विकास के लिए ओर ज्यादा इच्छुक हो जाते है। यह एक स्वाभाविक बात हैं हमारे माननीय सदस्यों ने अपने हल्कों के लिए हरियाणा प्रदे ा के लिए मांगों पर चर्चा की। अध्यक्ष महोदय, यहां पर स्कूलों के बारे में चर्चा की गई कि कि गांवां में स्कूलों की कर्मी हैं ि ाक्षा की तरफ सरकार ध्यान नही देती। स्कूलों में टीचर्ज की कमी है। अध्यक्ष महोदय, मै एक बात पूरे दावे के साथ कह सकता हूं कि जितने स्कूल हमारी सरकार के आने के बाद अपग्रेड हुए है, इनकी सरकार चार साल रही, इनके चार साल में ही नही बल्कि मै तो यहां तक कह सकता हूं, कि पिछले दस साल में भी इनते स्कूल अपग्रेड नही हुए। स्पीकर सर, यहां पर मेरे भाईयों ने बोलते हुए टीचर्ज की बात भी कही कि टीचर्ज की कमी है वाकई गांव के अन्दर टीचर्ज की कमी रही थी। (ाोर)

बैठक का समय बढ़ाना

श्री अध्यक्षः मांगे राम जी मेरे विचार से 10 मिनट का समय सदन का ओर बढ़ा दे।

वित्त मंत्री (श्री मागे राम गुप्ता): ठीक है जी बढ़ा दे।

श्री अध्यक्षः ठीक है, सदन का समय 10 मिनट के लिए और बढ़ाया जाता है।

वर्श 1994–45 के बजट अनुदानों की मांगों पर चर्चा तथा मतदान (पुनरारम्भ)

वित्त मुंत्री (श्री मांगे राम गुप्ता): अध्यक्ष महोदय, मै कह रहा था कि स्कूलों मे वाकई टीचर्ज की कमी रही थी नफरी कम रही थी जिससे बच्चों की पढ़ाई में काफी नुक्सान होता था। मै इन भाईयों से पूछता हूं कि जब इन भाईयों की सरकार थी तो इन्होने ंअपने चार साल के कार्यकाल में किनते टीचर्ज लगाये थे? चार साल के अर्से में इन्होने स्कूल व कालेजों में ऐ भी पोस्ट नही दी थी। लेकिन हमने एक एक गांव की जरूरत को ध्यान मे ंरखते हुए जितने पोस्टे खाली पडत्री थी, उनको भरा था ओर कालेजों में अब चार साल के बाद पहली बार हमने पोस्टें दी हैं

इसके साथ–साथ मै यह भी कहना चाहता हूं। कि जब स्कूल अपग्रेउ होगे तसे उसके साथ साथ टीचर्ज की डिमांड बढ़ती ही जाएगी। इसलिए सरकार यह प्रयास करती रहती है ताकि स्कूलों में बच्चों की ि ाक्षा का बढ़ावा देने ं लिए बजट में ज्यादा से ज्यादा पैसे का प्रावधान किया जाए और बच्चों की पढ़ाई खराब न हो। सरकार पूरी तरह से जागरूक है कि हरियाणा का कोई भी बच्चा अनपढ़ न रहे जो व्यक्ति पहले अनपढ़ रह गया था साक्षरता

अभियान के तह उसके लिए सरकार यह कोि ा ा कर रही हैं कि ज्यादा से ज्यादा फण्डज की ऐलोके ान करके अनपढ़ता को समाप्त किया जाए (तालिया)

इसके साथ साथ अध्यक्ष महोदय, यहां पर हस्पतालों का जिकर भी आया। डाक्टर्ज का जिकर भी किया गया कि हस्पतालों में डाक्टर्ज नही है। (ाोर)

श्री अध्यक्षः मांगे राम जी , आप यह बताएं कि देहातो में जो गर्ल्ज कालेज खोले हुए है, उनको भी आप ग्रांट देगे या नही।

श्री मांगे राम गुप्ताः स्पीकर सर, भाायर कही स्कूल खुलवाने का आपकी भी इच्छा है। इसके लिए आप बड़े ही भाुभच्चिनतक है। (ाोर)

श्री अध्यक्षः खुलवाने की इच्छा नही है, खुलवा लिए है।

श्री मागे रामः अध्यक्ष महोदय, मै एक बात बताना चाहता हूं कि ि ाक्षा के के लिए बजट में हम पैसे का पूर प्रावधान करते है लेकिन जब हम बच्चों की ि ाक्षा देने की कोि ा ा करते है तो स्टूडैन्टस की नफरी बढ़ती ही रहती हैं हमारे ि ाक्षा मंत्री बता रहे थे कि हिन्दुस्तान में हरियाणा ही एक ऐसा प्रदे ा है। जहां प्राईवेट स्कूल की ि ाक्षा के लिए अपने गांव से एक किलोमीटर तक, मिडिल स्कूल की ि ाक्षा के लिए दो ढाई किलोमीटर्ज तक तथा हाई स्कूल की ि ाक्षा के लिए पांच

किलोमीटर तक बच्चों का जानापड़ताहै। सभी माननीय सदस्यों को पता होगा कि जब हम लोग पही क्लास में अपने गांव से पढ़ने के लिए जाया करते थे तो हमें कम से कम दो किलोमीटर्ज का फासला तय करन पड़ता था। इस तरह इन हालात में स्कूलों और कालेजों कें टीचर्ज की मांग तो रहेगी ही। जब तक प्राईवेट लोग स्कूल ओर कालेज खोलने के प्रयास करते रहेगे ओर ि ाक्षा को बढ़ावा देने में सरकार को योगदान देते रहेगे तक तक ि ाक्षा को बढ़ावा मिलता ही रहेगा। यह अकेले सरकार के बस काम नही हैं जो प्राईवेट संस्थाए है, अगर वे अच्छा कालेज चलते है, अच्छा स्कूल चलाते हैं अच्छी ऐजकूके ान देते है, अच्छी मनैजमैंट है तो उनकों सरकार अपनी तरफ से पूरा–पूरा सहयोग देगी, प्रोत्साहन देगी, जितनी भी सरकार की तरह से सुविधाएं दी जा सकती होगी, वह सरकार उनको प्रोवाईड करेगी ताकि बच्चों की ि ाक्षा में किसी प्रकार का विध्न न पड़ने पाये। अध्यक्ष महोदय, कालेजों में आज भी सरकार 95 प्रति ात ग्रान्ट देती है। आप ही बताएइए कि इससे ज्यादा सरकार ओर क्या कर सकती है? इससे ज्यादा सरकार और क्या मदद कर सकती है।

श्री अध्यक्षः मतलब क्या दोगे?

श्री मांगे राम गुप्ताः दे रखी है पुण्डरी से स्पीकर सर। (ाोर)

आवाजेः पुण्डरी के भी दोगे या नही। (ाोर)

श्री मांगे राम गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, एक पुण्डरी के लिए ही नही सरकार तो सारे हरियाणा के लिए चिन्तित हैं सरकार की नीति के अनुसार पुण्डरी उसमें आता है, तो अव य देगे। जो नीति में अगर पुण्डरी आएगा तो प्रायोरिटी हम देगे। इसमें कोई दिक्कत की बात नही है।

इसके साथ साथ स्पीकर सर, मै कहना चाहता हूं कि आज जरूरत है सब से ज्यादा किसानों को पानी देने की और बिजली देने की। सरकार हमे ाा ही एग्रीकलचर सैक्टर को ज्यादा पैसा देने की कोि ा ा करती है लेकिन साधन सीमित होने के कारण सारा पैसा एक ही तरफ नही लगाया जा सकता, दूसरे कामों पर भी सरकार को नजर रखनी पड़ती है। इसलिए सरकार ने यह प्रयास किया है कि खेत क्यारी और किसानो ंके टेल तक पानी पहुंचाया जाए। इसके लिए सरकार ने पूरा पूरा प्रयास किया है। अभी बोलते हुए बंसी लाल जी ने कहा कि नहरों की, माईनर्ज की सिल्ट वगैरह, निकलवाने केलिए सरकार के पास कोई साधन है ही नही ओर न ही नहरों ओर माईनर्ज की सफाई का सरकार प्रयास ही कर रही है। मै उनको यह बताना चाहता हूं कि साधन न होते हुए भी सरकार ने वल्ड बैक से इम काम के लिए 800 करोड़ रूपया मंजूर करवाए है। ताकि किसानों के खेतों तक पानी पहुंचाया जा सके। अब नहरों में ि ाल्ट ही रहेगी और न ही माईनर्ज के कच्चे पक्के होने की ि ाकायत ही रहेगी।

अध्यक्ष महोदय, यहां पर भाहरों के बारे में भी चर्च हुई ओर कुछ टैक्स के बारे में भी चर्चा हुई। मै बताना चाहता हूं कि भाहरों और गांवों को अलग नजर से देखने का पहली सरकार का ध्यान था, हमारा नही हैं पहली सरकार भाहर को एक नजर से देखती थी ओर गांव दूसरी नजर से देखती थीं हमारी सरकार इसमें फर्क नही रखती है। हम गरीब, किसान और हरिजन सभी का ध्यान रखते हैं हम हर वर्ग को सहूलियत देने की बात करते है। यहां पर सीवरेज के पानी का जिक्र अया कि पीने के पानी में मिलने की वजह से लोगों को पीलिएया हो गया। अध्यक्ष महोदय, आज जानते है कि म्यूनिसिपलट कमेटियों इतने साधन ही नही जुटा सकती थी इसलिए सरकार ने यह काम अपने हाथ में ले लिया। अब हरियणा के किसी भाहर और गांव में, जहां सीवरेज सिस्टम है, इस तरह की कोई ि ाकायत नही आएगी। अब अगर कही भी पाईप लीक हो जाएगा तो उसका पूरा इन्तजाम करने के लिए हमने बजट में पैसा रखा है।

यहां पर सड़कों के बारे में भी ि ाकायत आई। अध्यक्ष महोदय, आप तो बहुत से प्रदे ाों में घूमते है। आपको तो पता ही है ओर हम यह कह सकते है कि हरियाणा प्रदे ा की सड़के आज दे ा में नम्बर एक पर है। हमें जो आदे ा मुख्यमंत्री जी ने दिए थे ओर अब दिए है, उसके अनुसार आप देख लें। आप सारे हरियाणा मैं देख ले कि कोई भी सड़क चाहे वह किसी देहात के कोने में लगती हो, वह टूटी हुई नही रहेगी। हमने तो एक मिसाल

आपके सामने पे ा की हैं पहले किसी सरकार ने फोर लोन की तरफ ध्यान नही दिया था। अब दो महीने के अन्दर करनाल से दिल्ली तक फोर लेनिग पूरी तैयार हो जाएगी। इन्होने पता नही उस सड़क को क्यों रोक रखा था? इस बारे में पीछे मुख्य मंत्री जी ने बताया था। अध्यक्ष महोदय और कई बातों पर यहां चर्चा हुई। मै किसी बात को रिपीट नही करूंगा। बहुत सी बातों का जवाब मुख्य मंत्री जी ने दे दिया है ओर कंसर्ड मिनिस्टर्ज ने भी दिया हैं जो बजट हमने पे ा किया है, वह वक्त की मांग को देखते हुए पूरी बातों को कंसिडर करके पे ा किया है। हम यह भी कोि ा ा करेगे कि इसकासही प्रयोग हो। कही कोई म ीनरी गलत चलेगी तो उसको रोकने की भी हम पूरी कोि ा ा करेगे। अध्यक्ष महोदय, चूंकि आम पब्लिक ने इस बजट की सरहना की है इसलिए मेरा निवेदन है कि इसको सर्वसम्मति से पास किया जाए। (धन्यवाद)

Mr. Speaker: Hon'ble Members now voting on demands on the Budget for the year 1994-95 will take place.

First, I will put the cut motion on the demands to the vote of the House and then I will put the demand to the vote of the House.

Demand No. 1

Mr. Speaker: Question is—

That a sum not exceeding Rs. 27907000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that

will come in the course of payment for the year 1994-95 in respect of charges under Demand No. 1-Vidhan Sabha.

The motion was carried.

Demand No. 2

Mr. Speaker: Now I put the cut motion on demand No. 2 given by Sarvshri Bansi La, Karan Singh Dalal, Chhattar Singh Chauhan and Smt. Janki Devi Mann to the vote of the House.

Question is—

That Demand No. 2 of Rs. 568399000 on account of General Administraction be reduced by Rs. 1/-

The motion was carried.

Mr. Speaker: Question is —

That a sum not exceeding Rs. 555298000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1994-95 in respect of charges under Demand No. 2-General Administration.

The motion was carried.

Demand No. 3

Mr. Speaker: Now I put the cut motion on Demand No. 3, given by Sarvshri Bansi Lal, Ram Bhajan , Karan Singh Dalal and Attar Singh, M.L.As. to the vote of the House.

Question is—

That Demand No. 3 of Rs. 2039319000 on account of Home be reduceed by Rs. 1/-

The motion was carried.

Mr. Speaker: Question is—

That a sum not exceeding Rs. 1961064000 revenue expenditure and Rs. 45000000 for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1994-95 in respect of charges under Demand No 3-Home.

The motion was carried.

Demand No. 4

Mr. Speaker: Question is—

That a sum not exceeding Rs. 348568000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1994-95 in respect of charges under Demand No 4-Revenue.

The motion was carried.

Demand No. 5

Mr. Speaker: Now I put cut motion on Demand No. 5 given by Sh. Ram Bhajan, M.L.A. to the vote of the House.

Question is—

That demand No. 5 of Rs. 145796000 on account of Excise & Taxation be reduced by Rs. 1/-

The motion was carried.

Mr. Speaker: Question is—

That a sum not exceeding Rs. 145786000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1994-95 in respect of charges under Demand No. 5-Excise & Taxation.

The motion was carried.

Demand No. 6

Mr. Speaker: Now I put cut motion on Demand No. 6 given by Sh. Chhattar Singh Chauhan, , M.L.A. to the vote of the House.

Question is—

That demand No. 6 of Rs. 6748984000 on account of Finance be reduced by Rs. 1/-

The motion was carried.

Mr. Speaker: Question is—

That a sum not exceeding Rs. 1397909000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1994-95 in respect of charges under Demand No. 6-Finacen.

The motion was carried.

Demand No. 7

Mr. Speaker: Now I put cut motion on Demand No. 7 given by Sh. Chhattar Singh Chauhan, , M.L.A. to the vote of the House.

Question is—

That demand No. 7 of Rs. 10615476000 on account of Other Administerative Services be reduced by Rs. 1/-

The motion was carried.

Mr. Speaker: Question is—

That a sum not exceeding Rs. 13612546000 revenue expenditure and Rs. 1050000 for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1994-95 in respect of charges under Demand No. 7-Other Administrative Services.

The motion was carried.

Demand No. 8

Mr. Speaker: Now I put cut motion on Demand No. 8 given by Sh. Chhattar Singh Chauhan, Smt. Janki Dev and Karna Singh Dalal, M.L.A. to the vote of the House.

Question is—

That demand No. 8 of Rs. 10615476000 on account of Building & Roads be reduced by Rs. 1/-

The motion was carried.

Mr. Speaker: Question is—

That a sum not exceeding Rs. 861452000 revenue expenditure and Rs. 817760000 for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1994-95 in respect of charges under Demand No. 8-Buildings & Roads.

The motion was carried.

Demand No. 9

Mr. Speaker: Now I put cut motion on Demand No. 9 given by Sh. Rsm Bhan, Smt. Janaki Devi, Chhattar Singh Chauhan and Sh. Attar Singh, M.L.A. to the vote of the House.

Question is—

That demand No. 9 of Rs. 5059663000 on account of Education be reduced by Rs. 1/-

The motion was carried.

Mr. Speaker: Question is—

That a sum not exceeding Rs. 5059658000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1994-95 in respect of charges under Demand No. 9-Education.

The motion was carried.

Demand No. 10

Mr. Speaker: Now I put cut motion on Demand No. 10 given by Sh. Sh. Om Parkash Beri, M.L.A. to the vote of the House.

Question is—

That demand No. 10 of Rs. 3754769000 on account of Medical & Public Health be reduced by Rs. 1/-

The motion was carried.

Mr. Speaker: Question is—

That a sum not exceeding Rs. 3289457000 revenue expenditure and Rs.463800000 for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1994-95 in respect of charges under Demand No. 10-Medical and Public Health

The motion was carried.

बैठक का समय बढ़ाना।

श्री अध्यक्षः यदि सहमति हो तो हाउस को समय ओर 10 मिनट के लिए बढ़ा दिया जाए।

आवाजेः ठीक है जी।

श्री अध्यक्षः हाउस का समय 10 मिनट के लिए बढ़ाया जाता है।

वर्श 1994—95 के बजट अनुदानों की मांगों पर चर्चा तथा मतदान (पुररारम्भ)

Demand No. 11

Mr. Speaker: Now I put the cut motion on demand No. 11 given by Ram Bhajan, M.L.A., to the vote of the House.

Question is—

That Demand No. 11 of Rs. 138618000 on account of Urban Development be reduced by Rs. 1/-

The motion was carried.

Mr. Speaker: Question is —

That a sum not exceeding Rs. 138618000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1994-95 in respect of charges under Demand No. 11-Urban Development

The motion was carried.

Demand No. 12 to 14

Mr. Speaker: Question is—

That a sum not exceeding Rs. 299694000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1994-95 in respect of charges under Demand No. 12-Labour & Employment.

That a sum not exceeding Rs. 1933426000 revenue expenditure and Rs. 35431000 for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1994-95 in respect of charges under Demand No. 13-Social Welfare & Rehabilitation.

That a sum not exceeding Rs. 7.933600 revenue expenditure and Rs. 3444725000 for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1994-95 in respect of charges under Demand No. 14-Food and Supplies.

The motion was carried.

Demand No. 15

Mr. Speaker: Now I put cut motion on Demand No. 15 given by Sh. Sarvshir Bansi Lal, Karan Singh Dalal and Chhattar Singh Chauhan, M.L.As. to the vote of the House.

Question is—

That demand No. 15 of Rs. 11305850000 on account of Irrigation be reduced by Rs. 1/-

The motion was lost.

Mr. Speaker: I also put cut motion given by Sh. Om Parkash Beri, M.L.A. to the vote of the House.

Question is—

That Demand No. 15 of Rs. 9961550000 on account of Irrigation Department be reduced by Rs. 1/-

The motion was lost.

Mr. Speaker: Question is—

That a sum not exceeding Rs. 9961550000 revenue expenditure and Rs. 1340700000 for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the

course of payment for the year 1994-95 in respect of charges under Demand No. 15-Irrigation.

The motion was carried.

Demand No. 16

Mr. Speaker: Now I put cut motion on Demand No. 16 given by Sh. Bhajan Aggarwal, M.L.As. to the vote of the House.

Question is—

That demand No. 16 of Rs. 11305850000 on account of Irrigation be reduced by Rs. 1/-

The motion was lost.

Mr. Speaker: Question is—

That a sum not exceeding Rs. 301028000 revenue expenditure and Rs. 109711000 for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1994-95 in respect of charges under Demand No. 16Industries.

The motion was carried.

Demand No. 17

Mr. Speaker: Now I put the cut motion on demand No. 17 given by Sarvshri Bansi Lal, Karan Singh Dalal, and Om Parkash Beri, M.L.A., to the vote of the House.

Question is—

That Demand No. 17 of Rs. 1217897000 on account of Agriculture Department be reduced by Rs. 1/-

The motion was carried.

Mr. Speaker: Question is —

That a sum not exceeding Rs. 1216747000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1994-95 in respect of charges under Demand No. 17-Agriculture.

The motion was carried.

Demand No. 18 to 21

Mr. Speaker: Question is—

That a sum not exceeding Rs. 374000000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1994-95 in respect of charges under Demand No. 18-Animal Husbandry.

That a sum not exceeding Rs. 44911000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1994-95 in respect of charges under Demand No. 19-Fisheries.

That a sum not exceeding Rs. 488070000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1994-95 in respect of charges under Demand No. 20-Forest.

That a sum not exceeding Rs. 173290000 revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1994-95 in respect of charges under Demand No. 21-Community Development.

The motion was carried.

Demand No. 22

Mr. Speaker: Now I put cut motion on Demand No. 22 given by Sh. Chhattar Singh Chauhan and Karan Singh Dalal, M.L.As. to the vote of the House.

Question is—

That demand No. 22 of Rs. 225573000 on account of Cooperation Department be reduced by Rs. 1/-

The motion was lost.

Mr. Speaker: Question is—

That a sum not exceeding Rs. 139454000 revenue expenditure and Rs. 86109000 for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1994-95 in respect of charges under Demand No. 22-Cooperation.

The motion was carried.

Demand No. 23

Mr. Speaker: Question is—

That a sum not exceeding Rs. 2548392000 revenue expenditure and Rs. 379300000 for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1994-95 in respect of charges under Demand No. 23-Transport.

The motion was carried.

Demand No. 24

Mr. Speaker: Now I put cut motion on Demand No. 24 given by Sh. Bansi Lal, M.L.As. to the vote of the House.

Question is—

That demand No. 24 of Rs. 8136686000 on account of Tourism be reduced by Rs. 1/-

The motion was lost.

Mr. Speaker: Question is—

That a sum not exceeding Rs. 8502000 revenue expenditure and Rs. 26000000 for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1994-95 in respect of charges under Demand No. 24-Tourism.

The motion was carried.

Demand No. 25

Mr. Speaker: Question is—

That a sum not exceeding Rs. 3233897000 revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that

will come in the course of payment for the year 1994-95 in respect of charges under Demand No. 25-Lowans & Advances by State Govt.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now the House stands adjourned till 9-30 A.M. tomorrow, the 16th March, 1994.

19:17 Hrs.

(The Sabah then adjourned for Wednesday, the 16th March, 1994).